राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025
वर्ष 07, अंक 27, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक हेल्पर की हुई मौत, नेशनल हाइवे पर हुआ हादसा...03

तीन नगरपालिकाओं में दोहराया गया भ्रष्टाचार का पैटर्न! धनपुरी में फिर विवादों में सीएमओ पूजा...12

आयोग ने बूथों के नवीकरण में बंगाल सरकार की भूमिका पर उठाया सवाल, सामने आई बड़ी वजह

● बंगाल में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और राज्य सरकार में तकरार बढ़ गई है। आयोग ने बूथों के नवीनीकरण में सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया है, क्योंकि मैकिंटोश बर्न नामक कंपनी ने काम से हाथ खींच लिया। आयोग ने नाराजगी जताई है और जिला चुनाव अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार और आयोग के बीच पहले भी टकराव हो चुका है।

कोलकाता। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग व राज्य सरकार में तकरार बढ़ती जा रही है। आयोग ने राज्य के बूथों के नवीकरण में सरकार की भूमिका पर गंभीर प्रश्न उठाया है।

मालूम हो कि राज्य सरकार की अधीनस्थ कंपनी मैकिंटोश बर्न ने बूथों के नवीकरण की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन उसने अचानक इस काम से हाथ खींच लिया। इसका स्पष्ट कारण भी नहीं बताया। इसके बाद आयोग को आनन-फानन में जिला चुनाव अधिकारियों (जो कि जिलाधिकारी हैं) को यह दायित्व सौंपना पड़ा है।

कंपनी के गैर-जिम्मेदाराना आचरण से आयोग क्षुब्ध

जिला चुनाव अधिकारी अपने जिले के प्रत्येक बूथ में आधारभूत संरचना विकसित करेंगे। आयोग सरकारी कंपनी के इस गैर-जिम्मेदाराना आचरण से बेहद क्षुब्ध है। मैकिंटोश बर्न को ८0,000 से अधिक बूथों के नवीकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

पहले दिखाई दिलचस्पी, फिर खींच लिए हाथ

यह कंपनी बंगाल सरकार के लोक निर्माण विभाग के अधीन काम करती है। शुरू में कंपनी ने बूथों के नवीकरण का काम करने में दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया। उसने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज

अग्रवाल को पत्र लिखकर परियोजना से हटने की बात कह दी है। मैकिंटोश बर्न ने पत्र में यह भी अनुरोध किया है कि आयोग इसे लेकर उसके विरुद्ध कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे।

कड़ी कार्रवाई के मूड में आयोग

आयोग ने इस मामले में अब तक अपना रूख स्पष्ट नहीं किया है, हालांकि सूत्रों के हवाले से खबर है कि इसे लेकर मैकिंटोश बर्न को नोटिस भेजा जा सकता है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की जा सकती है। मालूम हो कि बंगाल सरकार शुरू से ही एसआईआर का पुरजोर विरोध कर रही है।

सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कई नेता इसे लेकर चुनाव अधिकारियों व कर्मचारियों व भाजपा के लोगों को धमका चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो सार्वजनिक तौर पर सीईओ पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाकर उनके विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी थी। कुछ दिन पहले मतदाता सूची के संशोधन कार्य में गड़बड़ी के दोषी पाए गए राज्य सरकार के कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर भी आयोग व राज्य सरकार में टकराव देखने को मिला था।

मुख्यमंत्री ने पहले दोषी कर्मचारियों को हटाने से साफ इन्कार कर दिया था। आयोग के सख्ती करने पर सरकार को अंततः उन्हें हटाना पड़ा था। इस मामले में आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत को दिल्ली स्थित अपने कार्यालय तक तलब किया था।

आंध्र हादसा-बस से बाइकर नहीं, उसकी लाश टकराई थी-नशे में डिवाइडर से भिड़कर मौत

● बाइक समेत बस के नीचे आया; जिंदा जले 20 यात्री

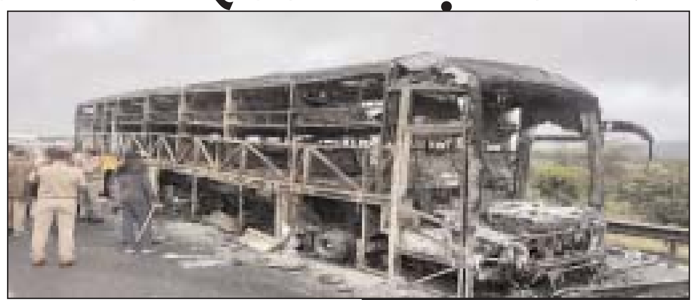

आंध्र प्रदेश पुलिस ने रविवार को पुष्टि कर दी कि कुर्नूल बस हादसे की वजह बने बाइक सवार दोनों व्यक्ति नशे में थे। बाइक का पहले ही एक्सीडेंट हो चुका था। बाइक सवार हरिशंकर भी रोड डिवाइडर से टकराने के कारण मर चुका था।

पीछे बैठा स्वामी सड़क पर पड़ी बाइक और शंकर को हटा पाता, इससे पहले ही तेज रफ्तार बस आ गई। बाइक बस में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घिसट गई। जिससे उसका फ्यूल टैंक फट गया और आग लग गई।

हादसे की यह पूरी कहानी हरिशंकर के साथ बाइक पर पीछे बैठे एरी स्वामी ने पुलिस को बताई। लगातार दो दुर्घटनाओं और बस में आग लगने के बाद स्वामी डरकर अपने गांव तुग्गली चला गया था। बाद में पुलिस ने स्वामी से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो भी इन्हीं दोनों का है, जिसमें हरिशंकर नशे में नजर आया था।

24 अक्टूबर की सुबह ह्ला-44 पर चिन्नातेकुरु गांव के पास बस में आग लगने से 20 लोगों की जलकर मौत हो गई थी। 19 यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई थी।

एरी स्वामी ने पुलिस को बताई आपबीती...

DIG कोया प्रवीण ने बताया कि हमें फोरेंसिक टीम से पुष्टि मिली है कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति हरिशंकर और एरी स्वामी नशे में थे। स्वामी ने शराब पीने की बात भी स्वीकार की है। उसने बताया कि हरिशंकर 24 अक्टूबर की देर रात करीब 2 बजे लक्ष्मीपुरम गांव से बाइक पर स्वामी को तुग्गली गांव छोड़ने के लिए निकला था। दोनों ने पहले एक ढाबे पर खाना खाया।

दोनों रात 2.24 बजे किआ कार शोरूम के पास एचपी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने के लिए रुके थे। पेट्रोल पंप पर उनके रुकने का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हरिशंकर लापरवाही से बाइक चलाते हुए दिखा था।

इलाके में तेज बारिश हो रही थी। इसलिए पेट्रोल पंप से निकलने के कुछ ही देर बाद बाइक फिसल गई। इसमें हरिशंकर दाहिनी ओर गिरकर डिवाइडर से टकरा गया। जब स्वामी ने शंकर को सड़क के बीच से खींचकर उसकी जांच की तो देखा उसकी मौत हो चुकी थी।

स्वामी ने बताया जब वह बाइक को सड़क से हटाने की सोच ही रहा था, तभी बेंगलुरु जा रही बस तेज रफ्तार से आई और उसे कुचलते हुए कुछ दूर तक घसीटती चली गई। इसके बाद बस में आग लग गई।

वायरल वीडियो में क्या था...

शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कहा जा रहा था कि यह वही बाइक सवार है, जिसकी बस से टक्कर हुई थी। यह वीडियो एक पेट्रोल पंप का है। फुटेज में टाइमिंग 24 अक्टूबर की रात 2:22 बजे की है। पेट्रोल पंप पर मोटरसाइकिल पर दो शख्स दिखाई दे रहे थे। उनमें से एक बाद में नजर नहीं आता।

थोड़ी देर बाद बाइक चला रहा एक शख्स तेज रफ्तार में ड्राइव करते हुए पेट्रोल पंप से निकलता है, उसका बैलेंस बिगड़ता है, लेकिन फिर किसी तरह बाइक संभालता है।

ड्राइवर-क्लीनर बस से कूदे, आग देखकर खुद कांच भी तोड़े

कुर्नूल के स्क्विक्रांत पाटिल ने शनिवार को बताया था कि जब आग लगी और बस रुकी, तो ड्राइवर-क्लीनर पैसेंजर डोर से बाहर कूद गए थे। उन्हें हादसे की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। आग से बचने के बाद लक्ष्मैया ने बस के निचले हिस्से में पहियों के बीच लगेज रैक में सो रहे दूसरे ड्राइवर को जगाया।

जब उन्हें एहसास हुआ कि वे गाड़ी में नहीं घुस सकते, तो उन्होंने टायर बदलने वाली रॉड से खिड़कियों के कांच तोड़ने शुरू कर दिए, जिससे कुछ यात्री बचकर निकलने में कामयाब हो गए, लेकिन आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे डरकर दोनों मौके से भाग गए। पुलिस ने दोनों को शुक्रवार दोपहर कुर्नूल से हिरासत में लिया। उन्हें इस दुर्घटना के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। इन पर लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली में DU की छात्रा पर एसिड अटैक, दोनों हाथ जले; बाइक सवार तीनों युवक फरार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की एक 20 वर्षीय छात्रा पर एसिड अटैक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दीप चंद बंधु अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता को गंभीर रूप से जलने के कारण भर्ती किया गया। पीड़िता ने बताया कि वह अशोक विहार स्थित लक्ष्मी बाई कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह अतिरिक्त कक्षा के लिए कॉलेज जा रही थी, तभी यह घटना हुई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के बयान के अनुसार, हमला उसके परिचित जितेंद्र और उसके दो साथियों ईशान और अरमान ने किया। तीनों मोटरसाइकिल पर आए थे। ईशान ने कथित तौर पर अरमान को एसिड की बोतल दी, जिसके बाद अरमान ने पीड़िता पर एसिड फेंक दिया। पीड़िता ने चेहरा बचाने की कोशिश की, लेकिन उसके दोनों हाथ झुलस गए। हमले के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने यह भी खुलासा किया कि जितेंद्र लंबे समय से उसका पीछा कर रहा था और एक महीने पहले दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। पीड़िता के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

डीटीसी बसों से रोजाना 50 हजार नोएडावासी कर रहे सफर, इनमें 22 हजार महिलाएं शामिल

नोएडा। शहर में डीटीसी बसों का लाभ प्रतिदिन करीब 50 हजार लोग ले रहे हैं। इनमें करीब 22 हजार महिलाएं हैं। डीटीसी (दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) की बसों में महिलाओं के लिए निश्शुल्क यात्रा की सुविधा है। नोएडा से दिल्ली और गुरुग्राम विभिन्न क्षेत्रों में अधिकांश महिलाएं नौकरी करने के लिए जातीं हैं। डीटीसी की ओर से स्थानीय स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ाने का प्रयास और किया जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर डीटीसी की बसें मजबूती प्रदान कर रहीं हैं। सेक्टर 16ए स्थित डीटीसी सेंटर से वर्तमान में 68 बसें संचालित हैं। जो कि नोएडा से लेकर दिल्ली, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद तक अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं।

डीटीसी के आकड़ों के अनुसार, जुलाई में करीब 6.26 लाख और अगस्त में 6.36 लाख पिंक पास जारी हुए। यानी दो महीनों में कुल 12.62 लाख से अधिक महिलाओं ने बसों में निशुल्क यात्रा की। खास बात यह है कि इनमें से प्रतिदिन 22 हजार महिलाएं नोएडा की हैं जो प्रतिदिन यात्रा करतीं हैं। दिल्ली सरकार के अधीन होने के चलते दिल्ली सरकार द्वारा संचालित पिंक सेवा योजना के तहत महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सुविधा देती हैं।

नोएडा से दिल्ली के बीच चलने वाले प्रमुख डीटीसी रूटों में

34 ए (नोएडा सेक्टर 37 से दिल्ली द्वारका)

392 (नोएडा सेक्टर 62 से नेहरू प्लेस)

534 (नोएडा सिटी सेंटर से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन)

443 (नोएडा स्टेडियम से आईटीओ)

उप्र: देवरिया में तालाब में नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

● सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बघौचघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बघौचघाट के थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के एक गांव में रविवार सुबह तालाब में नहाने गए एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार देवरिया जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र के गांव बिदही में रविवार सुबह करीब दस बजे छोटू पाल (12) गांव के पास स्थित पोखरे

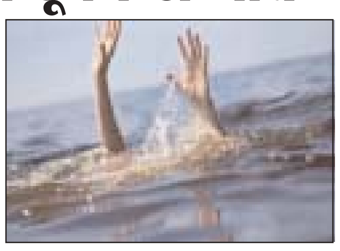

में नहाने गया था।

नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके साथ गये बालकों द्वारा शोर मचाने पर गांव के ग्रामीण जुटे और उसे पानी से बाहर निकाला। अचेतावस्था में पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पथरदेवा ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बघौचघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बघौचघाट के थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बहू ने खोली घरेलू हिंसा की परतें

● मुझे अपने उत्पीड़न में भी नहीं मिला न्याय', खोली ससुराल की पोल

पीड़ित परिवार की बहू ने FIR को बताया 'साजिश'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक हाई- प्रोफाइल घरेलू हिंसा मामले में उस समय जबरदस्त और अप्रत्याशित मोड़ आ गया, जब पीड़ित परिवार के भीतर से ही विरोध का स्वर उठा। रामपाल के सबसे छोटे बेटे की बहू पुष्पा रावत ने मीडिया के सामने आकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

पुष्पा रावत ने न सिर्फ गिरफ्तार आरोपी स्वामीकांत गुप्ता के खिलाफ दर्ज FIR को फर्जी और गहरी साजिश करार दिया, बल्कि यह भी दावा किया कि यह पूरा घटनाक्रम महज एक 'नौटंकी' थी, जिसका एकमात्र उद्देश्य स्वामीकांत को फँसाना था।

"मुझे नहीं मिला न्याय, तो स्वामीकांत को कहाँ मिलेगा?"

पुष्पा रावत ने आरोपी स्वामीकांत गुप्ता का खुले तौर पर बचाव करते हुए, अपने ससुराल के अन्य सदस्यों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "मुझे न्याय नहीं मिला।" उन्होंने अपने तर्क को पुष्ट करते हुए कहा कि जब उन्हें (पुष्पा रावत) को ही अपने घर में हुए उत्पीड़न में न्याय नहीं मिला, "तो स्वामीकांत को कहा मिलेगा?"

बहू ने खोले घर के राज: अपनी आपबीती सुनाई

स्वामीकांत के खिलाफ दर्ज स्न्रढ्ढक्र पर सवाल उठाने के लिए, पुष्पा रावत ने अपनी आपबीती सार्वजनिक की और %घरेलू हिंसा की परतें% खोलीं। उन्होंने जून माह में अपने साथ हुई घरेलू हिंसा की घटना का विवरण दिया

उत्पीड़न के आरोप

पुष्पा रावत ने आरोप लगाया कि जून माह में उनके जेठ और घर के अन्य सदस्यों ने उन्हें मारा-पीटा और आग में धक्का दे दिया, जिससे उनका पूरा हाथ जल गया और शरीर पर कई गंभीर चोटें आई।

पुलिस की अनदेखी, वर्तमान दुर्व्यवहार

उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जब वह इसकी शिकायत करने चौकी गई, तो उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि उनके ससुर रामपाल और जेठ अब भी उन पर झूठे आरोप लगाते हुए उन्हें गंदी-गंदी गालियाँ देते हैं।

मामले की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल

इस पूरे घटनाक्रम से मामले की सच्चाई और पुलिस जाँच की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक तरफ जहाँ आरोपी स्वामीकांत गुप्ता को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, वहीं अब पीड़ित पक्ष की सदस्य द्वारा खुद स्न्रढ्ढक्र को

फर्जी बताए जाने और उन्हें अपने घरेलू उत्पीड़न में न्याय न मिलने की शिकायत ने यह संवेदनशील मामला पूरी तरह पलट दिया है। पुष्पा रावत की शिकायत के बाद, पुलिस और प्रशासन पर अब इस मामले की नए सिरे से निष्पक्ष और गहन जाँच करने का दबाव बढ़ गया है। खबर लिखे जाने तक, पुलिस ने इस नए और अप्रत्याशित मोड़ पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

13 साल बाद घर लौटा 'मरा' बेटा, सांप के डसने से हुई थी 'मौत', परिजनों ने गंगा में बहा दिया था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। बुलंदशहर की ये कहानी आपको फिल्मी लग सकती है लेकिन ये है रियल स्टोरी. 13 साल बाद एक घर में खुशियां ऐसे लौटीं कि लोग अचंभे में पड़ गए. इसे लोग कुदरत का करिश्मा मान रहे हैं. दरअसल, 13 साल पहले एक लड़के की सांप के डसने मौत हो गई थी. दुखी परिजनों ने उसे गंगा में बहा दिया. अब वहीं लड़का अपने घर जिंदा लौट आया है. इस वक्त इस लड़के की उम्र 26 साल है. उसे देखकर गांव वालों के साथ ही नाते रिश्तेदार अचंभे में है।

सूरजपुर टिकरी गांव के लोग इस वक्त बेहद खुश है. इसके पीछे की वजह बेहद अंचभित कर देने वाली है. औरंगाबाद के गांव सूरजपुर टिकरी निवासी सुखपाल सैनी ने बताया कि लगभग 13 साल पहले उनका पुत्र दीपू भूसे की कोठरी से कुछ काम करने गया था. इस बीच वहां सांप ने अचानक बेटे को डस लिया था. इसके बाद दीपू को क्षेत्र के ही गांव मूढ़ी बकापुर में एक सांप काटने का इलाज करने वाले व्यक्ति के यहां ले गए थे जहां उसने दीपू को मृत घोषित कर दिया थी. उसकी मौत से सभी परिजन बेहद टूट गए थे। सुखपाल के मुताबिक इसके बाद परिजनों ने सभी की सहमति से उसे मृत मानकर शव को ब्रजघाट में गंगा में प्रवाहित कर दिया था. सुखपाल के मुताबिक एक साल पहले पलवल में बंगाली बाबा के आश्रम में जब वह पहुंचे तो वहां उन्हें अपने बच्चे जैसा एक युवक दिखा. जब उन्होंने उसके कान के पीछे उसके निशान की जांच की तो पता चला कि यह निशान हुबहू उनके बेटे के कान के निशान जैसा है. इसके बाद उन्होंने उस युवक के बारे में आश्रम के लोगों से जानकारी जुटाई।

परिजनों के मुताबिक आश्रम के बुजुर्ग सपेरों ने जानकारी दी कि दीपू को गंगा में प्रवाहित करने के बाद उन्होंने निकाला था. इसके बाद उसे पलवल के गांव नागल स्थित बंगाली नाथ बाबा के आश्रम लाया गया था. यहां कई दिनों तक सपेरों ने उसका इलाज जड़ी बूटियों से किया था. कुछ दिनों बाद वह चमत्कारिक रूप से सही हो गया था. इसके बाद उसे बंगाल भेज दिया गया था. छह साल पहले उसे फिर से आश्रम लाया गया था. तबसे वह आश्रम में ही रह रहा था. वहीं, आश्रम पहुंचे परिजनों ने जब दीपू को घर ले जाने की इच्छा जताई तो आश्रम के सपेरों ने मना कर दिया. उन्होंने कहा कि कम से कम एक साल बाद ही दीपू उनसे मिल सकेगा. इसके पीछे धार्मिक मान्यता बताई गई. आश्रम प्रशासन ने एक वर्ष बाद उसे गांव भेजने की बात कही।

पिता सुखपाल के मुताबिक पलवल

आश्रम ने जो वादा उनसे किया था वह वादा निभाया और एक साल बाद एक संत दीपू को लेकर शनिवार को उनके गांव आए. दीपू ने अपने परिजनों और रिश्तेदारों से मुलाकात की. उसे देखकर परिजनों और गांव वालों की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा. वहीं दीपू भी परिजनों से मिलकर बेहद खुश नजर आया. रिश्तेदारों से मुलाकात के बाद शनिवार शाम को बाबा उसे वापस आश्रम ले गए. मां अपने बेटे को पाकर बेहद खुश नजर आईं।

नवी मुंबई में नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

● अधिकारी ने बताया, आरोपी को शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपी 23 अक्टूबर को लड़की को पार्किंग के एक अंधेरे कोने में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवी मुंबई में एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 54 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक

पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। तलोजा पुलिस थाने के अधिकारी ने आरोपी की पहचान पनवेल निवासी विलासराव पाटिल के रूप में की है।

अधिकारी ने बताया, आरोपी को शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपी 23 अक्टूबर को लड़की को पार्किंग के एक अंधेरे कोने में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

संक्षिप्त खबरें

मंडलीय विज्ञान प्रदर्शनी बलरामपुर का दबदबा

बलरामपुर। जिले के विद्यार्थियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गोंडा में आयोजित मंडलीय विज्ञान प्रदर्शनी (टीएलएम) में जिले की प्रतिभाओं ने जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने का मार्ग प्रशस्त किया है। जूनियर वर्ग में फारिहा शफीक (बलरामपुर मॉडर्न इंटर कॉलेज) ने स्मार्ट सिटी के मॉडल को प्रस्तुत किया, जिसमें तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया गया। उनके इस मॉडल ने निर्णायक मंडल को प्रभावित किया और प्रथम स्थान दिलाया। सीनियर वर्ग में आदित्य दूबे ने वायुयान और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर आधारित मॉडल तैयार किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार एमडीके इंटर कॉलेज की सादिया बानो ने जूनियर वर्ग में द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रदर्शनी में भौतिक विज्ञान और नागरिक शास्त्र विषयों में भी बेहतरीन प्रदर्शन रहा। राजकीय इंटर कॉलेज गैंसड़ी के लाल बहादुर और राजकीय हाईस्कूल देवरिया मुबारकपुर की नेहा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जनपदीय मोटिवेशनल शिक्षक आशीष कुमार वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने वाले छात्रों का उत्साह बढ़ाने और उनके मॉडल को और बेहतर बनाने में शिक्षकों और प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा। डीआईओएस मृदुला आनंद ने बताया कि मंडलीय स्तर पर चार सर्वोत्तम मॉडल्स में तीन जिले के विद्यार्थियों हैं, जिससे जिले में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रेरणा मिली है।

मंगतनडेरा के ग्रामीण पहली बार देखेंगे बिजली का उजाला

बलरामपुर- श्रीदत्तगंज। ग्राम पंचायत रामपुर बगनहा के मजरा मंगतनडेरा में पहली बार विद्युतीकरण कार्य शुरू हुआ है। 50 घर वाले इस मजरे में जब बिजली के खंभे और तार लगने शुरू हुए तो ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। दशकों से अंधेरे में डूबे इस गांव को भी अब रोशनी मिलेगी। ग्रामीणों ने बताया कि अभी तक हम लोग लालटेन, मिट्टी के दीयों और सोलर लाइट के सहारे रातें गुजारते थे। बच्चों की पढ़ाई में परेशानी होती थी, गर्मी के दिनों में पंखे की हवा सपना थी। रात के अंधेरे में बीमारों की देखभाल और महिलाओं की सुरक्षा भी चुनौती बनी रहती थी। ग्रामवासी डॉ. राजकुमार वर्मा, रामसनेही वर्मा, डॉ. अखिलेश वर्मा, लहुरमन, मनोज कुमार, बसंतराम, भुसैली, धर्मेंद्र और सर्वेश आदि ने विधायक पल्टूराम का आभार जताया है। विधायक ने कहा कि सरकार हर घर बिजली के संकल्प को पूरा कर रही है। आजादी के बाद जिन गांवों में अंधेरा था, वहां अब विकास की किरणें पहुंच रही हैं। गांव मंगतनडेरा इसका उदाहरण है।

जमीनी विवाद को लेकर मारपीट मुकदमा दर्ज

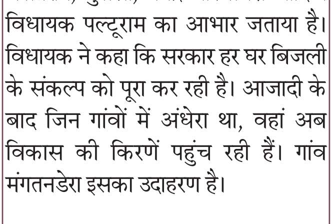

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के गंगाधरपुर गांव में रविवार को सीढ़ी बनाने के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। दोनों पक्षों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक पक्ष की राजमती ने आरोप लगाते हुए बताया कि वह अपने घर में जाने के लिए सीढ़ी बनवा रही थी, इसी बीच प्रधान बेचनराम पक्ष के कन्हैया, समेत चार लोग आए और गाली देते हुए सीढ़ी उजाड़ने लगे। जब इनके पक्ष के शंभू ने विरोध किया तो वह लोग एकजुट होकर हमला कर दिया। राजमती ने आरोप लगाया कि इस दौरान प्रधान पक्ष के लोग इनके साथ भी अभद्रता करने लगे और इनके परिजनों को मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। यह भी आरोप लगाया कि आए दिन प्रधान के घर के लोग मारने पीटने की धमकी देते रहते हैं। जबकि प्रधान पक्ष के लोगों का कहना है कि सीढ़ी रास्ते में बनाया जा रहा था इसके लिए मना करने पर शंभू पक्ष के मारपीट पर उतारू हो गए। इस संबंध में प्रभारी एसओ जितेंद्र बहादुर राव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा विविध कार्यक्रमों की तैयारी प्रारंभ

●भाजपा कार्यालय बस्ती में योजना बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन, पदयात्राओं व आयोजनों की रूपरेखा तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप मंय भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस अवसर पर पूरे देश में सरदार पटेल जी के जीवन, योगदान और उनके एक भारत के सपने को साकार करने वाली गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय बस्ती में सरदार पटेल - 150वीं जयंती समारोह (अभियान) के अंतर्गत योजना बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्री विवेकानन्द मिश्र ने की, जबकि पूर्व सांसद एवं असम प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी डॉ. समीर सिंह ने अभियान के संचालन की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विधानसभा स्तर पर योजना बैठकों का आयोजन क्रमशः 2 नवम्बर को हर्रैया, रुधौली, बस्ती सदर और महादेवा विधानसभाओं में तथा 3 नवम्बर को कप्तानगंज विधानसभा में किया जाएगा। इस अभियान का संयोजक जिला उपाध्यक्ष प्रत्यूष सिंह को बनाया गया है, जिनके सहयोगी के रूप में वीरेन्द्र गौतम और प्रेम प्रकाश चौधरी रहेंगे। वहीं ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव और अमृत कुमार वर्मा को पदयात्रा संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी जी ने बताया कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल जी की जयंती पर ÷रन फॉर यूनिटी÷ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होंगे। यह 8 किलोमीटर लंबी दौड़ पूरे जनपद में एकता और अखंडता का संदेश फैलाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद विधानसभा स्तर पर पदयात्राएँ और स्कूल-कॉलेजों में प्रतियोगिताएँ जैसे निबंध, भाषण, रंगोली, डिबेट एवं चित्रकला आयोजित की जाएँगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में सरदार पटेल के योगदान की गहराई से जानकारी देना और उनके आदर्शों

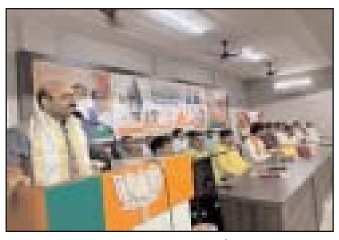

को जन-जन तक पहुँचाना है।मुख्य वक्ता डॉ. समीर सिंह ने बताया कि दीपावली अवकाश के कारण पदयात्राओं का शुभारंभ 5 या 6 नवम्बर से किया जाएगा। हर विधानसभा की पदयात्रा 8 किलोमीटर की होगी, जिसमें 500 कार्यकर्ता शामिल होंगे। यात्रा के मार्ग को 2-2 किलोमीटर के चार पड़ावों में विभाजित किया जाएगा प्रथम पड़ाव पर पानी की व्यवस्था, द्वितीय पर भोजन, तृतीय पर चाय, और चतुर्थ पड़ाव पर समापन सभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कॉलेजों के विद्यार्थी एवं शिक्षक भी यात्रा में शामिल होंगे ताकि अनुशासन व सहभागिता दोनों सुनिश्चित हो सकें।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि यात्रा मार्ग के सभी ग्राम सभाओं के बूथ समिति सदस्य, कार्यकर्ता और समर्थक अपने-अपने स्थानों पर मानव श्रृंखला बनाकर तिरंगा और पुष्प लेकर यात्रियों का स्वागत करेंगे। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता और जनजागरण अभियान भी होंगे। सभी पड़ावों पर भोजन, जल, चाय और मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा की जाएगी। बैठक में संगठन द्वारा सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी, आईटी एवं सोशल मीडिया टीम की भूमिकाएँ भी तय की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, सुशील सिंह, यशकांत सिंह, पवन कसौधन, राजेश पाल चौधरी, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, चन्द्रशेखर मुन्ना, गजेन्द्र सिंह, अरविन्द पाल, भानु प्रकाश मिश्र, शालिनी मिश्र, ममता सिंह, रघुनाथ सिंह, कुंवर आनंद सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह, वैभव पाण्डेय, सतेन्द्र सिंह भोलू, अमित गुप्ता, गौरव मणि तिवारी, सुजीत सोनी, सुधाकर सिंह, लवकुश शुक्ल, धर्मेन्द्र जायसवाल, ओमकार सिंह, दिलीप भट्ट, विनोद चौधरी, सुरेन्द्र सिंह, दुर्गेश अग्रहरी, राम निवास गिरी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। विभिन्न मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर विरोध जताया। सफाई कर्मचारियों को द्वितीय एसीपी का लाभ और महंगाई भत्ते का बकाया दिलाने की मांग की गई। विकास भवन से पैदल मार्च निकाला। मांगों के समर्थन में सफाई कर्मचारियों ने नारेबाजी भी किया। डीएम को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट के कर्मचारी को सौंपकर समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की। सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राकेश चौधरी ने कहा कि एक वर्ष से लिखित व मौखिक रूप से अधिकारियों को कई बार अवगत कराने के बावजूद मांगों को नहीं सुना गया है। यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो अब आर-पार की लड़ाई के लिए मजबूर होंगे। संघ के जिला महामंत्री शरद कुमार गोस्वामी ने कहा कि मांगों के समर्थन में अधिकारियों को वर्ष 2025 में सात बार प्रार्थनापत्र दिया गया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। कर्मचारियों को जब तक द्वितीय एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जिला मंत्री सुंदर लाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल हमीद, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार शुक्ल व मीडिया प्रभारी अनिल कुमार चौधरी ने धरने को संबोधित कर विरोध जताया। धरने में रामानंद वर्मा, हरीशचंद्र वर्मा, जय कुंवर सिंह, चंद्रप्रकाश तिवारी, शिव कुमार वर्मा, दिलीप कुमार, जय प्रताप सिंह, गोविंद सिंह, रमन कुमार, राजकरन, सोमनाथ गौतम, रवि प्रताप सिंह, प्रदीप सिंह, सुमन जायसवाल, विक्रम वर्मा, सालिक राम वर्मा, अनिल चौधरी व उमेश तिवारी सहित तमाम सफाई कर्मचारी शामिल हुए।

नगर थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा, स्कूल से घर लौट रही छात्रा को कुचला, लखनऊ ले जाते समय तोड़ा दम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केनगर थाना क्षेत्र के ग्राम देवापार के पास स्कूल वैन से उतर कर घर मे जा रही आठ वर्षीय बालिका को तेज रफ्तार जा रही मोटरसाइकिल सवार ने ठोकर मार दी। जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।परिजन तत्काल बच्ची को लेकर जिला अस्पताल बस्ती गए जहाँ डाक्टरों ने हालत गंभीर देखकर लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से लेकर लखनऊ जा रहे थे। अभी यह लोग हर्रैया के पास ही पहुँचे थे कि तभी बच्ची की मौत हो गई।परिजन शव लेकर घर आ गए। खबर लिखे जाने तक इस मामले मे मुकदमा दर्ज नही हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के

ग्राम जैतुआ निवासी राकेश कुमार नगर पंचायत नगर बाजार नगर बाजार के वार्ड नंबर छःमे सफाई के कर्मचारी के पद तैनात हैं।वर्तमान मे वह देवापार के पास सडक के बगल कमरा लेकर परिवार के साथ रहते हैं।शुक्रवार को उनकी आठ वर्षीय बेटी अन्नु नगर बाजार के सूर्या पब्लिक कान्वेंट स्कूल मे पढने गई थी।वह कक्षा एक की छात्रा थी। शाम को स्कूल से छुट्टी होने के बाद वह वैन मे सवार होकर आकर अपने घर के सामने उतर कर जा रही थी कि तभी एक ही मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग तेज रफ्तार जा रहे थे।मोटर साईकिल सवार ने अन्नु को ठोकर मार दी।जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मोटरसाइकिल सवार भी घायल हो गए।परिजन तत्काल बच्ची को लेकर जिला अस्पताल बस्ती गए जहाँ डाक्टरों ने हालत गंभीर देखकर लखनऊ रेफर कर दिया।परिजन एंबुलेंस से बच्ची को लेकर लखनऊ जा रहे थे। अभी यह लोग हर्रैया के पास ही पहुँचे थे कि बच्ची की मौत हो गई।परिजन शव लेकर घर आ गए। इस संबंध मे पूछे जाने पर थाना प्रभारी नगर विश्व मोहन राय ने कहा कि इस मामले मे तहरीर नही मिली है।तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

बस्ती में रालोद की रैली 30 को, राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कार्यकर्ताओं के साथ किया तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंराष्ट्रीय लोकदल की तैयारी बैठक सर्किट हाउस सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 30 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती की पूर्व संध्या पर वाल्टरगंज के में आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा की गई। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी और संगठन पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य रामकृष्ण पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी हिस्सा लेंगे। उन्होने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे कार्यक्रम की सफलता के लिये अपनी ताकत झोंक दे। रालोद भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नीति, कार्यक्रमों को आगे बढा रही है। लौह पुरुष के नाम से विख्यात देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती से एक दिन पहले यानी 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय लोकदल बस्ती में

रैली का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय लोकदल पूर्वी उत्तर प्रदेश विस्तार के प्रयास में है और अपने संगठन का भी विस्तार करना चाहती है।

बस्ती में रैली की तैयारी परखने आये राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रैली की सफलता को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि रैली के मुख्य अतिथि रालोद प्रमुख जयंत चौधरी होंगे। रालोद की तैयारी बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. मिश्रा, आदित्य विक्रम सिंह, राजा ऐश्वर्या राज सिंह, महिपाल पटेल, प्रदेश सचिव, अरूणेन्द्र पटेल प्रदेश महासचिव, विवेक चौधरी क्षेत्रीय अध्यक्ष, राधेश्याम चौधरी मंडल अध्यक्ष, शिवकुमार गौतम प्रदेश सचिव एस.सी. मोर्चा, सर्वेश वर्मा जिलाध्यक्ष, राम सिंह पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवध क्षेत्र, अरुण कुमार चौधरी जिला अध्यक्ष श्रम प्रकोष्ठ, गीता वर्मा जिला अध्यक्ष महिला मंच, इरफान अहमद जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अजय सिंह, विकास, द्वारिका सिंह, रवि चौधरी, अतुल सिंह, बब्बू खान, रमेश वर्मा, रवि वर्मा, सभाजीत वर्मा , राम मौर्य सुभाष, कनौजिया आदि शामिल रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क निर्माण में फर्जीवाड़ा का आरोप- सुदामा पाण्डेय ने सौंपा ज्ञापन, जांच, कार्यवाही की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भारतीय जनता पार्टी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने शनिवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि एनएचएआई की मिली भगत से राष्ट्रीय राजमार्ग 27, 28 पर अयोध्या से बस्ती के मध्य मार्ग निर्माण कार्य में करोड़ों के फर्जीवाड़ा की जांच कराने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 27, 28 के निर्माण में

तमाम विसंगतियों व सुविधाओं के अभाव के संदर्भ में पूर्व में अनेक पत्रों के साथ सड़क के निर्माण, लेपन कार्य में सड़क को उजाड़ कर संग्रहीत पुरानी गिट्टियों के प्रयोग की शिकायत करते हुए रोक लगाने का मांग किया था किन्तु उनकी मनमानी पर रोक नहीं लगा। बताया गया कि कुछ ऐसा नियम है काम नियमानुसार हो रहा है जिसके संदर्भ में जब जनसूचना अधिकार के तहत चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने जानकारी मांगी तो मिली जानकारी के अनुसार मिलिंग मैटीरियल का प्रयोग पूर्ण रूप से वर्जित है। उन्होने मांग किया कि निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए अब तक हुए नियम विरुद्ध निर्माण को निरस्त करते हुए पुनः गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराने के साथ ही शेष निर्माण में तत्काल मिलिंडा मैटीरियल का प्रयोग बंद कराया जाय। ज्ञापन सौंपने के दौरार्न चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' के साथ महेन्द्र सिंह, राहुल विश्वकर्मा, विवेक पाण्डेय, विमलेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपाइयों ने सुना पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को

●सभी में हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित मन की बात कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में अमेठी के कार्यकर्ताओं ने सुना और उस पर अमल किया। जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने बताया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात को मुसाफिरखाना मण्डल के बूथ संख्या 34 रंजीतपुर में सभी बूथ के पदाधिकारियों के साथ सुन कर आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प पत्र भरवाया। उपस्थित सभी ने हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प लिया। बताते चले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। यह कार्यक्रम का 127वां एपिसोड था। इस बार के एपिसोड

में पीएम मोदी ने चर्चा की शुरुआत छठ महापर्व से की। पीएम मोदी ने देशवासियों को छठ महापर्व का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अगर मौका मिले तो सभी लोग छठ उत्सव में एक बार जरूर भाग लें। छठ महापर्व भारत की एकता का सबसे बड़ा और सुंदर उदाहरण है। बता दें कि पिछली दफा पीएम मोदी ने त्योहार पर स्वदेशी समान खरीदने की अपील की थी और आत्मनिर्भर भारत पर जोर देने के लिए कहा था।मन की बात के 127वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी चाय से मेरे जुड़ाव के बारे में जानते हैं, लेकिन आज मैंने सोचा, क्यों न मन की बात में कॉफी पर भी चर्चा की जाए। ओडिशा के कई लोगों ने कोरापुट कॉफी के बारे में अपनी भावनाएं मेरे साथ साझा कीं। उन्होंने कहा मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद लाजवाब है, और सिर्फ इतना ही नहीं; स्वाद के अलावा, कॉफी की खेती से भी लोगों को फायदा हो रहा है अन्य विषयों पर भी प्रकाश डाला।

नगर पंचायत पचपेड़वा में विकास कार्यों की खुली पोल

● एसडीएम व तकनीकी जेई की जांच में उजागर हुआ घोटाला, आरसीसी सड़क तोड़कर हो रही रिपेयरिंग

किसान यूनियन के विरोध व धरना-प्रदर्शन के चेतावनी के चलते भयभीत घोटालेबाजों ने सिसहानिया में जांच की गयी सड़?क को तोड़कर टाट का पैबन्द लगाने का किया प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा (बलरामपुर)।नगर पंचायत पचपेड़वा में विकास कार्यों के नाम पर हुए करोड़ों के घोटाले की परतें अब एक-एक कर खुलने लगी हैं। शासन द्वारा पिछले 30 महीनों में लगभग 80 करोड़ रुपये की भारी-भरकम धनराशि नगर पंचायत को विकास कार्यों के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। अब हालात ऐसे हैं कि नगर पंचायत क्षेत्र में बनी कई आरसीसी और इंटरलॉकिंग सड़कों को दोबारा तोड़कर रिपेयरिंग करनी पड़ रही है, जिससे भ्रष्टाचार की गंध साफ महसूस की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, नगर पंचायत के भीतर हुए घटिया निर्माण कार्यों और मानकविहीन गुणवत्ता को लेकर नगर के सभासदों ने पहले ही मोर्चा खोल दिया था। भ्रष्टाचार से आजिज आकर सभासदों ने अपर जिलाधिकारी को

सामूहिक इस्तीफा सौंपते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। वहीं दूसरी ओर, नगर के आम नागरिकों में भी भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। स्थानीय किसानों और नागरिकों के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन ने भी मोर्चा संभालते हुए मुख्यमंत्री सहित कई उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर टेक्नीकल जांच की मांग की है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इसी क्रम में बीते शनिवार को एसडीएम तुलसीपुर और तकनीकी जेई की संयुक्त टीम ने नगर पंचायत से जुड़े नये गांव सिसहानिया में निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि हाल ही में निर्मित आरसीसी और इंटरलॉकिंग सड़कों की गुणवत्ता बेहद खराब है। जगह-जगह सड़कें टूटी हुई मिलीं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि निर्माण के दौरान मानक गुणवत्ता का पालन नहीं किया गया। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा बनाई गई नई इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के कुछ ही महीनों में टूटकर बिखर गई है। स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि जब एसडीएम साहब निरीक्षण करने पहुंचे, तो वे सड़क के सबसे खराब हिस्से तक नहीं गए, जहां सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

लोगों का कहना है कि यदि निष्पक्ष और व्यापक जांच की जाए तो नगर पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार के और भी कई मामले सामने आएंगे। करोड़ों रुपये के बजट के बावजूद सड़कों की दुर्दशा, नालियों की बदहाली और सफाई व्यवस्था की लचर स्थिति इस बात का सबूत है कि धनराशि का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हुआ है। जनता का कहना है कि अब "कागजों पर विकास" और "जमीन पर जर्जर सड़कें"नगर पंचायत की पहचान बन गई हैं। ग्रामीणों ने शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की मनमानी पर रोक लग सके।

जंगली जानवरों के हमलों में बुजुर्ग दंपती सहित चार घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- हरैया सतघरवा। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के बनकटवा रेंज में बीते दो दिनों में जंगली जानवरों के हमले में बुजुर्ग दंपती समेत चार लोग घायल हो गए। जानवरों के हमलों के बाद से ग्रामीण सहमे हुए हैं। बनकटवा रेंज अंतर्गत चौधरीडीह बाजार निवासी द्वारिका प्रसाद (70) ने बताया कि शनिवार सुबह करीब चार बजे उनकी पत्नी कृष्णावती घर से कुछ दूर पर गई थीं, तभी अचानक जंगली जानवर ने उनपर हमला कर दिया। वह बचाने के लिए दौड़े तो जानवर ने उनपर भी हमला कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिरसिया, श्रावस्ती पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद द्वारिका प्रसाद को घर भेज दिया गया, जबकि उनकी पत्नी कृष्णावती की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय, भिनगा, श्रावस्ती

रेफर किया गया। द्वारिका प्रसाद ने तेंदुआ होने का दावा किया है, हालांकि वन विभाग सियार के हमले की बात कह रहा है। वन अधिकारी शत्रोहन लाल ने बताया कि मौके पर टीम भेजकर जांच की जा रही है ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए सतर्कता बढ़ाई गई है।

किशोरी पर तेंदुए का हमला

महराजगंज तराई। क्षेत्र के चंदन चंदनजोत निवासी साधू ने बताया कि शुक्रवार शाम 7 बजे उनकी बेटी सीमा (14) पशुशाला में जानवरों को चारा देने गई थी। तभी गन्ने के खेत की तरफ से आए तेंदुए ने हमला कर दिया। सीमा की चीख-पुकार सुनकर तेंदुआ खेत की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने और पिंजरा लगाने की मांग की है। बरहवा रेंज के रेंजर बृजेश सिंह परमार ने बताया कि गांव में वन विभाग की टीम भेजी जा रही है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सियार ने युवती पर हमला कर किया घायल

हरैया सतघरवा क्षेत्र के सुल्तान कला निवासी तुलाराम यादव ने बताया कि रात लगभग 1 बजे उनके परिवार के साथ धान की मड़ाई करवा रहे थे। इसी बीच अचानक जंगली जानवर ने उनकी पुत्री रीना (20) पर हमला कर घायल कर दिया। रेंजर शत्रोहन लाल ने बताया कि चौधरीडीह और सुल्ताना कला क्षेत्र में जांच कराई गई। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर दोनों मामलों में सियार द्वारा हमला किए जाने की बात सामने आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

विहिप ने बैठक में तय की आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को विश्व हिंदू परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांत उपाध्यक्ष रामगोपाल ने की। उन्होंने कहा कि संगठन को गांव गांव तक सक्रिय करने की जरूरत है। हर प्रखंड में पूर्ण कार्यसमिति गठित कर संगठन की जड़ें मजबूत की जाएं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि समाज के सभी वर्गों तक संगठन की विचारधारा पहुंचाना हम सबका दायित्व है। इस दौरान संगठन की मजबूती के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारी पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अजय पांडे, जिला उपाध्यक्ष शालिग्राम मौर्य, श्याम नारायण साहू, रूपेश अवस्थी, रजनी, जिला संयोजक विकास त्रिवेदी, अरविंद अग्रवाल, नगर अध्यक्ष दीपेंद्र रस्तोगी, खीरो अध्यक्ष नवल तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार, जिला सत्संग प्रमुख संजय मिश्रा और आशु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान नेता राकेश अवस्थी पर जानलेवा हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

.....लाठी-डंडों और असलहों से हमला, गाड़ी तोड़ी, नकदी लूटी- पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा, बाकी की तलाश जारी।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना दुबग्गा क्षेत्र के यादव बाजार मोड़ पर शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुछ दबंगों ने सैथा निवासी किसान नेता राकेश अवस्थी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने राकेश अवस्थी पर लाठी-डंडों और अवैध असलहों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की और जेब में रखी करीब ?5215 रुपये की नकदी भी लूट ली।

घटना के बाद घायल राकेश अवस्थी ने थाने पहुंचकर थाना दुबग्गा में नामजद तहरीर दी। अपनी शिकायत में उन्होंने कल्लू उर्फ राजेश यादव, मुन्ना गाजी, कल्लू यादव पुत्र जाटू यादव, सर्वेश यादव, सोनू यादव, बब्लू सेमी सहित 5 से 8 अज्ञात लोगों पर हमला करने, छिनैती, रंगदारी व धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने धमकाते हुए कहा कि "अब बहुत बड़े किसान नेता बन गए हो, अगर इलाके में काम करना है तो हर महीने वसूली देनी पड़ेगी।" घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल फैल गया।

थाना प्रभारी दुबग्गा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए नामजद आरोपी सर्वेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखीमपुर में वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ खुंखार तेंदुआ, एक दिन पहले मिली थी लोकेशन

लखीमपुर खीरी। आठ वर्षीया बच्ची पर हमला करने वाला तेंदुआ रविवार को वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। तेंदुआ की शनिवार को लोकेशन मिलने के बाद वन विभाग ने शारदानगर रेंज के खंभारखेड़ा (कुंअरापुर) में गांव किनारे गन्ने के खेत में पिंजरा लगाया था, जिसमें खुंखार तेंदुआ रविवार को बकरी का शिकार करने के चक्कर में फंस गया। पिंजरे में रविवार की सुबह तेंदुआ फंस गया। वन अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेंदुआ को सुरक्षित रूप से शारदा नगर रेंज परिसर लाया गया है। विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में लोगों से सतर्कता बनाए रखने और निगरानी जारी रखने की बात कही है। लखीमपुर खीरी के शारदा नगर वन क्षेत्र में पिछले कई महीनों से सक्रिय तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया है।

बच्ची पर हमले के बाद वन विभाग ने तेंदुआ को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया था। जिसके तहत कैमरे और पिंजरे लगाए गए थे। वन विभाग को तेंदुआ की लोकेशन शारदानगर रेंज की उसिया बीट के ग्राम खंभारखेड़ा के पास मिलने पर सफलता की उम्मीद बढ़ गई थी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। उसकी आवाजाही को ट्रैक करते हुए, 25 अक्टूबर को ग्राम खंभारखेड़ा के निकट कुंवारा पुर क्षेत्र में उसकी लोकेशन मिली, जिसके बाद वहां एक पिंजरा लगाया गया।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक हेल्पर की हुई मौत, नेशनल हाइवे पर हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया हादसा लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम गड़िया हसनपुर के पास हुआ, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे वाले ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक-हेल्पर उसमें फंस गए जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे मौरंग से भरा ट्रक (संख्या UP32 ZN0310) खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक (संख्या UP30CT4602) ने तेज रफ्तार में आकर ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी हादसे में चालक जमाल पुत्र महबूब (उम्र लगभग 30 वर्ष) निवासी ग्राम लोखरियन खेड़ा थाना संडीला, जनपद हरदोई, और हेल्पर तौकिल गाजी पुत्र छंगा (उम्र लगभग 30 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची सिधौली पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों को ट्रक के केबिन से बाहर निकाला घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) सिधौली भेजा गया जहां से चालक जमाल की गंभीर हालत देखते हुए उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं, हेल्पर तौकिल गाजी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है वहीं, दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क के किनारे कर यातायात सुचारू करा दिया गया है पुलिस का कहना है कि ट्रक को अनलोड कर जल्द ही रोड से हटाया जाएगा!!

फांसी के फंदे पर लटकता मिला विवाहिता का शव इलाके में मचा हड़कंप, पिता- ससुर पर लगाया दहेज़ हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र के अक्किलपुर गांव में रविवार सुबह एक विवाहिता का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटकता मिला मृतका की पहचान 24 वर्षीय सोनाली के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं मायके पक्ष ने दहेज के लिए हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया है जानकारी के अनुसार, मृतका सोनाली की शादी वर्ष 2022 में अक्किलपुर निवासी संजय के साथ हुई थी आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया करता था मायके पक्ष का कहना है कि शनिवार की देर शाम घर के सभी सदस्य खेतों की ओर गए थे जबकि सोनाली घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसकी मौत हो गई परिजनों का आरोप है कि पति संजय व

ससुर ने मिलकर सोनाली की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया मृतका के पिता दीपू ने सिधौली थाने में तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने मामले में पति संजय और उसके पिता के खिलाफ दहेज हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट है है थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी फिलहाल आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है!!

आरोग्य मेले में मरीजों का हुआ इलाज

लालगंज (रायबरेली)। रविवार को क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 135 मरीजों का उपचार किया गया।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंबारा पश्चिम में डॉ. जी.पी. चौरसिया ने 40 मरीजों की ओपीडी की, जिनमें 17 पुरुष, 16 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल रहे। सभी को निःशुल्क दवाएं प्रदान की गई।जगतपुर भिचकौरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 39 मरीजों की ओपीडी हुई, जिनमें 18 पुरुष, 13 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल थे। सभी को मुफ्त दवाएं दी गई।पूरे भैरव मिश्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 25 मरीजों का इलाज किया गया, जबकि बेहटा कला के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 32 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया। **इनकी भी सुनिए-** सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बताया कि मेले में कुल 135 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित

● पात्र शिक्षकों एवं स्नातक से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु अभिलेख कर सकते हैं उपलब्ध

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन व दावे और आपत्तियां दाखिल की अवधि 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक

30 दिसम्बर को निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 05 खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र यथा लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ एवं इलाहाबाद-झांसी तथा 06 खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र यथा लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसंबर 2026 को समाप्त होने के कारण अर्हता 01 नवम्बर 2025 के आधार पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का De-Novo पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है, जिसके अनुसार लखनऊ खण्ड शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का अवशेष ष्ठद्ग-ठ्ठश1श पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियां, अवधि/दिनांक निर्धारित की गयी है। जिसके अनुसार फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि, जैसी स्थिति हो 06 नवम्बर 2025 (गुरुवार) निर्धारित की गई है। वह तिथि जिस तक पांडुलिपियों की तैयारी और आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का मुद्रण किया जाना 20 नवम्बर 2025 (गुरुवार)।

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन एवं 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार)। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 12 के अन्तर्गत) 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार) से 10 दिसंबर 2025 (बुधवार)। वह तिथि जिस तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा और अनुपूरक सूची तैयार और मुद्रित की जायेगी 25 दिसम्बर 2025 (गुरुवार)। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया है कि सभी पात्र शिक्षकों एवं स्नातक से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित निर्धारित प्रारूप-18 (स्नातक हेतु) एवं प्रारूप-19 (शिक्षक हेतु) यथाशीघ्र सम्बन्धित सहा0 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/उपजिलाधिकारियों एवं नाम निर्दिष्ट अधिकारियों को सम्बन्धित तहसील, विकास खण्ड एवं नगर पालिका/नगर पंचायत में किसी भी कार्यदिवस में उपलब्ध करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त आवेदक द्वारा वेबसाइट http://ceouttarpradesh.nic.in/ceoupmlc/ पर ऑनलाइन आवेदन भी किये जा सकते हैं।

रहीमाबाद पुलिस पर पीड़ित को गालियां देकर भगाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/रहीमाबाद के थानेदार पर पीड़ित को गलियां देकर भगाने का आरोप लगा है। पीड़ित के मुताबिक उसके बड़े भाई माता पिता की मौत के बाद पूरी जमीन तथा घर को हड़प लेना चाहते हैं। वह घर में पत्नी बच्चे सहित गया तो उसे गलियां व जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया गया। इंसाफ के लिए थाने गया तो वहां से भी भगा दिया गया।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गोसवा दिलावरनगर गांव निवासी हरिओम गुप्ता पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि उसने प्रेम प्रसंग में विवाह किया था। वह लखनऊ में किराए के कमरे में अपनी पत्नी तथा बेटे के साथ रहता है। पीड़ित ने बताया जबतक माता पिता जीवित रहे उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई।उनकी मौत के बाद अब तीन बड़े भाई पूरी जमीन व घर को हड़प लेना चाहते हैं। हरिओम ने बताया वह अपने घर पत्नी, बच्चे के साथ गया तो उसके भाइयों ने घर में घुसने ही नहीं दिया और गालियां देकर भगा दिया। जिसके बाद उसने रहीमाबाद थाने पर लिखित शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल, एसीपी, तहसील दिवस में भी शिकायत की तो रहीमाबाद पुलिस ने उसके भाइयों को बुलवाया जहां उसे पीड़ित के भाई तीन लाख रुपए देकर घर व जमीन छोड़ने की बात कहने लगे जिसपर वह राजी नहीं हुआ। पीड़ित का आरोप है कि उसकी मदद करने के बजाय इंस्पेक्टर ने गालियां देकर उसे थाने से भगा दिया और यह धमकी दी कि अगर घर

के आसपास भी चले गए तो मुकदमा लिखकर जेल भेज देंगे। पीड़ित ने बताया पुलिस ने उल्टे उसके ऊपर और पत्नी के ऊपर कार्यवाही भी कर दी है। इसी तरह कई आरोप पीड़ित और उसकी पत्नी ने रहीमाबाद पुलिस पर लगाए हैं। अब देखना यह होगा कि उच्च अधिकारी इस मामले में क्या कार्यवाही करते हैं।

पत्रकार कल्याण कोष में 80 लाख 31 हजार रुपये जारी

......मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव संजय प्रसाद के निर्णय से पत्रकारों में खुशी की लहर- राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने जताया आभार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश सरकार ने पत्रकारों के हित में एक बड़ा निर्णय लेते हुए पत्रकार कल्याण कोष में 80 लाख 31 हजार रुपये जारी किए हैं। यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-86 के लेखाशीर्षक "सूचना तथा प्रचार" के अंतर्गत व्यय की जाएगी।

प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने बताया कि यह राशि पत्रकारों की आर्थिक सहायता के लिए उपयोग की जाएगी और इसका व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सूचना निदेशालय यह सुनिश्चित करेगा कि जिस मद से पुनर्विनियोग किया गया है, उस मद में चालू वित्तीय वर्ष में किसी प्रकार की धनराशि की मांग नहीं की जाएगी। सरकार के इस कदम से प्रदेश भर के पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह निर्णय पत्रकारों की सुरक्षा, सहायता और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद और सूचना निदेशक

विशाल सिंह के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "पत्रकारों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। इससे न केवल आर्थिक मजबूती मिलेगी बल्कि पत्रकारों में विश्वास और सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी।" पत्रकार संगठनों ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा कि यह कदम पत्रकारों के सम्मान और कल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

स्व0 राधेश्याम शुक्ल एवं लीलावती देवी की पुण्य तिथि के अवसर पर किया सम्मान समारोह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अखिल भारतीय विज्ञान दल के तत्वाधान में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेई द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित कवियों ने काव्य पाठ कर उपस्थित श्वोताओं का मन मोह लिया, विख्यात कवि, आई0ए0 एस0, डॉ0, अखिलेश मिश्र ने मनमोहक रचना सुनकर माहौल ही बदल अखिल भारतीय विज्ञान दल के संस्थापक डॉ, मृदुल शुक्ल, ने अपने संबोधन में आय हुए अतिथियों का परिचय कराया, सम्मानित प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों में, कवि वैज्ञानिक, समाज सेवी, राजनीतिक पत्रकार, लोक गायिका,अन्य कार्यकर्ता को, सम्मानित किया, ये कार्यक्रम डॉ0, मृदुल शुक्ल के माता पिता की पुण्यतिथि पर नर्वदेश्वर लॉ कॉलेज लखनऊ में आयोजित किया गया।

प्रयागराज में पत्रकार की हत्या के विरोध में राजधानी में कैंडल मार्च जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के बैनर तले पत्रकारों का विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पत्रकारों की बुलंद आवाज बनेगाः जे पी ए पत्रकारों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं, संगठन पत्रकारों की हर स्तर पर उठाएगा आवाजःअध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने प्रयागराज में पत्रकार लक्ष्मी नारायण सिंह की हुई नृशंस हत्या के विरोध में राजधानी लखनऊ के 1090 चौराहे पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन की तरफ से कैंडल मार्च का आयोजन कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि देते हुए हत्यारों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग शासन और प्रशासन से की गई। साथ ही पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उत्तर प्रदेश सरकार से की गई। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने पत्रकार की हत्या पर मामले की जांच कर, प्रदेश सरकार एवं प्रशासन से घटना में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पत्रकारों की आवाज जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन हर स्तर पर उठाएगा और उन्हें न्याय दिलाने का कार्य करेगा। संगठन के प्रवक्ता देवकीनंदन पांडे ने पत्रकार की हत्या लोकतंत्र की हत्या तथा चौथे स्तंभ को कमजोर करने का षड्यंत्र तथा प्रशासन की विफलता बताया। कार्यक्रम में जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के संरक्षक जोगिंदर सिंह खालसा, शिव शंकर मिश्रा, विवेक विश्व पांडे, अशोक यादव, संगठन के उपाध्यक्ष रवि जायसवाल, कोषाध्यक्ष एवं विधि सलाहकार नरसिंह नारायण पांडे, प्रदेश प्रवक्ता देवकीनंदन पांडे, रोशनी सोनकर पूर्णिमा सोनकर प्रदेश के पदाधिकारीगण एवं जिले के पदाधिकारी।

आखिर कैसे पूरा होगा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का स्वप्नः हरिओम राजेंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद के मुख्यालय पर शिक्षा के मंदिर महिला महाविद्यालय के गेट में वर्षों से ताला पड़ा हुआ है बताते चलें कि जिला मुख्यालय के बीचो-बीच काजियारा चौराहा पुराना सीतापुर में सन 2017 में राजकीय महिला महाविद्यालय बनकर तैयार हो चुका था सभी कमरों में समुचित व्यवस्था है महाविद्यालय प्रांगण में बेहतरीन छात्रावास भी है आवागमन की भी सुगम व्यवस्थाएं हैं, फिर भी यह लंबे समय से बंद पड़ा हैं लोक निर्माण संघ के संस्थापक हरिओम मिश्रा राजेंद्र ने इस समस्या के समाधान के लिए पुरजोर तरीके से आवाज उठाई है उन्होंने कहा है कि हमारी बहन बेटियों को इसके अभाव में लखनऊ के साथ अन्य जिलों के चक्कर लगाने पड़ते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना एवं अभियान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का सपना कैसे पूरा होगा जब सीतापुर जनपद के जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी को ना समझे सीतापुर जनपद के सभी जागरूक भाइयों बहनों सामाजिक संगठनों से निवेदन है कि इस शिक्षा के इस द्वार को खोलने के लिए एक सार्थक संघर्ष किया जाए जब तक समाज का एक-एक व्यक्ति मुखर होकर अपनी समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद नहीं करेगा तब तक जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी अपना काम इमानदारी से नहीं करेंगे। हरिओम ने यह भी कहा विगत वर्षों में कई समाजसेवी और सामाजिक संगठनों ने आवाज उठाई तो जिम्मेदारों ने उन्हें कागजी कार्यवाही कर आश्वासन प्रदान करते रहे लेकिन इस बार हमें कागजी कार्यवाही नहीं बल्कि सार्थक समाधान के लिए कार्य करना है।

ई-रिक्शा में सवार महिलाओं ने उड़ाई सोने की चेन

क्राइम

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धनाभाद गांव की निवासी रेनू पत्नी अंकित नाई के गले से दो अज्ञात महिलाओं ने सोने की चेन पार कर दी। घटना शनिवार शाम की है जब रेनू बाजार से खरीदारी कर ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। मेन रोड पर दो महिलाएं भी उसी रिक्शा में बैठ गई और बृजेन्द्रनगर पेट्रोल पंप के पास उतर गई। जब रेनू राजपति नगर मोड़ पर उतरीं तो देखा कि गले से करीब पाँच ग्राम की सोने की चेन गायब है। उन्हें शक है कि वही महिलाएं मौका पाकर चेन लेकर भाग गई।पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है, जानकारी मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी बोले- हर थाने में होगी साइबर डेस्क यूनिट, साइबर अपराध रोकने की बताई बारीकियां

● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शनिवार की देर रात पहुंचे उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया उन्होंने बताया कि बिहार के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी के साथ उनकी बैठक हो चुकी है बॉर्डर पर सघन सेकंड अभियान के तहत अभय शराब और अवैध पैसों की आवाजाही पर लगाम लगाई जा रही है और सीजर की कार्रवाई की जा रही है। नैमिषारण्य के PWD गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी ने कहा कि यूपी में बढ़ते साइबर अपराधों के लिए अब प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित किए जाएंगे ये डेस्क लगातार अपराधों पर निगरानी रखेंगे और त्वरित कार्रवाई करेंगे उन्होंने बताया कि अब तक साइबर अपराध से जुड़े 24% पैसों को सीज किया जा चुका है और

इसे बढ़ाकर 50% तक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। देर रात पत्नी के साथ मंदिर दर्शन और पूजन करने के बाद डीजीपी नैमिषारण्य कोतवाली का निरीक्षण करने पहुंचे निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा की और आठ महिला पुलिस कर्मियों से बातचीत कर उनके कार्य की सराहना की थाने के अंदर गंदगी देख डीजीपी ने नाराजगी जताई और थानाध्यक्ष को साफ-सफाई के निर्देश दिए इसके बाद डीजीपी ने ललिता देवी मंदिर में माथा टेका और वापस लखनऊ के लिए रवाना हो गए उन्होंने टूरिज्म पुलिस को बढ़ावा देने की भी बात कही!

निगोहां में डिजिटल चोर सक्रिय, उड़ा रहे कैमरा और डीवीआर

● ....निगोहां में चोरों की नई रणनीति- सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी सिस्टम को बना रहे निशाना।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों ने एक नया मोड़ ले लिया है। अब चोर कैश या कीमती सामान की बजाय सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर को निशाना बना रहे हैं, ताकि उनके खिलाफ सबूत ही न बचें। बीते कुछ दिनों में क्षेत्र में ऐसी दो घटनाओं ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

पहली वारदात एक बाइक एजेंसी में हुई, जहां चोरों ने शटर तोड़कर अंदर घुसते ही डीवीआर उठा लिया और मौके से फरार हो गए। दूसरी घटना ग्राम भगवानपुर के प्रधान के घर में हुई, जहां चोरों ने सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए और फिर डीवीआर चोरी कर ले गए। दोनों ही मामलों में चोरों ने केवल वही सामान उठाया जिससे पुलिस की जांच में बाधा आ सके।

इन वारदातों से स्पष्ट है कि चोर अब तकनीकी रूप से चालाक और योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। वे चोरी से पहले इलाके की रेकी करते हैं और फिर ऐसे उपकरणों को निशाना बनाते हैं जो उनके खिलाफ सबूत जुटाने में मददगार हो सकते हैं।

एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों घटनाओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम लगातार निगरानी रख रही है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। निगोहां में बढ़ती इन तकनीकी चोरी की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अब चोर पुलिस से बचने के लिए डिजिटल सबूत मिटाने की नई चालें चल रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की जरूरत है।

कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत संचालित अवैध बुचड़खानों पर पुलिस व प्रशासन की संयुक्त छापेमारी के दौरान मिली महत्वपूर्ण सफलता

अवैध बूचड़खाना संचालक के विरुद्ध सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर, की जा रही सख्त वैधानिक कार्यवाही

भदोही, जनपद के थाना भदोही, कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत अवैध बुचड़खानों के संचालित होने के संबंध में प्राप्त सूचना पर श्री शैलेश कुमार, जिलाधिकारी भदोही व श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के संयुक्त निर्देशन में पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीमों का गठन कर सख्त वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

उक्त निर्देश के क्रम में आज दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह गठित पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा जनपद में संचालित अवैध बुचड़खानों पर छापेमारी के दौरान थाना भदोही, कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत संचालित 01 अवैध बूचड़खाना से क्रूरतापूर्वक वध हेतु जानवरों का पैर बांधकर रखे हुए कुल-36 राशि पड़वा, प्रतिबंधित जानवर भैंस का मांस कुल-04 कुंतल 65 किग्रा0 तथा मांस बिक्री में प्रयुक्त 01 अदद इलेक्ट्रॉनिक तराजू व 08 अदद अवैध चाकू सहित 04 अदद दोपहिया मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। उक्त छापेमारी के दौरान 05 आरोपी भी गिरफ्तार हैं। बरामदशुदा अवैध मांस व जानवरों को कब्जे में लेकर अवैध बूचड़खाना संचालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रतेर विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदशुदा प्रतिबंधित मांस को नियमानुसार निस्तारित कराया गया एवं जानवरों को आश्रय स्थलों पर रखवा कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 कई मायनों में ऐतिहासिक है

देश के उत्तरभारत में बिहार का एक मुकाम है।बिहार के चुनाव पर पूरे देश की नजर है।इस परिणाम का असर भारतीय राजनीति पर पड़ेगा।प्रदेश में भाजपा और नीतीश कुमार गठबंधन की सरकार पूरे जोश के साथ चुनाव मैदान में उतर चुकी है।24 अक्टूबर को विधिवत मोदी के नेतृत्व में चुनाव प्रचार भी शुरु हो गया है।पार्टी को भरोसा है कि इस चुनाव में वो फिर से सतारूढ़ सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।नीतीश कुमार के नेतृत्व में कोई चेहरा नही ठहरता है।बिहार देश की राजनीती की दिशा तय करेगा।बिहार को पहले लालू के कार्यकाल में पिछड़ा राज्य माना जाता था।लेकिन बीस साल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार को विकास योजनाओं के साथ जोड़कर महिलाओ और युवाओ को नई दिशा दी है।लालू के कार्यकाल में सरकार की आलोचनाएं होती थी।लेकिन देश के सर्वाधिक सरलमना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षो के लगातार सत्ता में रहने से बिहार की दिशा और दशा दोनो बदल दी है।उन्होंने प्रदेश की छवि बदल दी है तो लोगो ने अपने दिलो में नीतीश की छवि अंकित कर दी है।आज देश मे ही नही,विदेश में ही उनकी छवि विकास पुरूष की बनी है।सत्तापक्ष की नही,आज तो विपक्ष भी नीतीश कुमार को लोकप्रिय और विकास् प्रिय बताता है।इसमें कोई संदेश नही है कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता और कार्य प्रतिबद्धता ने सूबे में विकास की छंटा चारो और बिखेर दी है।पिछले वर्षो में नीतीश कुमार ने अपने परिश्रम के साथ,प्रदेश की तस्वीर बदलने के लिए ऐसी अनेक परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है कि जिनसे समाज के सभी वर्गो के लोग लाभान्वित हुए है।गरीब, किसान,नौजवान,महिलाएं,व्यापारी,अधिवता, शिक्षक,अल्पसंख्यक और समाज के दलित-वंचित उपेक्षित वर्ग को उन्होंने सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है।लाखो लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजनाओ के तहत नए घर आवंटित किए है।इन योजनाओं की सफलता के पीछे नीतीशकुमार कीसमयबद्ध ढंग से कार्य करने की इच्छाशक्ति रही है।ये सबका साथ,सबका विकास और सबका प्रयास की अवधारणा पर चलने वाले विकास पुरुष है।जिनकी इमेज विपक्ष में भी खासा महत्व रखती है।अज्ञातशत्रु ऐसे महान दार्शनिक नीतीश कुमार ने बिहार की जनता को साथ लेकर चलने और गरीब लोगों के उत्थान के लिए समय समय पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हमेशा पर्यटनशील रहते है।दया और परोपकार जिनका मिशन है,वे राजनीति से बढ़कर मानवतावाद को महत्व देते है।नीतीश कुमार की एक विशेषता है कि प्राथमिकताएं तय कर,वह सुनियोजित ढंग से योजनाओं को समयबद्ध चरणों मे पूरा करते है।उनकी साफ छवि बार बार जीत का कारण है।वे गांव और शहर के संतुलित विकास के पक्षधर है।नीतीश कुमार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं महिलाओ के लिए लॉन्च की गई है।युवाओ का नवतर प्रयोग के माध्यम से आय के स्त्रोत खड़े करने में नीतीश की दूरदर्शिता महत्वपूर्ण है।नीतीश ने अपने शासनकाल में अपवाद को छोड़कर कानून व्यवस्था को सर्वाधिक महत्व दिया है।बिहार का परिणाम सुखद रहा है। नीतीश ने बिहार को किसान हितैषी बनाने की दिशा में कारगर कदम उठाए है।वैसे भी एनडीए का मिशन है कि किसान और स्वदेशी के इस महान मुहिम के पीछे सरकार हर समय अलर्ट मोड़ में नजर आएगी।स्वदेशी पर जोर देकर देश के युवकों को रोजगार से ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का महत्वपूर्ण संकल्प सरकार की पहली प्राथमिकता रही है और राज्य सरकार के हाथ मजबूत करने के लिए केंद्र भी मदद कर रही है।गन्ना किसान हो या रबी की फसलों पर सरकार फायदा पहुंचाने का हर समय प्रयास कर रही है।लाभकारी समर्थन मूल्यो की उपलब्धता से किसानों की आय के स्त्रोत बढ़े है।किसान अन्नदाता है।किसान की अवहेलना कर कोई भी सरकार सफल नही हो सकती है।जिस तरह पूर्ववर्ती सरकारों को अनदेखा कर राजनैतिक दलों की दुर्दशा हुई है उसकी भरपाई आज दिन तक नही हो सकती है।उनकी क्षतिपूर्ति करना मासी का घर नही है।नीतीश कुमार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया है। बिहार में अभी हाल ही में महिलाओ के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना और मुख्यमंत्री महिला उधमी योजना के अंतर्गत दस हजार की रकम सीधे 75 लाख महिलाओ के खातों में हस्तांतरित किया गया।महिला उधमी योजना के तहत दस लाख रूपए की वितीय सहायता प्रदान की जाती है इसमें 50 प्रतिशत अनुदान और 50 प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण शामिल है।मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना,बिहारराशन कार्ड योजना और किसान निधि योजनाओ का लाभ धारक उठा रहे है।बिहार में धन धान्य कृषि योजना और दलहन कृषि योजना मुख्यरूप से किसानों के लिए है।आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान चलाया जा रहा है।बिहार में सुकन्या समृद्धि योजना में डेढ़ लाख रुपए की वार्षिक योगदान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों सहित सभी नागरिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली प्रदान करती है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम यह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम है। विधवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना के तहत भिक्षावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाऔर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ये वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित बीमा योजनाएं हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों के लिए आवास की सुविधा प्रदान करती है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शहरी गरीबों की गरीबी और असुरक्षा को कम करने के लिए शुरू की

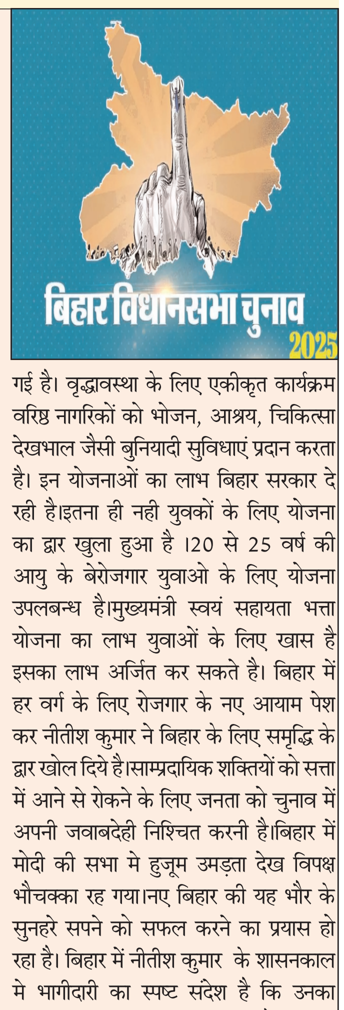

गई है। वृद्धावस्था के लिए एकीकृत कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों को भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है। इन योजनाओं का लाभ बिहार सरकार दे रही है।इतना ही नही युवकों के लिए योजना का द्वार खुला हुआ है ।20 से 25 वर्ष की आयु के बेरोजगार युवाओ के लिए योजना उपलबन्ध है।मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ युवाओं के लिए खास है इसका लाभ अर्जित कर सकते है। बिहार में हर वर्ग के लिए रोजगार के नए आयाम पेश कर नीतीश कुमार ने बिहार के लिए समृद्धि के द्वार खोल दिये है।साम्प्रदायिक शक्तियों को सत्ता में आने से रोकने के लिए जनता को चुनाव में अपनी जवाबदेही निश्चित करनी है।बिहार में मोदी की सभा मे हुजूम उमड़ता देख विपक्ष भौचक्का रह गया।नए बिहार की यह भौर के सुनहरे सपने को सफल करने का प्रयास हो रहा है। बिहार में नीतीश कुमार के शासनकाल मे भागीदारी का स्पष्ट संदेश है कि उनका समर्थन साम्प्रदायिकता के विरुद्ध और बदलते भारत मे बीच बिहार की अपनी भूमिका को उजागर करना है।नीतीश कुमार का पिछले 20 वर्षो के शासन कालमें तेजी से सूबे की तस्वीर बदली है।अपार जनसमर्थन के बाद यह बयार पूरे प्रदेश में फैल रही है जो नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाने में निर्णायक होगी।

कांतिलाल मांडोत

बिहार का विकास जात पात के दलदल से मुक्त होने पर ही संभव

इस समय देश भर की सारी निगाहे बिहार मे होने वाले विधानसभा पर टिकी हुई हे ! बिहार देश का वह राज्य हे जिसका कभी स्वर्ण युग भी था ! आज भी जब भी कभी भारतीय राजाओ का बखान होता हे तो बिहार के मगध, गुप्त ओर मौर्य वंश के प्रतापी राजाओं का ही सबसे पहले नाम लिया जाता हे !

शिक्षा के क्षेत्र मे भी देश मे कही नाम लिया जाता हे तो बिहार के नालंदा ओर तक्षशिला की तपोभूमि का ही उल्लेख सबसे पहले आता हे ! बिहार देश का एक ऐसा राज्य था जो अतीत मे समृद्धशाली वेभवशाली ओर प्राचीन संपदाओ से युक्त राज्य था ओर बिहार कि भूमि भगवान बुद्ध के ज्ञान ओर भगवान महावीर की जन्मभूमि होने से वेसे ही पवित्र पावन धरा मानी गई हे लेकिन देश कि आजादी के बाद से बिहार का जिस हिसाब से विकास होना था ओर देश के विकसित अग्रणी राज्यों कि जमात मे शामिल होना था उस हिसाब से बिहार का विकास करने कि बजाय बिहार के कुछ कतिपय सत्ता स्वार्थी नेताओ ने बिहार मे जातपात ओर ऊच नीच कि राजनीति कर बिहार को देश के सबसे पिछड़े राज्यों कि जमात मे शामिल कर दिया था ! बिहार राज्य को जातपात की राजनीति मे बाटकर उसका विकास अवरुद्ध कर बिहार के दामन के पर राजनीति गुंडागर्दी, हत्याए, अपहरण, डकेती, फिरोती ओर बढ़ते अपराधों ने गोतम बुद्ध ओर महावीर स्वामी की इस शांत धरा को अशांत कर दिया हे ! बिहार मे राजनीतिक सत्ता पाकर जीतने बड़े चर्चित घोटाले जिन सरकारों मे हुए ओर उन राज्य सरकारों के प्रमुखों को देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा अपराधी घोषित किया जा चुका हो वही नेता आज जब विधानसभा के हूनए वाले चुनावों मे अपने लिए वोट मांगते नजर आते हे ओर सत्ता मे आने का दावा करते हे तो बेशक बिहार के भाग्य पर तरस आता हे ! बिहार की इस हालत के लिए देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल खुद जिम्मेदार हे जिन्होंने सत्ता के लिए राजनीतिक समझोते क्षत्रिय दलों से किए हुए हे ! काग्रेस जो देश कि सबसे पुरानी ओए सबसे बड़ी देश कि राजनीतिक पार्टी हे जिसकी बिहार राज्य मे कभी अपने अकेले के दम पर राज्य सरकारे हुआ करती थी वही काग्रेस कि हालत आज बिहार मे इतनी खराब हो चुकी हे की बिना राजद लालू के सहारे काग्रेस को आज बिहार मे अपने बूते दर्जन भर भी सीट लाने कि उम्मीद नहीं लगती हे ! देश के दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा जो कि अपने बूते बिहार मे सबसे ज्यादा सीट जीतने का माद्दा तो रखती हे लेकिन फिर भी बिना नीतीश या क्षत्रिय दलों के नेताओ के अपने बूते अकेले सरकार बनाने की बात नहीं कर रही हे जिससे बिहार के मतदाता को तीसरे विकल्प के रूप मे कोई नहीं होने से मजबूरी वश दोनों ओर से बने गठबंधनों के दलों मे से ही किसी को चुनना हर बार कि तरह मजबूरी बन गया हे ! बिहार मे आज क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियां जात पात ओर धर्म की राजनीति बैसाखी के सहारे इतनी मजबूत हो चुकी हे कि कोई भी देश का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बिहार के चुनाव मे अकेले उतरने की हिमाकत नहीं कर पा रहा हे !

देश के सबसे बड़े राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओ द्वारा हर बार बिहार मे अकेले चुनाव लड़ने कि वकालात पार्टी सुप्रीमो से कि गई हे किन्तु आम कार्यकर्ताओ की बात पार्टी के सुप्रीमो द्वारा नकारी ही जाती रही हे जिसका परिणाम यह हुआ कि काग्रेस जेसी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी बिहार मे अपना जनाधार खोती गई ओर आज खुद हालत क्या हे यह सब देख ही रहे हे ! बिहार का यदि देश कि सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टीया भाजपा हो काग्रेस या कोई अन्य दल यदि वास्तविक धरातल पर अंतिम बिहारी तक का विकास करना चाहते हे तो क्षेत्रीय दलों से मुक्त होकर अकेले मेदान मे उतरना होगा या फिर उनकी नहीं अपनी शर्तो पर क्षेत्रीय दलों को साथ रखकर सारे सूत्र खुद अपने हाथों मे रखकर चुनावी समर मे कुदना होगा तभी बिहार का जनमानस बदलाव का कोई मूड बनाता नजर भी आएगा ! आज बिहार की जनता लालू यादव हो या तेजस्वी या फिर नीतीश कुमार ही क्यू न हो वह इन चेहरों को अब फिर से मुख्यमंत्री देखना ही नहीं चाहती हे ! बिहार कि जनता भी पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश कि तरह योगी आदित्यनाथ जेसा मुख्यमंत्री चाहिए जो जनता के मर्म को समझ सके ओर उसके अनुरूप कार्य कर सके ! बिहार की जनता ओर युवा पीढ़ी जात पात ओर ऊच नीच के दलदल से मुक्त होकर अपना विकास देखना चाहती हे ! बिहार कि पूरी एक पीढ़ी क्षेत्रीय दलों के शासन से ऊब चुकी हे वह अब बदलाव चाहती हे बिहार मे इसके लिए उसकी आस देश के सबसे बड़े राजनीतिक दलों से हे लेकिन विडंबना यह हे कि क्षेत्रीय दलों के नेताओ कि सत्ता स्वार्थ कि लालसाओ के चलते एक बार फिर बिहार चुनाव मे धनबल ओर बाहुबल के आसरे जातिवाद के भवर मे धसता दिखाई दे रहा हे !

यदि देश कि सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टीया बिहार का विकास करना चाहती हे तो जात पात दलदल से खुद को मुक्त कर बिहार के विकास के नाम पर उसके स्वर्ण युग को वापस लाने के नाम पर मेदान मे उतरने का साहस करके दिखाये राह आरंभ मे कठिन चुनोती भरी जरूर लगेगी लेकिन अंतोगत्वा आसान हो जाएगी ! बिहार का विकास जात पात के दलदल से मुक्त होने पर ही संभव हे !

अरविन्द रावल

वैश्विक युद्ध के मुहाने पर बैठी दुनिया

यूरोप बनाम एशिया।

आज सम्पूर्ण मानवता एक गहन संकट के मुहाने पर खड़ी है। विश्व के कई क्षेत्र बारूद के ढेर पर बैठे हैं, और पृथ्वी मानो तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर झूल रही है। युद्धों की आग ने न केवल सीमाएँ जलायी हैं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी राख में बदल दिया है। ताजा परिदृश्य में इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष विराम तो मिला है परंतु इस भयानक युद्ध ने गाज़ा पट्टी को मानवीय त्रासदी का केंद्र बना दिया है। बच्चे भूख से मर रहे हैं, महिलाओं के पास चिकित्सा और भोजन का अभाव है। अनाज और आटे की भारी कमी ने जीवन को असंभव बना दिया है। अस्पतालों में दवाइयाँ नहीं हैं, और घायल नागरिक खुले आसमान के नीचे तड़प रहे हैं। लेबनान द्वारा इज़राइल पर हालिया हमले ने स्थिति को और भयावह बना दिया है जिससे अमेरिका के युद्धविराम प्रयासों पर प्रश्नचिह्न लग गया है। यह सब एक बार फिर साबित करता है कि युद्ध किसी राष्ट्र का नहीं, पूरी मानवता का शत्रु है। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हज़ारों सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं, शहर खंडहर बन चुके हैं। यूक्रेन द्वारा रूस पर 100 से अधिक ड्रोन हमले करने के बाद अब रूस के पास भी गोला-बारूद की कमी की खबरें हैं। रूस ने कई बार परमाणु हथियारों के उपयोग की खुली धमकी दी है जो विश्व के लिए सबसे बड़ा भय है।यह युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्तियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष मुकाबला बन चुका है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन 2022 के बाद से 100 से अधिक मिसाइल परीक्षण कर चुके हैं, जिनमें कुछ अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को लक्ष्य बनाकर की गई हैं। उधर चीन और ताइवान के बीच तनाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को लेकर ताइवान पर हमला करने की तैयारी में हैं, और अमेरिका का परोक्ष समर्थन ताइवान को युद्ध के मैदान में धकेल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर हुआ है। ट्रंप की व्यावसायिक सोच और हथियार उद्योग से जुड़ा लाभ का समीकरण अमेरिका को कभी भी युद्धविराम की ओर नहीं जाने देगा। दरअसल, अमेरिका, रूस, चीन,

उत्तर कोरिया और नाटो देश – सभी अपने-अपने हथियार उद्योग के आर्थिक लाभ में युद्ध को अवसर की तरह देखते हैं। नभारत ने सदैव शांति और संयम का मार्ग अपनाया है।'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के बाद भारत ने युद्ध की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना – यही उसकी राजनैतिक परिपक्वता का प्रमाण है।रूस के साथ पारंपरिक मित्रता और अमेरिका के साथ हाल के वर्षों में सुदृढ़ संबंध भारत को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। यही संतुलन आज विश्व शांति की सबसे बड़ी उम्मीद है।रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-गाज़ा युद्ध, चीन-ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ इन सबने एक परमाणु युद्ध की पृष्ठभूमि बना दी है।यदि यह चिंगारी भड़क उठी तो पाकिस्तान और खाड़ी देश भी इसमें खिंच जाएंगे और तब यह पृथ्वी मानव इतिहास की सबसे बड़ी विनाशक आपदा झेल सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी किसी राष्ट्र को गौरव नहीं दिया – केवल लाशों का अंबार और पीढ़ियों की पीड़ा दी है।आज जब विश्व एक क्लिक में जुड़ा है, तो एक मिसाइल भी पूरे सभ्य संसार को नष्ट कर सकती है। इसलिए आवश्यकता है कि राष्ट्र अपने स्वार्थ, अहंकार और सत्ता की भूख को त्यागें और यह स्वीकार करें कि "युद्ध किसी की जीत नहीं, सबकी हार है।"

संजीव ठाकुर

संपादकीय

रिश्ते भी पौधों की तरह हैं – समय और प्यार से ही खिलते हैं

अपनों के बिना हासिल सारी सफलताएँ अधूरी हैं

ऑनलाइन हम, पर अपनों से ऑफलाइन: रिश्तों की खामोश दूरी

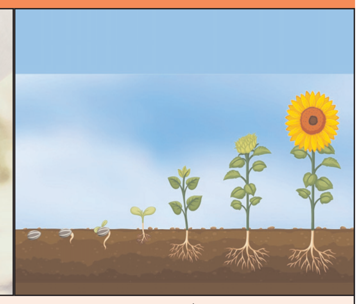

आज की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी में एक सवाल बार-बार मन को कुरेदता है–क्या हम वाकई अपनों के लिए समय निकाल पाते हैं? यह सवाल साधारण-सा लगता है, मगर इसके जवाब में छिपी सच्चाई हमारे जीवन की स्याह हकीकत बयान करती है। हम ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहां समय की कीमत अनमोल रत्नों से भी बढ़कर हो गई है। सुबह की शुरुआत मोबाइल के अलार्म से होती है, और रात स्क्रीन की नीली रोशनी में डूबकर ख़त्म। इस आपाधापी में हम उन रिश्तों को अनदेखा कर रहे हैं, जो कभी हमारी दुनिया का आधार थे। माता-पिता की मुस्कान, बच्चों की मासूम बातें, दोस्तों के साथ बेफिक्र लम्हे, या जीवनसाथी के साथ वो सुकून भरे खामोश पल–ये सब अब धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं से बाहर हो रहे हैं। पहले वक्त था, जब परिवार का मतलब था–सबका एक साथ डाइनिंग टेबल पर बैठना, दिनभर की कहानियां बांटना, और हंसी-ठहाकों में समय का अहसास ही खो जाना। आज वही परिवार एक छत के नीचे रहकर भी अलग-अलग स्क्रीनों में बंटा हुआ है। माता-पिता टीवी के सामने, बच्चे हेडफ़ोन के साथ यूट्यूब में खोए, और हम सोशल मीडिया के अंतहीन भंवर में डूबे। हमारी उंगलियां स्क्रीन पर तो दौड़ती हैं, लेकिन अपनों के दिल की बात पढ़ने का वक्त गुम हो गया। हम ऑनलाइन हर पल मौजूद हैं, पर अपनों के लिए 'ऑफलाइन' हो चुके हैं। हम अक्सर कहते हैं, "समय नहीं है।" लेकिन क्या यह सचमुच सच है? दिन के चौबीस घंटों में हम घंटों सोशल मीडिया पर भटकते हैं, नेटफ्लिक्स की दुनिया में खोए रहते हैं, व्हाट्सएप की चैट में उलझे रहते हैं, मगर मां से पांच मिनट की बातचीत के लिए वक्त नहीं निकलता। बच्चों के साथ हंसी-खेल की बात तो दूर, उनकी आंखों में झांककर यह पूछने का मौका नहीं मिलता कि उनका दिन कैसा गुजरा। रिश्ते अब 'वीकेंड प्लान' बनकर सिमट गए हैं, जिन्हें हम किसी प्रोजेक्ट की तरह 'मैनेज' करने की जद्दोजहद में लगे हैं। लेकिन रिश्ते कोई टू-डू लिस्ट नहीं, जिसे चेकमार्क लगाकर भुला दिया जाए। रिश्तों को जीना पड़ता है, संजोना पड़ता है, और इसके लिए दिल से समय देना पड़ता है। आधुनिक जीवन ने हमें सुविधाओं का खजाना सौंपा है–तकनीक, अवसर, चमक-दमक। लेकिन इसके बदले उसने हमसे अपनापन छीन लिया। तकनीक ने वादा किया था कि वह हमें जोड़ेगी, मगर हकीकत में वह हमें भावनात्मक रूप से और दूर धकेल रही है। वर्क-फ्रॉम-होम ने घर को दफ्तर बना दिया, लेकिन घर का सुकून कहीं गुम हो गया। हम गैजेट्स से बतियाते हैं, पर सामने बैठे अपनों से दो शब्द बोलने का वक्त नहीं। सबसे दर्दनाक यह है कि यह दूरी हमें अब सामान्य लगने लगी है। पास रहकर भी अनदेखा करना हमारी आदत बन गई है। यह अनदेखी सिर्फ रिश्तों तक नहीं रुकती; यह हमारे मन को भी खोखला कर रही है। आज अकेलापन, तनाव, और अवसाद आम बात हो गए हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययन चीख-चीखकर बताते हैं कि अपनों से जुड़ाव की कमी मानसिक स्वास्थ्य को तार-तार करती है। इंसान सामाजिक प्राणी है–उसे अपनों की गर्माहट चाहिए, किसी की फिक्र चाहिए, किसी का साथ चाहिए। जब यह अपनापन कम होता है, तो बाहर की दुनिया की सारी कामयाबियां–नौकरी में तरक्की, बैंक बैलेंस की बढ़ोतरी, या सोशल मीडिया पर लाइक्स की बौछार–सब उस खालीपन को भरने में नाकाम रहती हैं, जो अपनों की दूरी से पैदा होता है। हम आज रिश्तों को 'निभाने' की बजाय 'मैनेज' करने की जुगत में लगे हैं। हर मुलाकात, हर बातचीत को एक 'शेड्यूल' में बांध दिया गया है। दोस्तों से मिलने के लिए गूगल कैलेंडर में स्लॉट बुक करना पड़ता है, माता-पिता से बात करने के लिए 'टाइम स्लॉट' तय करना पड़ता है। लेकिन रिश्ते कोई कॉरपोरेट मीटिंग नहीं, जो डायरी में नोट करके निपटाए जाएं। रिश्ते तब सांस लेते हैं, जब उनमें सहजता हो, जब उनमें दिल की गर्माहट और समय की नमी हो। रिश्ते उस पौधे की तरह हैं, जिसे वक्त, ध्यान और प्यार से सींचना पड़ता है। अगर उसे अनदेखा किया, तो वह धीरे-धीरे मुरझा जाता है। और जब वह सूख जाता है, तो बाद में लाख पछतावे कर लें, वो हरियाली लौटकर नहीं आती। सवाल समय की कमी का नहीं, सवाल हमारी प्राथमिकताओं का है। हम दिन-रात जिस ज़िंदगी को बेहतर बनाने की दौड़ में लगे हैं, उसका असली मकसद क्या है? अगर उस ज़िंदगी में अपनों की जगह ही नहीं, तो वह कितनी सार्थक है? करियर, पैसा, सपने–सब ज़रूरी हैं, मगर इनके बीच अपनों के लिए वक्त निकालना सबसे अनमोल है। क्योंकि जब ज़िंदगी का हिसाब लगाने का पल आएगा, तो हमें वो ईमेल, मीटिंग्स या डेडलाइंस नहीं, बल्कि अपनों के साथ बिताए लम्हे याद आएंगे–वो हंसी, वो बातें, वो साथ। अब वक्त है, इस भागदौड़ में ठहरकर सांस लेने का। हर दिन चंद पल अपनों के नाम करें। फोन को साइलेंट कर माता-पिता के साथ बैठें, उनके पुराने किस्सों में खो जाएं। बच्चों के साथ उनका पसंदीदा खेल खेलें, उनकी चमकती आंखों में दुनिया देखें। किसी दोस्त को बेवजह कॉल कर पुरानी यादें ताज़ा करें। ये छोटे-छोटे पल रिश्तों को सिर्फ़ जिंदा नहीं रखते, बल्कि हमारे भीतर के खालीपन को भरते हैं। तकनीक को गुलाम बनाएं, मगर उसे रिश्तों पर हावी न होने दें। असली आधुनिकता 'कनेक्टेड' होने में नहीं, अपनों से 'जुड़े' रहने में है। ज़िंदगी की रफ्तार जब धीमी पड़ेगी, तो वही लोग याद आएंगे, जिनके लिए हमने वक्त चुराया था। तो आज, अभी, इस पल में किसी अपने को समय दें। एक कप चाय, एक बेपरवाह हंसी, एक दिल से दिल की बात–यही वो धागे हैं, जो रिश्तों की डोर को मज़बूत करते हैं। यही वो लम्हे हैं, जो ज़िंदगी को जीने लायक बनाते हैं। सच यही है–रिश्ते वक्त मांगते हैं, और वक्त देने से ही रिश्ते संवरते हैं।

प्रो. आरके जैन

मानवीय आवश्यकता है धर्म

धर्म किसी भी व्यक्ति की भौतिक जरुरतों की पूर्ति नहीं करता है। किन्तु फिर भी धर्म प्रत्येक व्यक्ति के लिये एक परमावश्यक तत्व है इसका कारण है धर्म मानव मात्र को आत्मशान्ति और सभ्यता प्रदान करता है। आत्म शान्ति और सभ्यता दोनों मानव की ऐसी अध्यात्मिक आवश्यकताएं है कि यदि वे दो न हों तो करोड़ों का स्वामी ऐसा धनाढ्य व्यक्ति भी पशुता के रूप में ही जीता है। मानवता के दायरे में वह प्रवेश ही नहीं कर पाता । रुस कट्टर कम्युनिज्म का हिमायती राष्ट्र था और सारे विश्व में कम्यु निज्म का नैतृत्व करता था किन्तु कम्युनिज्म ने एक सबसे बड़ी भूल की धर्म को - नकार कर । धर्म को नकार ने से मानव की चेतना में आत्म विश्वास ही समाप्त हो गया । समुचित मानवीय सभ्यता का विकास भी नहीं हो पाया। परिणाम यह रहा कि सारा राष्ट्र ही बिखर गया । कम्युनिज्म एक असफल विचार धारा के रूप में चारों तरफ से ठुकराया जाने लगा ।आप और हम सभी जानते हैं कि कम्युनिज्म भी एक सुव्यवस्थित समानाग्रही व्यवस्था है। वह हर्गिज असफल नहीं होती यदि धर्म को नकारा न होता । धर्म को साथ रख कर कम्युनिज्म बहुत वर्षों तक मानव को व्यवस्था दे सकता था किन्तु वह ऐसा नहीं कर सका उसका परिणाम सामने हैं । यह भी हम जानते हैं कि धर्म का सत्य स्वरुप तो प्रायः छुप सागया है धर्म के नाम पर साम्प्रदायिक व्यवस्थाएं विधि विधान ही अधिक व्याप्त है। इन साम्प्रदायिक कट्टरता से पृथ्वी पर खून खराबा भी कम नहीं हुआ है किन्तु जैसे बादलों के पीछे छुपजाने पर भी सूर्य जब तब किसी तरह बाहर आकर प्रकाश फैला ही देता है ऐसे ही साम्प्रदायिक अभिनिवेशों के बावजूद धर्म अपना रूप समाज में प्रकट करता ही रहा है। वह सर्वथा निः शेष कभी नहीं होता । कहीं न कहीं वह मानव में मानवता नैतिकता करुणा शील सदाचार आदि उदात्त भावों का सर्जन करता ही है। टूटी मानवता की कड़ियों को धर्म ही जोड़ता है। धर्म की मानव के लिये सार्वत्रिक उपयोगिता सर्वदा रही है और भविष्य में भी रहेगी ।

संकीर्णता अधर्म है विष है

पानी छोटे से पोखर में भी पाया जाता है किन्तु वह प्रायः गन्दा और दुर्गन्ध पूर्ण होता है किन्तु सरोवर में पाया जाना वाला पानी स्वच्छ और अधिक उपयोगी होता है। पोखर छोटा और सरोवर विशाल होता है।मानव का

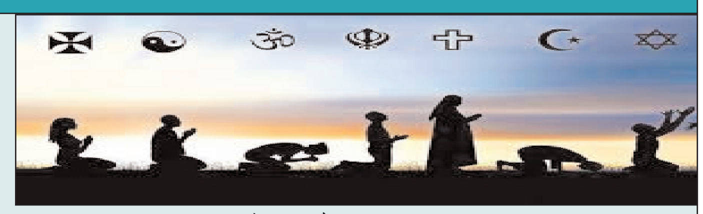

मन भी प्रायः दो तरह का होता है। क्षुद्र और विशाल । क्षुद्र हृदय व्यक्ति बहुत सीमित दायरे में सोचता है। ऐसे व्यक्ति प्रायः कट्टर होते है वे औरों के प्रति असहनशील और ईर्ष्या ग्रस्त होते हैं। सरोवर की तरह उदार हृदय व्यक्ति विशाल दृष्टि कोण लेकर चलते हैं। सहिष्णुता उनकी मुख्य विशेषता होती है। वे अपना ही नहीं सभी का अभ्युदय चाहते हैं। संकीर्ण मनोवृत्ति से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति समाज और मानवता के लिये वरदान स्वरुप होते हैं। धर्म मूलत, विशाल हृदयी व्यक्ति तैयार करने का काम करता है। मित्ति में सब्ब भूएसु, सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे धर्म के मौलिक सूत्र है जिन में संकीर्णता का कोई नामो निशान नहीं है किन्तु जब से धर्म में संप्रदायें प्रबल हुई है। धर्म के स्वरुप को भी संकीर्ण बनाने का प्रयत्न किया जाने लगा। संकुचित मनोवृत्ति वाले व्यक्ति साम्प्रयादिकता के ज्यादा पक्ष धर बने रहे उन्होंने धर्म की सारी व्यवस्थाओं को कट्टरता और संकीर्णता के घेरे में बांध लिया। केवल हम और हमारा ये ही ठीक है शेष सभी व्यर्थ है। संकीर्णता की इस भावना ने धर्म की सार्वभौमिकता को तोड़ कर जन जन में भेद भाव की खाई खड़ी कर दी । अन्य धर्म संप्रदायों की बात छोड़िये । जैन धर्म को ही ले लीजिये श्वेताम्बर दिगम्बर स्थानक वासी मूर्ति पूजक तेरा पंथी आदि बड़े बड़े विभाग तो है ही इसमें भी संप्रदाय और उप संप्रदायों का एक विशाल समूह खड़ा है। उनके अनुयायी अपनों से भिन्न औरों को हीन दृष्टि से देखा करते हैं। अवसर मिलते ही एक दूसरे का विरोध और खंडन करने में भी तत्पर रहेंगे। मान्यता भेद का जहां तक प्रश्न है वह हो सकता है और है भी इस से मैं इन्कार नहीं करता किन्तु मान्यताओं के उपरान्त भी एक धार्मिकता तो बराबर बनी ही रहनी चाहिये जो मान्यता भेद की उपस्थिति में भी पारस्परिकता को बचाकर रख सके । कट्टरता में इस तरह तो अन्धे न बने कि अन्यवर्ग के साधु साध्वी तक का अपमान और निन्दाकर बैठें। कट्टरता एक विष है जो धर्म जगत को उद्वेलित और अशान्त किये रहता है। इस विष से प्रत्येक धार्मिक को बचना चाहिये।

अन्धकार है अज्ञानता

कुछ व्यक्ति अज्ञानता के पक्ष घर रहते हैं वे कहते है अज्ञानी बना रहता अच्छ है। इसमें पाप कम लगता है। ज्ञानी बनकर फिर कोई पाप करेगा तो वह अधिक दोषी होगा, क्यों कि वह तो जानता है। जानते हुए जहर खा रहा है तो वह तो अधिक दोषी है ही। हम कुछ भी न समझें, न समझने का, जानने का यत्न करें। अनजान में सारे पाप होंगे। अनजाने को तो भगवान भी माफ कर देते हैं ऐसी बातें होती है अज्ञानियों की। ये बातें एकान्त मूर्खता पूर्ण और हेय है। अज्ञानता में किया पाप कम नहीं होता है और न कोई ईश्वर उसे माफ करता है। अज्ञानता में खाया जहर भी मौत की खाई में डाल ही देगा चाहे व्यक्ति अनजान ही क्यों न बना रहे। जिसने जान कर जहर खा लिया है वह तो तत्काल उसका उपचार भी कर सकता है किन्तु अनजाने में खाया वह अपना क्या उपचार करायेगा उसे पता ही नहीं कि उसने कौनसा जहर खा लिया है। ज्ञान और क्रिया जीवन की ये विशेष प्रवृतियां हैं। ज्ञान मस्तिष्क का विषय है ज्ञान से वस्तु स्वरुप की समझ मिलती है। क्रिया आचरण को कहते हैं। दोनों की क्षमता सभी प्राणियों में समान नहीं होती है। किसी में ज्ञान की क्षमता अधिक पाई जाती है किन्तु आचरण की क्षमता कम होती है किसी में आचरण की क्षमता अधिक होती है किन्तु ज्ञान वह अधिक नहीं कर पाता है। इस तरह हम देखते हैं कि ये दोनों तत्व सभी में समान नहीं होते । जीवन में आचरण का महत्व तो है ही किन्तु उस से भी कहीं अधिक महत्व है ज्ञान का । ज्ञान विस्तृत और तत्व स्पर्शी होना चाहिये। यह अत्यन्त जरुरी है चाहे तदनुरुप आचरण न भी कर पाये । आचरण की भूलों का समाधान या उस की कमी की पूर्ति तो कभी भी होजाना आसान रहता है किन्तु ज्ञान की कमी का निराकरण होना बहुत कठिन होता है अतः - तत्व स्पर्शी सम्यक् ज्ञान पहले होना चाहिये । आचरण बाद की बात है।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उम्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

अश्लील हरकत के आरोप में मुकदमा पंजीकृत

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने स्थानीय पुलिस को शिकायती पत्र देकर गांव निवासी एक अभियुक्त पर अश्लील हरकत करते हुए मारने-पीटने का आरोप लगाई है। महिला के तहरीर पर पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रीम कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला अपने घर से कुछ ही दूरी पर टहल रही थी। आरोप है कि इस दौरान गांव निवासी एक आरोपी अभियुक्त महिला के साथ अश्लील हरकत करने लगा। महिला के शोर मचाने पर आरोपी वहां से धमकी देते हुए फरार हो गया। महिला आरोपी के चंगुल से निकलकर घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। पीड़िता के परिजन जब इसका विरोध करने लगे तो आरोपी व उसके अन्य परिजनों ने पीड़ित परिजनों के साथ मारपीट करने लगे। पीड़िता के तहरीर पर पुलिस ने आरोपी मुहम्मद अली व उसकी पत्नी व पुत्र के खिलाफ धारा 74,115(2), 351(3) आदि धाराओं में मुकदमा कर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र कुमार राय ने बताया कि महिला के तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

चाकूबाजी की घटना में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

रूद्रपुर, देवरिया। क्षेत्र के पचलडी चौराहे पर दो पक्षों में पुराने विवाद को लेकर हमलावरों ने एक पक्ष पर चाकू से हमला कर दिया जिसमे राजकुमार सिंह पुत्र अमरजीत सिंह को घुटना पेट और छाती में चोट लगी जिससे वह बूरी तरह जख्मी हो गया। बीच बचाव करने गए मुकेश कनौजिया व रघुराज प्रताप सिंह पुत्र अमरजीत सिंह निवासी गण विशुनपुर बग़ही भी साथ घायल हो गए। परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुद्रपुर भेजा जहां दो का इलाज किया गया जबकि राजकुमार सिंह की गंभीर स्थिति को देखकर चिकित्सकों ने देवरहा बाबा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दोनों पक्षों में विवाद हो गया था जिसके दौरान कुछ दिन पूर्व भी दोनों पक्षों में तनातनी हुई थी। मुकामी पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर आपसी समझौता के बाद घर भेज दिया था। थाना अध्यक्ष अजय पाण्डेय ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कारवाही की जायेगी । स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर क्षेत्राधिकारी हरीराम यादव के साथ भारी पुलिस बल गांव में पहुंच गई है।

छठ पर्व की धूमधाम से खजनी, व बाजारों में भारी भीड़, नहाय-खाय के साथ व्रत प्रारंभ

दुकानों पर खरीददारी करती ब्रजी महिलाएं

खजनी गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र में छठ पूजा की तैयारियों के बीच बाजारों में भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय लोगों को दिनभर जाम का सामना करना पड़ रहा था। जाम को मद्देनजर देखते हुए खजनी थाना थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने पुलिस टीम लगा कर भीड़ को नियंत्रित करने में लगे रहे और नियंत्रण पाएं। नहाय-खाय के साथ छठ पूजा का प्रारंभ होते ही खरना की तैयारी में लगे लोगों ने छठ घाटों और पूजा की वेदी को विशेष रूप से सजाया। उनवल, हरनहीं, रकौली, खजुरी बाजार, सतुआभार, छताई सहित सभी स्थानों पर सड़क किनारे छठ पूजा सामग्री की दुकानें लगी। व्रती महिलाओं के साथ परिवारीजन सामानों की खरीदारी करते रहे।

डीएम दीपक मीणा का खजनी तहसील में औचक निरीक्षण — अव्यवस्था देख भड़के, दी कड़ी चेतावनी — कहा, लंबित फाइलें जल्द करें निस्तारित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिले के दक्षिणांचल क्षेत्र में रविवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अचानक खजनी तहसील का औचक निरीक्षण कर तहसील प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। डीएम का काफिला बिना किसी पूर्व सूचना के तहसील मुख्यालय पहुंचा तो अफसरों और कर्मचारियों में हलचल मच गई। जिलाधिकारी ने परिसर में प्रवेश करते ही सफाई व्यवस्था और कार्यालयों की दशा तथा नवनिर्मित लेखपाल आवास का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील भवन, एसडीएम कोर्ट, तहसीलदार कोर्ट, रिकार्ड रूम, लेखपाल कक्ष, और परिसर के अन्य हिस्सों का गहनता से निरीक्षण किया। गंदगी और अव्यवस्था देखकर वे खासे नाराज़ दिखे। उन्होंने साफ-सफाई की स्थिति पर एसडीएम खजनी राजेश प्रताप सिंह और तहसीलदार ध्रुवेश सिंह से सवाल-जवाब किया तथा तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील जनता के काम के लिए है, यहां स्वच्छ और व्यवस्थित माहौल होना जरूरी है। डीएम दीपक मीणा ने नवनिर्मित लेखपाल आवासीय भवन का भी निरीक्षण किया। भवन में निर्माण संबंधी कई खामियां देखकर उन्होंने सीएनडीएस विभाग के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगा। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए संबंधित कार्यदायी संस्था को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में स्थित अधिवक्ता भवन की भी दुर्दशा देखी। जर्जर हालत और झाड़-झंखाड़ में तब्दील परिसर देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। डीएम ने कहा कि अधिवक्ताओं के उपयोग हेतु बने भवन की मरम्मत और रखरखाव तत्काल कराया जाए।

इसके बाद डीएम सीधे एसडीएम कोर्ट पहुंचे। वहां उन्होंने लंबित फाइलों का निरीक्षण किया। फाइलों का ढेर देखकर जिलाधिकारी भड़क उठे। उन्होंने एसडीएम से पूछा कि इतने मामलों का निस्तारण क्यों नहीं हुआ है। इस पर उन्होंने एसडीएम को आंशिक चेतावनी दी और निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। तत्पश्चात डीएम ने तहसीलदार कोर्ट का भी मुआयना किया, जहां कई प्रशासनिक लापरवाहियां और विलंब के मामले सामने आए। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन सत्यदेव मिश्रा, एसडीएम खजनी राजेश प्रताप सिंह, तहसीलदार ध्रुवेश सिंह सहित कई विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील में स्वच्छता व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन, भवनों की मरम्मत और जनता से जुड़ी सेवाओं की गति में तत्काल सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता को समय पर न्याय और सेवा मिलनी चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। करीब दो घंटे तक चले इस औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एक-एक कोर्ट, कक्ष और परिसर के हिस्से का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हर सप्ताह तहसीलों की कार्यप्रणाली की समीक्षा होगी और जो अधिकारी लापरवाही करेंगे, उन पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा, "तहसील प्रशासन जनता के सबसे नजदीक का कार्यालय है। यहां पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। लंबित फाइलों का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाए, अन्यथा जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।" डीएम के इस औचक निरीक्षण से खजनी तहसील प्रशासन में खलबली मच गई है, वहीं जिलाधिकारी के सख्त तेवर से साफ संकेत मिल गया है कि अब किसी भी स्तर पर अव्यवस्था और सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हल्का लेखपाल ने किया फसल का सर्वेक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र से होकर बह रहा बघेला नाला बीते माह पूर्व बाढ़ के उफान पर था। बघेला नाले में बाढ़ आने से किसानों की धान की खड़ी फसल जलमग्न हो गई थी। फसल जलमग्न होने से फसल बर्बाद हो गई जिससे किसान खासा परेशान हैं। वहीं फसल बर्बाद होने से परेशान किसानों ने राजस्व विभाग से फसल का सर्वेक्षण कर मुआवजा की मांग की थी। रविवार को हल्का लेखपाल जैनुद्दीन ने बिषखोप ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बच्चूसिंह के साथ खड़ी धान की फसल का सर्वे किया। जानकारी के मुताबिक नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के बघेला नाले से रेहरा, महुलानी, बेलभार, मनिकौरा, विषखोप, लक्ष्मीपुर, परसा, भरटोलिया, श्रीरामपुर, जिगिना, गंगापुर, गंगवलिया, करौता, चुड़िहारी, मनिकापुर, बेलहिया, चकदह, शाहपुर, महुलैना सहित आदि गांव का सिवान बघेला नाले के बाढ़ के पानी से प्रभावित रहता है। क्षेत्रीय किसान जय किशुन यादव, गतिराम साहनी, गया पासवान, रामकुमार यादव, रामबेलास यादव, बृजेश पटेल, गिरजेश यादव, धर्मेन्द्र तिवारी, राम लक्षन यादव, त्रिलोकी यादव, शमशाद खान, उस्मान अली सहित अन्य लोगों ने बताया कि जब धान की बालियां निकल रही थी तभी बाढ़ आने से फसल डूब गया था जिससे धान की बालियां में दाना नहीं बना है। स्थानीय किसानों ने छतिग्रस्त फसल को लेकर राजस्व विभाग से मुआवजा दिलाने की मांग किया है। वहीं रविवार की सुबह राजस्व विभाग के हल्का लेखपाल जैनुद्दीन ने बिषखोप ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बच्चूसिंह के साथ परसा भरटोलिया गांव के सिवान में खड़ी धान की फसल का सर्वे किया। इस संबंध में हल्का लेखपाल जैनुद्दीन ने बताया कि फसल का स्थलीय सर्वेक्षण किया गया है ऐसे में अधिकारियों को इसका रिपोर्ट प्रेषित किया जाएगा।

गोरखपुर में फिर सनसनीखेज:गोरखपुर के पूर्व डीपीआरओ ने रचा इतिहास, आधी उम्र की युवती से रजिस्टर्ड कराई शादी!

●तीन साल पहले वायरल वीडियो ने हिलाया था जिला

पुरानी यादें ताजा, जुबान पर फिर चढ़ आई वो कहानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खज़नी गोरखपुर। जिले के एक तहसील में एक बार फिर वो पुरानी सनसनी लौट आई है। गोरखपुर जिले के पूर्व पंचायत राज अधिकारी , जो कभी सिरहजनों में छाए रहते थे, अब फिर वैवाहिक बंधन में बंध गए हैं। तीन साल पहले उनके एक वायरल वीडियो ने पूरे जिले को हिला दिया था, अब, वही फिर से इतिहास रच दिया - एक और युवती से शादी कर ली, जो उनकी बेटी की उम्र की बताई जा रही है। क्षेत्र में चर्चाएं जोरों पर हैं: क्या ये प्यार है या विवादास्पद कारनामा?

डीपीआरओ से सनसनीखेज दूल्हे तक का सफर

पंचायत राज अधिकारी हिमांशु शेखर ठाकुर का नाम गोरखपुर के पंचायत राज विभाग में कभी सम्मान का प्रतीक था। पंचायती राज अधिकारी के पद पर रहते हुए उन्होंने कई विकास योजनाओं को जमीन पर उतारा। लेकिन 2022 में सब बदल गया। एक प्राइवेट सेरेमनी में उन्होंने 25 साल की युवती से शादी सुर्खियो, में ला दी थी ।उनकी उम्र के आधे से भी कम थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें दुल्हन के साथ मंडप में फेरें लेते नजर आए। जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए, लेकिन मामला ठंडा पड़ गया। अब जीवन के चौथेपन में ये नया कदम! चर्चा बन गया।

तीन साल पुराना वायरल वीडियो, जो आज भी गूंज रहा है।

तीन साल पहले की वो रात आज भी लोगों की जुबान पर है। हिमांशु का वीडियो ङ्ग (पूर्व ट्विटर) और फेसबुक पर आग की तरह फैला है। वीडियो में दिखा कि कैसे एक सरकारी अधिकारी ने अपनी पहली पत्नी को छोड़कर नई जिंदगी शुरू की। युवती का नाम गोपनीय रखा गया, लेकिन अफवाहें थीं कि वो उनके कार्यालय से जुड़ी थीं। स्थानीय मीडिया ने इसे 'बीडीओ का प्यार का फरमान 'कहा। हिमांशु ने सफाई दी थी - "ये निजी मामला है, कानूनी है।" लेकिन सोशल मीडिया पर मीम्स और ट्रोल्स ने उन्हें 'दिल वाले दुल्हे 'बना दिया।

कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। हिमांशु पर पहले ही तीन शादियां करने के दावे थे - पहली पत्नी से दो बच्चे, दूसरी से अलगाव, तीसरी से विवाद। शादी तहसील के एक छोटे से रजिस्ट्रार कार्यालय में होना बताया गया । बिना किसी धूमधाम के। स्थानीय लोगों का कहना है, "अधिकारी साहब ने फिर से साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ नंबर है।" अब पुनः एक तहसील में शनिवार को हिमांशु जी के नई दुल्हन कागजो में आ गई, जो तहसील के रजिस्टर ऑफिस में रजिस्टार के अनुपस्थिति में कार्यालय बाबु के मौजूदगी में शादी के डोर में बंध गए । जिनका गवाह रजिस्टार आफिस का स्टॉप बना । नई शादी की खबर जंगल के आग की तरह फिर फैल गई और डीपीआरओ साहब पुनः सर्खियो में आ गए । अब देखिए आगे क्या होता है ।

तीव्र गति बाइक की टक्कर से युवक की मौत, मुकदमा हुआ दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर- गोला थाना क्षेत्र केगोला बड़हलगंज सड़क मार्ग पर नुआव परिषदीय विद्यालय के पास घर से गोला जाते समय एक युवक की बाइक से टक्कर में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान दयाराम के पुत्र भरत के रूप में हुई है, जो शिवपुर गांव का निवासी था। प्राप्त विवरण के अनुसार, रविवार की दोपहर मृतक भरत अपने घर शिवपुर से मोटरसाइकिल से गोला जा रहा था। उसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल (नं- P53FJ9972) के चालक ने तेज़ गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और उसे गंभीर चोटें आई। घायल युवक को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गोला ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल, गोरखपुर रेफर कर दिया। हालांकि, जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के पिता दयाराम ने पुलिस को तहरीर देकर दोषी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मृतक के पिता के द्वारा दिए गए तहरीर पर गोला थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार को सौंपी गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल शुक्ला ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और दोषी चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने एक बार फिर से क्षेत्र में तेज़ रफ़्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़कों पर सख्त निगरानी की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दो सौ दिनों में हुआ 2.23 लाख लाभार्थियों का टीकाकरण

● बच्चों को बारह गंभीर बीमारियों से बचाता है नियमित टीकाकरण, यूविन पोर्टल के माध्यम से स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम मे 10935 गर्भवती के खून की हुई जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज। जिले में 200 दिनों में कुल करीब दो लाख 23 हजार 800 लाभार्थियों का टीकाकरण कराया गया। टीकाकरण में गर्भवती, बच्चे और किशोर, किशोरियां शामिल हैं। टीकाकरण कराने में यूविन पोर्टल से काफी सहूलियत मिल जाता है। इस पोर्टल के माध्यम से कोई भी लाभार्थी कहीं भी टीकाकरण करा सकता है। नियमित टीकाकरण बच्चों को काली खांसी, गलाघोंटू, निमोनिया, पोलियो, हेपेटाइटिस, टीबी, जेई, टिटनेस, मिजिल्स, रुबेला, दस्त, सहित कुल बारह गंभीर बीमारियों से बचाता है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि भरोसेमंद और गुणात्मक टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतत प्रयत्नशील रहता है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग लाभार्थियों के घर के आसपास ही टीकाकरण सत्र आयोजित करता है। सत्र स्थल तक लाभार्थियों को लाने के आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी लगी रहती हैं। सहूलियत के लिए लाभार्थियों को एक दो दिन पहले बुलाया पर्ची भी भेज दी जाती है और साथ हीं साथ यूविन पोर्टल के माध्यम लाभार्थियों को टीकाकरण सत्र की जानकारी व समय का पता उनके यूविन पोर्टल पर रजिस्टर्ड मोबाइल पर मिल जाता है। सीएमओ डॉ शुक्ला ने बताया कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम के तहत यूविन पोर्टल के माध्यम से उक्त अवधि में 549 नवजात का आभा आईडी भी बनाया गया है। नवजातों का आभा आईडी माता के आईडी से जोड़कर बनाया जाता है। जब नवजात का यूनियन पोर्टल पर पंजीकरण किया जाता है उसी समय बाद आभा आईडी बनाने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है। इसी प्रकार 10935 गर्भवती की खून जांच करने के बाद इनका ब्योरा भी यूविन पोर्टल पर दर्ज किया गया। वहीं यूएनडीपी के वीसीसीएम नागेन्द्र पांडेय ने बताया कि उपरोक्त टीकाकरण के लिए कुल 21935 सत्र आयोजित किए गए। इसके लिए जनपद के सभी कोल्ड चैन पॉइंट व सत्रों पर पर्याप्त मात्रा मे वैक्सीन उपलब्ध कराई गई।लाभार्थी को-विन पोर्टल की तरह यूविन पर भी अपने टीकाकरण सत्र व समय स्लॉट बुक कर सकते हैं,और टीकाकरण का ई-सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।यूविन पोर्टल डिजिटल प्लेटफार्म है, जिस पर लाभार्थियों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होती हैं।

छठ पर्व पर बाजारों में उमड़ा जनसैलाब, उत्साह के साथ हुई खरीदारी

● छठ पर्व के आज तीसरे दिन व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को देंगी अर्घ्य

पूजन सामाग्री की बढ़ती कीमतें भी आस्था के इस महापर्व के उत्साह को नहीं कर पा रही फीका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व के आज तीसरे दिन व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। चार दिवसीय महापर्व के अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं व उनके परिजनों में खासा उत्साह है। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों के बाजरो में खरीदारी के लिए भारी भीड़ देखने को मिली।रविवार की सुबह से ही पूजन सामग्री, फल-फूल, कोसी आदि की खरीदारी के लिए बाजारों में काफी भीड़ देखने की मिला। सूर्योपासना का महापर्व छठ को लेकर शहर समेत ग्रामीण बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। छठ पूजा को लेकर श्रद्धालु जमकर खरीदारी कर रहे हैं। सुख-समृद्धि और आस्था के महापर्व को लेकर बाजारों में पूजन सामाग्री, फल, फूल, कोसी, दउरा, सूप आदि से बाजार सज गया है। पूजन सामाग्री की बढ़ती कीमतें भी आस्था के इस महापर्व के उत्साह को फीका नहीं कर पा रही है। घरों में एक ओर जहां पूजा की तैयारी में व्रती जुट गई हैं, वहीं बाजार में केला, संतरा, अनानास, अनार, सेब, सिंघाड़ा, नारियल, गन्ना, हल्दी, मूली, अदरक की लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। नौतनवा क्षेत्र के मिश्रौलिया, पेड़ारी, सेखुआनी, परसामलिक, असुरैना आदि चौराहों पर खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पुरूष व महिला सभी ने उत्साह के साथ सामानों की खरीदारी की। वहीं भीड़ की वजह से कुछ जगहों पर जाम की भी स्थिति उत्पन्न हुई।

छठ महापर्व पर जमकर खरीदारी, बाजारों में असीमित भीड़

●-गांव से लेकर शहर तक सड़कें जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। छठ महापर्व को लेकर बाजारों में असीमित भीड़ है और दुकानों पर जमकर खरीदारी हो रही है। फल सब्जियां किराने के समान व कपड़े की दुकानों पर अद्भुत भीड़ नजर आ रहा है। गांव से लेकर शहर के सभी चट्टी चौराहों पर लोगों का जमघट लगा हुआ है। जिससे सभी सड़कें जाम से घिरी हुई हैं। वाहन रेंग रहे हैं। हालांकि पुलिस के जवान छोटे व बड़े चौराहों पर ड्यूटी दे रहे हैं किंतु अत्यधिक भीड़ के चलते आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को सायंकाल अस्ताचलगामी सूर्य की आराधना व्रती महिलाएं करेंगी। जिसके लिए ताल पोखरों व घाटों को विशेष रूप से सजाया गया है। नगर पंचायत ने बथुआ रिवर फ्रंट पर प्रकाश व साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की है। समूचा नगर पंचायत प्रशासन घाटों की सफाई प्रकाश व्यवस्था व लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगा हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने सोमवार की शाम और मंगलवार की सुबह भीड़ को नियंत्रित करने व लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। अतिरिक्त पुलिस फोर्स की भी मांग की जा रही है जिससे किसी प्रकार की अप्रिय दुर्घटना ना घटे। गांव में नदियों के किनारे बने घाटों को ग्राम प्रधान की मदद से विशेष रूप से सजाया जा रहा है। नगर के बथुआ रिवर फ्रंट के अलावा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर स्थित पोखरे, मां शीतला मंदिर स्थित पोखरे व गोला वार्ड में स्थित घाट पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम उनके प्रतिनिधि छट्ठेलाल निगम अधिशासी अधिकारी नितेश गौरव सहित सभी सभासद अपने वार्डों में विशेष इंतजाम में लगे हुए हैं। शनिवार को अपर जिलाधिकारी जैनेंद्र सिंह ने बथुआ रिवर फ्रंट का निरीक्षण किया व मातहतों को आवश्यक निर्देश दिया। समूचा तहसील प्रशासन और पुलिस डिपार्टमेंट के लोग छठ महापर्व को सकुशल संपन्न करने के लिए पसीना बहा रहे हैं।

विंध्याचल धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो खड़े ट्रक से टकराई, दंपती सहित तीन की मौत

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के गंधोना गांव के पास रविवार की सुबह तकरीबन साढ़े 11 बजे विंध्याचल से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो सड़क किनारे खडे ट्रक से टकराई गई। हादसे में दंपती सहित तीन की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। अंबेडकरनगर जनपद के इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के पालीपट्टी गांव से परिवारजन शनिवार को विंध्याचल धाम दर्शन करने गए थे। बोलेरो गंधोना गांव स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा व खड़े ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में 38 वर्षीय आलोक वर्मा उनकी 32 वर्षीय पत्नी गुड़िया वर्मा व 70 वर्षीय फूला देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल 16 वर्षीय अभिराट वर्मा को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। अन्य दो घायल महिलाओं को भदोही स्थित आशादीप अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। दुर्घटना में वाहन के परखच्चे उड़ गए। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने हादसे की वजह को तेज रफ्तार बताया है। बताया कि वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

पांच माह बाद न्यायालय के आदेश पर गोला थाने में सुसंगत धाराओं में बाइक चालक के ऊपर दर्ज हुआ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर । गोला थाना क्षेत्र के गोपालपुर से माल्हनपार जाने वाले सड़क मार्ग पर बीते 24 मई को हनुमान बनिया की दुकान के पास बाइक से दुर्घटना में घायल उमेश दुबे की मृत्यु के बावत माननीय न्यायालय के आदेश पर पांच माह बाद गोला थाने में बाइक चालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। गोला पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार गोला थाना क्षेत्र के ग्राम बनरही निवासी परवीन यादव पुत्र रामाश्रय गांव के ही उमेश दुबे को अपनी बाइक यूपी 53 सी यू 5752 पर बिठाकर बीते 24 मई की शाम पांच बजे गोपालपुर से माल्हन पार वाली सड़क मार्ग से फार्मा लाने जा रहा था।बाइक परवीन चला रहा था।तीव्र गति से चलाने के कारण हनुमान बनिया के दुकान के सामने बाइक फिसल गई।और दोनों सवार गिर पड़े।उमेश को ज्यादा चोट आई। सर फट गया।घटना स्थल पर ज्यादे खून गिर गया। घटना स्थल पर मुकामी पुलिस भी पहुंच गई।दोनों घायलों को इलाज के लिए सी एच सी गोला लाया गया।परवीन को कम चोट लगी थी।उमेश बेहोशी हालत में था।डॉक्टर ने उमेश की स्थिति ठीक न देख मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहा उपचार के दौरान उमेश की मृत्यु हो गई। मृतक के भाई गणेश पुत्र राम उजागीर दुबे ने लिखित सूचना गोला थाने में दिया। थाने से कहा गया कि पी एम रिपोर्ट आने के बाद मुकदमा दर्ज किया जायेगा। पी एम रिपोर्ट आने के बाद भी गोला पुलिस मुकदमा पंजीकृत नहीं किया।जिस बाइक से घटना हुआ था उस बाइक को भी गोला पुलिस द्वारा छोड़ दिया गया। मृतक के भाई ने जिला पुलिस मुखिया के यहां भी जरिए रजिस्ट्री अपनी फरियाद दर्ज कराई लेकिन न्याय न मिलने के कारण माननीय न्यायालय जे एम द्वितीय के यहां अपनी अर्जी जरिए अधिवक्ता पेश किया। माननीय न्यायालय द्वारा सारे कागजातों को संज्ञान में लेते हुए थानाध्यक्ष गोला को सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश पारित कर दिया।गोला पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पांच माह बाद परवीन यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है।

बेकाबू ट्रक ने बुजुर्ग को रौंदा मौके पर मौत

●त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के मन्नीजोत चौराहे की घटना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के मन्नीजोत चौराहे पर रविवार की दोपहर एक बेकाबू ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को कुचल दिया, जिसमें बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं स्थानीय लोगों की मदत से ट्रक सहित चालक को पकड़ कर पुलिस त्रिलोकपुर थाने ले गई। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के मंगराव गांव निवासी राम चरन विश्वकर्मा (70) रविवार को साइकिल से त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के मन्नीजोत चौराहे पर दवा लेने गए थे।दवा लेकर जैसे ही साइकिल से शाहपुर सिंगारजोत मुख्य मार्ग पर चढ़ने ही वाले थे की सामने से आ रहे एक बेकाबू ट्रक ने रौंदा दिया,जिसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मौके पर मौजूद लोगों ने दौड़ा कर ट्रक को चालक सहित पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पुलिस पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध मे थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि मृतक की पुत्रवधू माधुरी पत्नी चंद्रपाल की तहरीर पर केस दर्ज कर शव का पंचायत नामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है,और ट्रक व चालक भी पुलिस के कब्जे में है।

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्मा जी की काया से उत्पन्न है कायस्थ समाज- चक्रपाणी जी महाराज

बरेली/ ब्रह्मा जी की काया से कायस्थ समाज की उत्पत्ति हुई है यह विचार आज वृंदावन में कायस्थ शिरोमणि और प्रसिद्ध संत चक्रपाणी जी महाराज ने वृंदावन में स्थापित हुई 31 फिट की ब्रह्मा जी की मूर्ति के अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रदेश भर से कायस्थ समाज के लोग एकत्र हुए और एकता का परिचय दिया गत वर्ष 51 फिट की भगवान चित्रगुप्त जी की मूर्ति की स्थापना हुई थी कार्यक्रम उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार ने कायस्थ समाज से एकजुट रहने की अपील की उन्होंने कहा कि वे सदैव कायस्थों के लिए समर्पित रहते हैं। इस अवसर पर बरेली से वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, डॉक्टर सुबोध अस्थाना, रवि सक्सेना, अश्विनी कमठान, मनोज सक्सेना अलीगढ़ वाले,सुनील सक्सेना मिलन, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू, आशीष सक्सेना, सुंदरम सक्सेना गोलू, अमन सक्सेना, मनोज सक्सेना गोपाल धूप, रविन्द्र सक्सेना रवि, दीपक राज, विपिन कौसर, प्रदीप सक्सेना, राजीव सक्सेना आदि ने भाग लिया।

काली मंदिर परिषद में छठ पूजा की तैयारी का काम युद्ध स्तर पर -पुरुषोत्तम कुमार

मैलानी नगर पंचायत वार्ड नं-7 के काली मंदिर परिसर में छठ महापर्व को लेकर तैयारियाँ चरम पर पहुँच गई हैं। नगर पंचायत की टीम द्वारा घाट की साफ़-सफ़ाई,प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा का कार्य तेज़ी से पूरे किए जा रहे हैं। नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी के निर्देशन में कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही समाज सेवी भवानी शंकर माहेश्वरी (बंटी भैया) तथा जिला उपाध्यक्ष गुरमीत कौर की मौजूदगी में आयोजन व्यवस्था की रूपरेखा तैयार की जा रही है। छठी मैया के गीतों की धुनों और बाजारों में पूजन-सामग्री की बढ़ती खरीददारी के बीच वातावरण आस्था से सराबोर है। महिलाएँ कच्चे घड़े, सूप-दौरा, ईख, केला, नारियल एवं ठेकुआ-थाली की तैयारी में जुटी हैं। नगर पंचायत की ओर से टैंकरों के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है, जबकि बिजली विभाग के सहयोग से अतिरिक्त लाइटिंग और पंडाल क्षेत्र की व्यवस्था कर रही है । नगर प्रशासन ने छठ के मुख्य दोनों अर्घ्य डूबते सूर्य एवं उगते सूर्य के पूजा की तैयारी बहुत ही तेजी से पूरी की जा रही है स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत कर प्रयासों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इस वर्ष भी काली मंदिर घाट पर छठ पर्व शांति एवं अनुशासन के साथ संपन्न होगा ।

कथा के दूसरे दिन सुनाई शिव पार्वती के विवाह की कथा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला छोटी काशी क्षेत्र के गाँव कोटवारा मे चल रही राम कथा के दूतीय दिवस के अवसर पर भगवान शिव व पार्वती के विवाह की पावन कथा भक्तो को श्रवण कराई। शिव विवाह की पावन कथा भक्तो को कथा श्रवण कराते हुये कथा व्यास ने बताया कि जब पार्वती के पिता राजा हिमाचल ने अपनी पुत्री का विवाह विष्णु जी से तय कर दिया, तो वह यह जानकर बहुत ही कुपित हुई और अपने पिता से नाराज होकर अपनी सखियों के साथ घनघोर जंगलो को चली गई, क्यो कि वह अपना विवाह भगवान शिव के साथ करना चाहती थी। वहां वनों में भगवान शिव को पाने के लिये माता पार्वती ने 14 वर्षो तक कठोर तब किया और निराहर रहकर अपना समय व्यतीत किया। इस बात से लेकर राजा हिमालय बहुत ही दुखी हुये ओर इसके पश्चात नारद मुनि से परामर्श लेकर माता पार्वती को तलाश कर घर ले आये और भगवान शिव के साथ माता पावती का विवाह बडे ही धूमधाम से किया। यह कथा सुनकर भक्तगण भाव विभोर हो गये।जिसमे कथा व्यवस्थापक भाजपा नेता मिथिलेश मिश्र, राहुल मिश्र, व शिवपूजन शर्मा, नैमिष मिश्र, राहुल कुमार, रमेश दिक्षित, मुकेश, नवनीत अवस्थी शैलेन्द्र अवस्थी,रामदुलारे पांडे,जयराम यादव,रामकिशोर, राम सरन यादव सहित तमाम भक्त व ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आएंगे जनपद खीरी अलीगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध कबीरधाम

● मुस्तफाबाद में 3 दिवसीय सत्संग और क्षमा देव स्मृति दिवस समापन में होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज लखीमपुर खीरी के अलीगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध कबीरधाम मुस्तफाबाद आएंगे जहां आयोजित तीन दिवसीय असंग साहब जी महाराज के सत्संग और क्षमा देव स्मृति दिवस के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके अनुसार:सुबह 10:30 बजे मुख्यमंत्री 5, कालिदास मार्ग लखनऊ से कार द्वारा प्रस्थान करेंगे। 10:35 बजे वे ला मार्टीनियर कॉलेज ग्राउंड, लखनऊ हेलीपैड पहुंचेंगे और 10:40 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से लखीमपुर खीरी के लिए उड़ान भरेंगे। 11:10 बजे मुख्यमंत्री का आगमन विश्व कल्याण आश्रम, कबीरधाम मुस्तफाबाद स्थित हेलीपैड पर होगा।इसके बाद, 11:15 बजे वे कार द्वारा कार्यक्रम स्थल पहुंचकर स्मृति प्राकट्योत्सव मेला में शामिल होंगे। कार्यक्रम के पश्चात 12:15 बजे मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान करेंगे। 12:20 बजे वे हेलीपैड पहुंचेंगे और 12:25 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे। दोपहर 12:55 बजे मुख्यमंत्री का आगमन ला मार्टीनियर कॉलेज ग्राउंड, लखनऊ में होगा। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर जिला प्रशासन, पुलिस और आश्रम प्रबंधन ने संयुक्त रूप से सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की हैं। हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक बैरिकेडिंग की गई है और सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

बृज मौर्या ने पलिया विधानसभा के आदिवासी क्षेत्र का किया भ्रमण

पलिया कलां खीरी। बृज मौर्या लोकल मीडिया से कहा जनता का स्नेह और उत्साह इस बात का संकेत है कि पलिया विधानसभा नया इतिहास लिखने जा रहा है। इस प्रेम और अपार जनसमर्थन हेतु कोटि-कोटि आभार।

विधान सभा के आदिवासी क्षेत्र में आज अपने साथी यूथ कांग्रेस आदिल खान , प्रदेश महासचिव किसान कांग्रेस शुभम् अग्निहोत्री ,सोशल मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश शोएब अहमद,सोशल मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश अफजल खान,पूर्व जिला अध्यक्ष आउटरीच वरिष्ठ कांग्रेसी अमर गुप्ता, किसान कांग्रेस प्रदेश सचिव रामचंद्र प्रधान व संदीप गौतम के साथ आज दुधवा नेशनल पार्क क्षेत्र के गांव घुसकिया,ध्यानपुर, गबरौला, सुरमा,कुतिया कवर,किरतपुर कोठी चौराहा,बरबटा, बन्दर भरारी, चन्दन चौकी,सुडा आदि गांव का भ्रमण किया ।

मूंछ की लड़ाई में बिहारीपुर के दो दबंग आपस में भिड़े गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज पुलिस ने दोनों को भेजा जेल

● 7 वर्षो से दोनों में चल रही मूंछ की लड़ाई दोनों तरफ से एक दूसरे पर दर्ज हुए अनेकों मुकदमे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्यों लड़िया थाना क्षेत्र के गांव बिहारीपुर अब्दुल रहमान में पूर्व प्रधान एवं वर्तमान प्रधान के देवर में छिडी मूंछ की लड़ाई जिसके चलते यहां के थाना अध्यक्ष रहे राजवीर सिंह परमार के जमाने में भी दोनों पक्षों पर गंभीर धाराओं में अनेकों मुकदमे दर्ज हुए थे। जिसके चलते गांव चर्चा का विषय बना रहा बीच में दोनों ने बैठकर आपस में समझौता कर लिया और एक दूसरे के मुकदमे भी वापस लेने का निर्णय लिया गया सूत्रों के अनुसार कुछ मुकदमे खत्म भी हो चुके हैं परंतु प्रधानी के चुनाव शुरू होते ही मामूली से विवाद में इतना तूल पकड़ा के दोनों में मारपीट हुई दोनों तरफ से चोटे आई पुलिस ने दोनों की तहरीर पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है । मौजूदा ग्राम प्रधान गायत्री देवी के देवर दीनानाथ की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान अजय पुत्र कालीचरन दो अज्ञात के विरुद्ध पुलिस ने धारा 109/351/2/के तहत रिपोर्ट दर्ज की है इसी विवाद में पूर्व प्रधान अजय गंगवार की तहरीर पर पुलिस ने दीनानाथ पुत्र सरस्वती प्रसाद वेद प्रकाश पुत्र सियाराम आकाश पुत्र बृजलाल नरेश पुत्र सरस्वती प्रसाद अनिल पुत्र हुलास राय के विरुद्ध पुलिस ने धारा 352/115/2/351/2/191/2/तहत पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है । साथ ही पुलिस ने पूर्व प्रधान अजय गंगवार एवं मौजूदा प्रधान के देवर दीनानाथ गंगवार दोनों को पुलिस ने जेल भेज दिया है दोनों की तरफ से दर्ज की गई रिपोर्ट की विवेचना पुलिस ने शुरू कर दी है प्रभारी निरीक्षक राजवली सिंह ने बताया गांव में विवाद का कोई विशेष कारण नहीं था परंतु छोटी सी बात बड़ी हो गई जिसमें दोनों तरफ से गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है विवेचना कर सही आरोपियों को ही जेल भेजा जाएगा किसी के भी साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

रामलीला मेले में सरकारी गाइड लाइन की जमकर उड़ रही धज्जियां

● निघासन सीओ ने बंद कराए मेले के सर्कस, मौत कुआं और झूले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। बिना आधिकारिक परमिशन के कायदा कानून की धज्जिया उड़ा कर। मनमाने ढंग से नगर पंचायत की जमीन पर श्री रामलीला मेले का आयोजन किया जा रहा है मेले में अधिक कमाई करने के लिए महारानी सूरत कुमारी रामलीला समिति ने प्रतिबंधित गगन चुंबी झूले वह मौत का कुआ व खेल तमाशा लगवा दिए हैं रामलीला समिति के मनमानी ढंग से संचालित हो रहे मेले में बीती रात निघासन पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवम कुमार सिंगाही थाना अध्यक्ष अजीत कुमार दलबल के साथ मेले मैदान का निरीक्षण करने पहुचे। मेले में लगे खेल तमाशा व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सुसज्जित मोटर से चलने वाले गगन चुंबी झूले सर्कस मौत का कुआ को बंद करा दिया तथा मेला समिति को शासन की गाइडलाइन लाईन बताते हुए मेले से गगन चुबी झूले मौत का कुआ को सर्कस हटाने के निर्देश दिए है। सीओ ने आदेश का पालन नही करने की स्थिति में मेला समिति व सामान लगाकर अधिक मुनाफा कमाने वाले मौत के सौदागर मालिको पर कानूनी कार्रवाई करने के आदेश सिंगाही पुलिस को दिए है। सिंगाही थाना अध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया की मेला मैदान मे मौत का कुआ सर्कस गगन चुबी झूले लगाने वाले मालिको को सभी सामान हटाने के लिए कहा किया है।

5 ट्रैक्टर-ट्रॉली, रेपर मशीन सीज:मैगलगंज में खनन इंस्पेक्टर और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

लखीमपुर खीरी। मैगलगंज थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। खनन इंस्पेक्टर और पुलिस की संयुक्त टीम ने बीती देर रात पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक रेपर मशीन को जब्त कर सीज कर दिया।यह कार्रवाई अवैध खनन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई। सोशल मीडिया पर भी अवैध खनन को लेकर शिकायतें सामने आ रही थीं, जिसके बाद प्रशासन ने संज्ञान लिया।खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह और मैगलगंज पुलिस ने मढ़ियाघाट चौकी क्षेत्र के बेहड़ा जोरावर गांव के पास अवैध खनन की सूचना पर यह कार्रवाई की। मौके से अवैध रूप से खनन में लिप्त वाहनों को जब्त किया गया। खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर मे पाच सौ मरीजों ने कराया रजिस्ट्रेशन

● मुख्य पूर्व सांसद राघवेंद्र प्रताप सिंह विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह और अध्यक्षता अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा ने की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

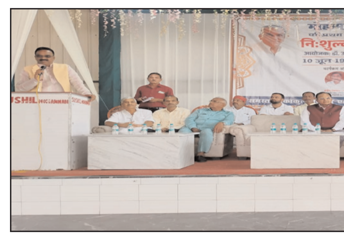

मोहम्मदी खीरी, नेता मो.उमर की प्रथम पुण्यतिथि पर मेदांता अस्पताल के माध्यम से आशीर्वाद गेस्ट हाउस में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग पाच सौ मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें कैंसर रोग के डायरेक्टर अभिषेक कुमार सिंह लीवर व पेट स्पेशलिस्ट डॉक्टर आलोक कुमार सिंह तथा डॉक्टर अंजली सचान ने अपनी सेवाएं दी, इस शिविर में निशुल्क जांच परामर्श और निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई, मेदांता के डाक्टर अभिषेक कुमार सिह,आलोक सिह,व अजलि सिह ने वार्ता मे बताया कि आज के शिविर मे चार केशर के मरीज आऐ,तथा उसके बाद 70/ लीवर व गैस के आऐ,कार्यक्रम से पूर्व पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा के रूप में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में महा अधिवक्ता के पद पर रहे पूर्व सांसद राघवेंद्र प्रताप सिंह ,विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा ने स्वर्गीय मोहम्मद उमर की यादों को ताजा करते हुए एक बेहतरीन व्यक्ति बताया ,तथा निशुल्क स्वास्थ्य सिविल लगाने की सराहना की और कहा मित्रता के लिए धनी व्यक्ति थे तथा अतिथियों को डॉक्टर उबेद उमर इरशाद कुरैशी,उसैदउमर,उबैस उमर ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री कृष्णा राज मौलाना हजरत सिद्दीकी अधिवक्ता विवेक शुक्ला समरवीर सिंह राम प्रकाश सिंह दिलीप कुमार सिंह सपा विधानसभा अध्यक्ष सुरेश पाल यादव ,जितेंद्र सिंह,समोद सिंह सहित अन्य भी मौजूद रहे कार्यक्रम का सफल संचालन पत्रकार मोहम्मद अब्बास नकवी ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला क्षेत्र के ग्राम छोटेपुर में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला बैठक बिजुआ मंडल अध्यक्ष गोल्ड मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रांतीय संगठन मंत्री वेद प्रकाश सचान अतिथि विभाग संगठन मंत्री रमाकांत अवस्थी रहे, बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने की। जिला बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखा जिन्होंने सभी पदाधिकारी को पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। बैठक में जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने अपने संबोधन में कहा की कुछ राजनीतिक दल सत्ता पाने के लिए हिंदुओं को जात-पात में बांटना चाहते है। और सनातन को बार-बार खत्म करने की बात करते हैं। मगर उनकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी अब हिंदू जाग चुका है। और श्री कनौजिया ने साथ में यह भी कहा है की जिन्होंने राम भक्तों पर अयोध्या में गोली चलवाने का कार्य किया था और सैकड़ो निर्दोष हमारे हिंदू भाई गोली का शिकार हुए सरयू जी का सफेद पानी राम भक्तों के खून से लाल हो गया था परंतु राम भक्तों ने अपने संकल्प को पूरा किया और श्री राम मंदिर बनवाने का कार्य किया। कहा कि हमारा संकल्प अभी और बाकी है। काशी मथुरा में जल्द मंदिरों का निर्माण होगा। केंद्र सरकार द्वारा सरकार तथा संगठन के संस्थापक माननीय डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया जी के निर्देश का इंतजार है। जिस दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष का काशी मथुरा कोच का आदेश होगा उसे दिन पूरे भारतवर्ष से लाखों करोड़ हिंदू राम भक्त प्रस्थान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि लव जिहाद के खिलाफ हम सब कानून बनवाने की मांग कर रहे हैं। संगठन का मुख्य उद्देश्य हिंदू एकता हिंदू बहन बेटियों की रक्षा मठ मंदिरों की सुरक्षा साधु संतों की रक्षा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा गौमाता की रक्षा बांग्लादेशियों को भारत से निकालने का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान मानिए बेहतर का सचान जी ने कहा कि भारत व कई देशों में हमारा संगठन हिंदुत्व पर काम कर रहा है हम हिंदू गरीबों को लेनी में कपड़े दिवाली में मिठाई वितरण कार्य करते हैं। इसके लिए हम एक योजना चला रहे हैं कि हर घर से एक मुट्ठी अनाज लेकर हिंदू गरीब परिवारों को दे रहे हैं। ताकि कोई हिंदू भूखा न रहे। उन्होंने हिंदुओं पर बढ़ते हुए अत्याचारों पर चिंता व्यक्त की और कहां केंद्र बार राज्यों में अगर भाजपा की सरकार न होती तो आज अपराधियों व जिहादियों का बोलबाला होता जो उत्तर प्रदेश व कई राज्यों में बड़े स्तर पर खत्म हुआ। बैठक में श्री रमाकांत अवस्थी जी ने हिंदू भाइयों से हर मंगलवार को श्री हनुमान चालीसा केंद्र चलाने का निवेदन किया और हिंदू विरोधियों की जमकर लताड़ लगे और कहा राष्ट्रीय बजरंग दल भारत का सबसे बड़ा संगठन हो गया जिसके कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में है जो हिंदुओं पर जुल्म के खिलाफ लड़ रहे हैं। और कहां की एक मॉल बिजी हाथी ने संगठन को आतंकी संगठन बताया हमें बताएं कोई हमारे कार्य करता है बंदूक तमंचा गोला बारूद व नाजायज हथियार चलते हैं। हम हिंदू है आदर्शवादी हैं हम कानून के दायरे में रहकर कार्य करते हैं। यदि हमें कोई चढ़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं फिर वक्त आने पर हमें हथियार उठाने जरूरत पड़े तो हम उठाएंगे क्योंकि रसों का नाश करने के लिए तो कुछ ना कुछ उपयोग करना पड़ेगा। वहीं अंत में जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा मेघवाल मिश्रा के पक्ष में सभी कार्यकर्ताओं से वोटिंग करने को कहा राकेश कनौजिया ने बताया कि गोल्ड मिश्रा हमारे संगठन के एक कर्मठ ईमानदार जुझारू सक्रिय पदाधिकारी हैं। जो जिला पंचायत का चुनाव लड़ रहे हैं उन्हें भारी मतों से विजई बनाना हम सब का साथ होना सभी लोग गोल्ड मिश्रा के पक्ष में चुनाव प्रचार गांव में जाकर व सोशल मीडिया से करें। बैठक में जिला मीडिया प्रभारी पंकज शुक्ला व संयुक्त मंत्री कुशविंदर सिंह,मंडल उपाध्यक्ष आकाश कनौजिया,मंडल महामंत्री कुलदीप सिंह,आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद है।

खड़े ट्रक में टकराते टकराते बची यात्रियों से भरी बस,बड़ा हादसा टला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मैलानी(लखीमपुर)दुधवा दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मैलानी कस्बे निकट ग्राम कोरियानी के पास माल लदे ट्रक में आयी खराबी होने पर खड़े ट्रक में शनिवार रात को प्राइवेट बस चालक की सूझबूझ से टकराते-टकराते बच गई।बस चालक ने बस का स्टेरिंग सड़क किनारे खाई की तरफ मोड़ दिया,जिससे बहुत बड़ा हादसा टल गया।पुलिस ने मौके पर पहुंच कर यात्रियों को अन्य बस से रवाना किया।ट्रक के पीछे साईड में हाईलाईट न होने पर पुलिस द्वारा ट्रक चालक को फटकार लगायी गयी व ट्रक को मौके से हटवाया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश मौर्या ने बताया कि शनिवार की देर रात 9 बजे के करीब सिसिया चौराहा से दिल्ली हरियाणा की ओर जा रही अमन ट्रेवल्स की बस संख्या एनएल07 बी1515 कोरियानी गांव के पास माल लदे ट्रक से टकराते टकराते बच गई।

बस के चालक ने सूझबूझ का परिचय दिए हुए बस को सड़क किनारे खाई में उतार दिया जिससे चार-पांच यात्रियों को हल्की-फुल्की चोटें आई है,सभी यात्रियों को दूसरी बसों के माध्यम से आगे भेज दिया गया है।

बिना टैक्स जमा किए ही संचालित हो रही थी बस

जनपद बहराइच एवं लखीमपुर से पलिया,मैलानी होते हुए सैकड़ों बसें दिल्ली,हरियाणा,राजस्थान,महाराष्ट्र की ओर प्रतिदिन आती जाती है।परिवहन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से अधिकांश बसें बिना परमिट और बिना इंश्योरेंस के ही संचालित होती हैं और तो और कई बसों का टैक्स भी काफी समय से बकाया रहता है।मैलानी में शनिवार के दिन भी क्षमता से अधिक सवारी भरकर सिसैया चौराहे से दिल्ली हरियाणा की ओर जा रही अमन ट्रेवल्स की बस संख्या एनएल07 बी1515 का भी पिछले 10 माह से टैक्स जमा नहीं हुआ है जबकि बस प्रतिदिन इस रूट से आती जाती है।

शिक्षा संघर्ष मोर्चा फाउंडेशन ने पीड़ित परिवार तक पहुँचाई राहत सहायता सामग्री

● पीड़ित परिवार ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धौरहरा खीरी। तहसील धौरहरा के विकास खंड ईसानगर के रायपुर गाँव मे एक पीड़ित परिवार की वायरल खबर का संज्ञान लेकर शिक्षा संघर्ष मोर्चा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर फाउंडेशन की टीम द्वारा पीड़ित परिवार तक राहत सहायता सामग्री पहुँचाई गई। जानकारी के अनुसार तहसील धौरहरा के विकास खंड ईसानगर के गाँव रायपुर निवासी एक परिवार बहुत विपरीत परिस्थितियों मे है परिवार का भरण पोषण करने वाले एक मात्र व्यक्ति का निधन कुछ दिन पूर्व हो गया उसकी माता जी बहुत वृद्ध है चल नहीं सकती है जो पत्नी है वह बोल नहीं सकती है गोद मे एक बच्चा 4-5 माह का है एक बच्ची 3 वर्ष की है और आय का कोई साधन नहीं है। खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसका संज्ञान लेकर शिक्षा संघर्ष मोर्चा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने परिवार के पास तत्काल पीड़ित परिवार तक राहत सामग्री पहुंचा कर मदद की गई वही पुनः रविवार को फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर फाउंडेशन के सदस्यों ने दुबारा गाँव मे पीड़ित परिवार के पास पहुँचकर राहत सामग्री आटा, चावल, दाल, बिस्कुट नमकीन बच्चों के कपडे आदि देकर सहायता की। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया की हम भविष्य मे भी परिवार के संपर्क मे रहेंगे व जितना संभव है प्रयास करेंगे।

उपजिलाधिकारी मितौली ने क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यशैली की एक नई मिसाल कायम की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मितौली खीरी- उप जिलाधिकारी मितौली मधुसूदन गुप्ता ने पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यशैली की एक नई मिसाल कायम की है। भ्रष्टाचार, अवैध खनन, फर्जी अस्पतालों, राशन वितरण में अनियमितताओं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर उन्होंने जिस तेजी और सख्ती से कार्रवाई की है, उससे क्षेत्र की जनता में प्रशासन के प्रति भरोसा और सम्मान लगातार बढ़ता जा रहा है चाहे अवैध खनन हो या राशन माफिया – हर मामले में उन्होंने बिना किसी दबाव के कानून के अनुसार कार्रवाई की है। क्षेत्र की जनता जब भी अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचती है, तो वे हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करते हैं

प्रयासों का परिणाम

इन प्रयासों का परिणाम यह है कि मितौली तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था एक नई नजीर बन गई है। जनता के बीच मधुसूदन गुप्ता की निष्पक्षता, सक्रियता और जनहितैषी दृष्टिकोण की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। उनकी निष्ठा और समर्पण ने न केवल उन्हें जनता का चहेता अधिकारी बना दिया है, बल्कि वे शासन और प्रशासन के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं।

बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी पहचान, 40 विदेशी छात्र लेंगे एडमिशन

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिसर अब केवल क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है। परिसर का शिक्षण-अनुकूल माहौल विदेशी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए खासा आकर्षित कर रहा है। विशेष रूप से नाइजीरिया, भूटान और नेपाल जैसे देशों के छात्र-छात्राएं यहां विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए उत्सुक हैं। विवि भी अगले माह तक 40 नए विदेशी छात्रों का स्वागत करने की तैयारी में है।विवि में पहले से ही 21 नाइजीरियाई, 22 नेपाली और छह भूटानी विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

विराट नारी उत्कर्ष समारोह को संबोधित करेंगी शेफाली पंड्या

● 09 नवम्बर को जन्म शताब्दी दीपयज्ञ में करेंगी प्रतिभाग

06 से 10 नवम्बर की तिथियों में मीरपुर रसौरा तिराहे पर हो रहा गायत्री परिवार का विशेष आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुरखीरी- खिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 06 से 10 नवम्बर की तिथियों में आयोजित होने जा रहे विराट नारी उत्कर्ष समारोह को शांतिकुंज हरिद्वार की विशेष महिला प्रतिनिधि शैफाली पंड्या जी संबोधित करेंगी। यह आयोजन रामापुर रोड मीरपुर रसौरा तिराहा पर श्रीराम वाटिका मैदान परिसर में होगा जिसकी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के मीडिया संयोजक अनुराग मौर्य ने बताया यह आयोजन गायत्री परिवार की संस्थापक अधिष्ठात्री परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में हो रहा है जिसका उद्देश्य माता भगवती देवी शर्मा जी के जन्म प्रदेश (उत्तर प्रदेश) में जन्म शताब्दी वर्ष 2026 में एक करोड़ देव परिवार निर्माण करना है। कार्यक्रम में जिले व प्रदेश से आ रहीं एक हजार से अधिक महिलाओं को देव परिवार निर्माण का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयोजन के चौथे दिन होने वाले सायंकालीन जन्मशताब्दी दीपमहायज्ञ में श्रीमती शैफाली पंड्या विशाल महिला सभा को संबोधित करेंगी। देव संस्कृति विश्वविद्यालय प्रति कुलपति यूथ आइकॉन डॉ0 चिन्मय पंड्या जी की धर्मपत्नी श्रीमती शेफाली पंड्या वर्तमान में गायत्री परिवार के नारी जागरण अभियान का नेतृत्व कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

खरना पर शुरू हुआ घाट पूजन

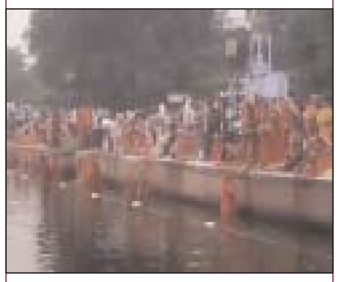

अहरौरा, मीरजापुर। छठ पूजा का दूसरा दिन खरना के नाम से जाना जाता है। सभी नदी तालाब नहर के किनारे महिलाएं बेदी बनाकर घाट पूजन के साथ छठ पूजन का शुरुआत करती हैं। आज के दिन खीर पूरी खाकर दो दिन निराजल व्रत रख के सूर्य को अर्ध्य देने के पश्चात फलाहार खाकर व्रत को समाप्त करती हैं। सूर्य देव को समर्पित छठ पूजा का उत्सव प्रतिवर्ष दीपावली के दो दिन बाद से पूरे भारत में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है, इस दिन घाटों की सफाई और रोशनी से सभी घाट जगमग करने लगते हैं साल भर में इसी बहाने लोग नदी नहर तालाब पोखरो की साफ सफाई सामूहिक रूप से मिलकर करते हैं इसी वजह से छठ पूजा और भी खास बन जाता है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रतिमा के पास हो रहे सुंदरीकरण का नपाध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने किया स्थलीय निरीक्षण

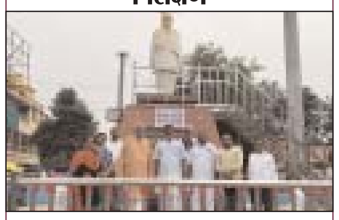

मीरजापुर। सरदार वल्लभ भाई पटेल के आगामी 150वीं जन्मजयंती के अवसर पर भरूहना, स्थित पटेल चौराहे पर नगर पालिका द्वारा हो रहे सुंदरीकारण का नपाध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने किया स्थलीय निरीक्षण इस दौरान श्री केशरी ने पालिका अधिकारियों को कहा कि 31अक्टूबर को सरदार पटेल जी की जन्मजयंती है उसके पहले ही सुंदरीकरण का कार्य कर लिया जाए। इस दौरान श्री केशरी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा, "सरदार पटेल आधुनिक काल में राष्ट्र की सबसे महान विभूतियों में से एक रहे हैं। उनके विराट व्यक्तित्व में अनेक गुण एक साथ समाहित थे। श्री केशरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, "मेरा आप सबसे आग्रह है कि 31 अक्टूबर को सरदार साहब की जयंती पर देशभर में होने वाली 'रन फॉर यूनिटी' में आप भी जरूर शामिल हों। श्री केशरी ने कहा, "गांधी जी से प्रेरित होकर सरदार पटेल ने खुद को स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह समर्पित कर दिया। 'खेड़ा सत्याग्रह' से लेकर 'बोरसद सत्याग्रह' तक अनेक आंदोलनों में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा लाल बहादुर सिंह जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा आभा सिंह पटेल पटेल समाज की जिला उपाध्यक्ष अंजना सिंह पूर्व नगर महामंत्री पूर्वी/ सभासद विजय प्रजापति आदि लोग साथ रहे।

विधायक दीनानाथ भास्कर को ग्रीन गुरु जी ने भेंट किया इन्सुलिन का पौध

मीरजापुर। रविवार को विन्ध्याचल मण्डल की 27वीं मण्डलीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2025-26 के उद्घाटन के अवसर पर श्री इन्द्र बहादुर सिंह नेशनल इण्टर कॉलेज, भदोही में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे माननीय विधायक औराई, दीनानाथ भाष्कर को ग्रीन गुरु जी ने इन्सुलिन का पौध सप्रेम भेंट किया। साथ ही मण्डलीय रैली में मौजूद रहे डॉ. अजय कुमार पांडेय, अध्यक्ष प्रधानाचार्य परिषद व कोषाध्यक्ष जनपदीय क्रीड़ा समिति भदोही को बारहमासी सहजन व जनपदीय क्रीड़ा समिति भदोही, चन्द्रबली सिंह को इन्सुलिन का पौध तथा जीनिओट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन ग्रेटर नोयडा के प्रतिनिधि को लिली का पौध भेंट करने के साथ 3760 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में रैली स्थल के परिसर में लिली का पौध का रोपण किसान इण्टर कॉलेज की एथलीट शालिनी यादव के साथ व शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज पचोखरा की एथलीट अंतिमा राव के सहयोग से अनिल कुमार सिंह, ग्रीन गुरु जी, प्रधानाचार्य, शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज पचोखरा, मीरज़ापुर ने किया। प्रतियोगिता में जाने से पहले एक पौध लिली का रोपण अपने आवासीय परिसर के गमले में भी किया था। रविवार के दिन 3771 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में कैलेडियम के पौध का रोपण अपने आवासीय परिसर के गमले में करते हुए लगातार प्रति दिन पौध रोपण के क्रम को जारी रखा।

लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भदोही में विविध कार्यक्रम होंगे आयोजित

● जनपदवासी माय भारत पोर्टल पर करें रजिस्ट्रेशन, विभिन्न प्रतियोगिताओं में लें भाग – जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। भारत की एकता के शिल्पकार और प्रथम गृह मंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर भदोही जनपद में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें समारोह की रूपरेखा तय की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए देशभर में "सरदार @150" कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इन आयोजनों का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में राष्ट्र की एकता, देशभक्ति और सेवा की भावना को मजबूत करना है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि माय भारत पोर्टल पर ÷सरदार ञ150÷ से जुड़ी सभी प्रतियोगिताओं जैसे पदयात्रा (एकता मार्च), निबंध, पॉडकास्ट, क्विज़ और रील प्रतियोगिता में ऑनलाइन भागीदारी की जा सकती है। पंजीकरण 2 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है और 2 नवंबर 2025 तक चलेगा।

मुख्य कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ

पदयात्रा (एकता मार्च): सरदार पटेल की एकता की भावना के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में विभिन्न जिलों में एकता मार्च निकाला जाएगा। इसमें स्वच्छता, वृक्षारोपण, और युवा संकल्प जैसी गतिविधियाँ भी शामिल रहेंगी।

निबंध प्रतियोगिता: 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए, "विविधता में एकता" और "सरदार पटेल से सीख" जैसे विषयों पर निबंध आमंत्रित हैं।

पॉडकास्ट – 'एक था सरदार' श्रृंखलाः सरदार पटेल के जीवन और योगदान पर आधारित प्रेरणादायक ऑडियो श्रृंखला।

क्विज़ प्रतियोगिता: युवाओं में देशभक्ति, नागरिक दायित्व और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित होगी।

राष्ट्रीय रील प्रतियोगिताः युवाओं को 20-30 सेकंड की रचनात्मक वीडियो रील बनाकर राष्ट्रीय एकता और सेवा का संदेश देने का अवसर मिलेगा।

पुरस्कार एवं विशेष आयोजन– विभिन्न प्रतियोगिताओं के शीर्ष विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

रील प्रतियोगिता के शीर्ष 10 राष्ट्रीय प्रतिभागियों को समारोह में बुलाया जाएगा तथा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को डिजिटल ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

माय भारत पोर्टल – एक डिजिटल मंच– माय भारत पोर्टल पर सरदारञ150 का विशेष पेज बनाया गया है, जहाँ से सभी प्रतियोगिताओं, दिशा-निर्देशों, और पंजीकरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रतिभागी अपने अनुभव, फ़ोटो, और वीडियो भी पोर्टल पर साझा कर सकेंगे।

बैठक में उपस्थित अधिकारी

इस अवसर पर नोडल अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, डीआईओएस अंशुमान, बीएसए विकास चौधरी, उपायुक्त मनरेगा राजाराम, डीपीआरओ संजय कुमार मिश्रा, जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश त्रिपाठी, तथा केएनपीजी के प्रोफेसर विपुल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

बाल कलाकार रामकृष्ण का हुआ सम्मान

चुनार मिर्जापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा चुनार में रविवार को मेरा भारत नशा मुक्त भारत अभियान में पिछले कुछ दिनों से अपनी प्रस्तुति देने वाले बाल कलाकार रामकृष्ण का सम्मान किया गया। ज्ञात हो कि विगत दिनों बाल कलाकार रामकृष्ण द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में पर्यावरण पर गीत प्रस्तुत करने पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा रामकृष्ण को सम्मानित किया गया था। इसी क्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा चुनार में भी बाल कलाकार रामकृष्ण को सम्मानित किया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी राजेश कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी मंजरी राव, तहसीलदार इवेंद्र सिंह, इंजीनियर राजबहादुर सिंह, सभासद संगीता सिंह, पूर्व सभासद ज्योति प्रकाश सिंह, महर्षि पप्पू, मनीष, कीर्ति सागर, शाखा प्रभारी ब्रह्माकुमारी बीनू, सह प्रभारी तारा,चनतारा, दीपिका, ब्रह्मकुमार पंकज,जगदीश आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ प्रियंका सिंह ने किया।

उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकार ने सीखड़ गंगा घाट, का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ संवाद, छठ पूजा को दृष्टिगत रखते हुए दोपहर लगभग 1 बजे उप जिलाधिकारी चुनार राजेश कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी चुनार मंजरी राव सीखड़ गंगा घाट पर पहुंचकर सुरक्षा का जायजा लिया। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी चुनार विजय शंकर सिंह को सीखड़ गंगा घाट पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम करने का निर्देश दिया। साथ ही गंगा जी में लगाए गए बैरिकेडिंग का निरीक्षण करते हुए कहा कि चुनार घाट पर एसडी आरएफ की टीम उपलब्ध रहेगी, उन्होंने स्वयं सेवकों से कहा कि जरूरत पड़ने पर तत्काल इसकी सूचना उपजिलाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं।आगे स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सीखड़ विकास खण्ड के मेडियां और आराजी लाइन गंगा घाट पर पहुंचकर छठ पूजा को देखते हुए सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित ब्लाक अधिकारियों को पूजा वाले गंगा घाटों पर डस्टबिन लगवाने व पंचायत के सहयोग से घाटों पर प्रकाश व साउंड की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। सीखड़ गंगा घाट पर दोपहर करीब दो बजे स्वच्छ भारत मिशन के जिला कोआर्डिनेटर विनोद कुमार श्रीवास्तव भी पहुंचे और फिर वहीं से संबंधित पंचायत सचिव को फोन लगाया, फोन रिसीव नहीं हुआ तो ग्राम प्रधान से बात कर सीखड़ गंगा घाट पर साउंड व डस्टबिन लगवाने का निर्देश दिया।वहीं सीखड़ ब्लाक पर तैनात एडीओ पंचायत अरूण कुमार मिश्रा शासन के निर्देशों का अनुपालन न करते हुए क्षेत्र में कहीं दिखाई नहीं दिए जबकि डीपीआरओ व कोआर्डिनेटर दिन भर क्षेत्र में घूमकर पूजा स्थलों का निरीक्षण करते रहे। एडीओ पंचायत सीखड़ अरूण कुमार मिश्रा को क्षेत्र में कहीं न पाकर उच्च अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की। यहां संबंधित सचिवों को निर्देश दिया गया कि वह पूजा स्थलों पर डस्टबिन व प्रकाश साउंड की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उक्त अवसर पर कौशल पति त्रिपाठी टुनटुन,पूर्व प्रधान राजेश कुमार सिंह गज्जर, अंकित दुबे, जेपी सिंह, अंकूर दुबे, दीपक दुबे सहित सैकड़ों कार सेवक उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण, एंटीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा के क्रम में नारी सुरक्षा एंव स्वालंबन के लिए चलाया गया जागरुकता अभियान

● महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

जनपद भदोही में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "मिशन शक्ति फेज-5.0" के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवालजनपद भदोही के पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गठित मिशन शक्ति टीमों व एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा बाजारों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिला अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों/कस्बों/स्कूलों/कॉलेजों/मंदिरों में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे- 1090, 112, 1076, 1098, 108की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

भदोही के खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी! इन दो ब्लॉकों में पांच-पांच करोड़ की लागत से बनेंगे मिनी स्टेडियम

भदोही। जिले के भदोही व सुरियावां ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेलों की प्रैक्टिस करने के लिए सुसज्जित खेल मैदान को लेकर परेशान नहीं होना पड़ेगा। दोनों ब्लाकों में पांच-पांच करोड़ रुपये की लागत से एक-एक खेल मैदान (मिनी स्टेडियम) का निर्माण कराया जाएगा। शासन की मांग पर युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत बनने वाले खेल मैदान के लिए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव निदेशालय को भेज दिया गया है। शासन से बजट स्वीकृत होते ही स्टेडियम का निर्माण शुरू कराया जाएगा। खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने को लेकर शासन स्तर से तरह-तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों की प्रैक्टिस के लिए मैदान से लेकर सुविधा संसाधनों के लिए परेशान न होना पड़े, प्रत्येक ब्लाकों में सुविधाएं से सुसज्जित खेल मैदान की योजना तैयार की गई है। जिले के डीघ ब्लाक के चकमांधाता गांव में ग्रामीण मिनी स्टेडियम का निर्माण हो चुका है। इसी तरह अन्य ब्लाकों में भी मैदान निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। युवा कल्याण निदेशालय की ओर से भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर प्रस्ताव की मांग की गई था। निदेशालय की मांग पर भदोही ब्लाक के दत्तीपुर व सुरियावां ब्लाक के बहरैची गांव में तीन-तीन एकड़ भूमि चिह्नित कर लिया गया है। जिलाधिकारी के स्तर से निदेशालय को प्रस्ताव भी प्रेषित किया जा चुका है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का किया गया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह् 2.00 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वारा उपकेन्द्र उचेठा का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में आया है कि आरूशी देवी सी0एच0ओ0 एच0डब्लू0सी0 पर नही आती है और न ही मुख्यालय पर निवास कर ड्यूटी सम्पादित करती है । एच0डब्लू0सी0 पर सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नही पायी गयी ऐसा प्रतीत हो रहा था कि कई महीनो से सफाई नही किया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्रीमती आरूशी देवी सी0एच0ओ0 के द्वारा कार्य में लापरवाही होने के कारण उनका माह अक्टुबर, 2025 का 07 दिवस का वेतन अग्रिम आदेशो तक बाधित किया जाता है।

उपकेन्द्र, अवसानपुर - आज दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह् 2.30 बजे उपकेन्द्र अवसानपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उपकेन्द्र पर श्रीमती बबिता देवी, ए0एन0एम0 मुख्यालय पर निवास कर ड्यूटी संम्पादित नही करती है। उपकेन्द पर सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नही पायी गयी। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जब तक ए0 एन0एम0 द्वारा मुख्यालय पर निवास बनाकर प्रसव का कार्य नही किया जाता है तब तक उनका माह अक्टुबर, 2025 का 07 दिवस का वेतन अग्रिम आदेशो तक बाधित रहेगा।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला, प्रा0 स्वा0 केन्द्र, ममहर- आज दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह् 2.50 बजे प्रा0 स्वा0 केन्द्र ममहर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित मिले। स्टॉक बुक कर निरीक्षण किया गया स्वास्थ्य केन्द्र पर 145 दवायें उपलब्ध है। फार्मासिस्ट द्वार एक्सपायरी दवाओं का रजिस्टर बनाया गया था। कन्डोम बाक्स में कन्डोम नही पाया गया जिसे तत्काल कन्डोम बाक्स में कन्डोम रखने के लिये निर्देशित किया गया। स्वास्थ्य केन्द्र की सफाई सन्तोषजनक नही थी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि स्वास्थ्य केन्द्र की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला, प्रा0 स्वा0 केन्द्र गिर्दबडगांव- आज दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह् 3.10 बजे प्रा0 स्वा0 केन्द्र गिर्दबडगांव का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित पाये गये। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का रोस्टर नही बना था जिसे तत्काल बनवाने के निर्देश दिया गया। स्टॉक बुक का अवलोकन किया गया जिसमें स्वास्थ्य केन्द्र पर कुल 83 दवाये उपलब्ध थी। डा0 अरूण कुमार सिंह आयुष चिकित्साधिकारी द्वारा कुल 86 मरीज देखा गया था और प्रा0स्वा0केन्द्र पर 189 मरीजो का उपचार किया गया। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि आशा, आशा संगिनी, आंगनवाडी एवं सी0पी0 स्टाफ नर्स से सभी संचालित पोर्टल को शत-प्रतिशत अपडेट ससमय करना सुनिश्चित करे।

जौनपुर जनपद पहुंची पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा

● हमारा उद्देश्य सिर्फ साइकिल चलाना नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश फैलाना है- अताउल अंसारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज – पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में अग्रणी भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को निकली साइकिल यात्रा ने इतिहास रच दिया। गोपीगंज बड़ा चौराहा से शुरू हुई यह यात्रा जौनपुर जनपद के कोदैला ग्राम सभा तक गई। क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया। साइकिल यात्रा गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से आरंभ होकर इब्राहिमपुर, ज्ञानपुर, देवनाथपुर, नेशनल तिराहा, अज़ीमुल्ला चौराहा, मर्यादपट्टी, पिपरी, दुर्जनपुर, याकूबपुर होते हुए जौनपुर जनपद में प्रवेश करके कोदैला ग्राम सभा पहुंची। वहां पहुँचने पर कोदैला के प्रधान प्रतिनिधि बृजराज बीके सिंह, समाजसेवी घनश्याम दुबे और महेंद्र सिंह बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहें और सभी साइकिल चालकों का फुल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। प्रधान प्रतिनिधि ने कहा कि गांव के लोग भी आधुनिक सुविधाओं के आदी होते जा रहे हैं। योग व्यायाम खेलकूद से दूरी बीमारी को पास बुला रही है। सभी को सुबह उठकर योग व्यायाम के साथ आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करना चाहिए। इससे हमारा शरीर भी स्वस्थ रहेगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। भदोही साइकिलिंग क्लब का यह अभियान बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय है। हमलोग भी कोशिश करेंगे की इस तरह के कार्यक्रम अपने जनपद में भी किया जाए जिससे सभी योग, व्यायाम, साइकिल चलाना, पैदल टहलना, खेलकूद आदि को लेकर प्रेरित हो और हमारा समाज स्वस्थ रहे।

बृजराज बीके सिंह, समाजसेवी घनश्याम दुबे और महेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और साथ ही साथ साइकिल लेकर यात्रा में शामिल हुए। साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर कोदैला, आशापुर, फेरुपुर, कटौना, दुबेपुर, खेमापुर के आस पास का भ्रमण करते हुए *वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे उत्तर प्रदेश को स्वस्थ्य बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम* का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए समाजसेवी घनश्याम दुबे के आवास पर इसका समापन हुआ। बताते चले की पुरेगुलाब गोपीगंज निवासी अताउल अंसारी की अध्यक्षता में लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक रविवार को 2021 से साइकिल यात्रा निकाली जा रही है। इस क्रम में पूर्व में ये साइकिल यात्रा नेपाल, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं और अब इनके इस मुहिम में जिले के कई चिकित्सक, अधिकारी, अधिवक्ता, अध्यापक, युवा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होकर स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता के लिए प्रत्येक रविवार को साइकिल यात्रा में सम्मिलित हो रहे है। वही अताउल अंसारी के इस पहल की लोगों मे खूब सराहना हो रही है।

साइकिल यात्रा में अजीत सिंह, डॉ रत्नेश दुबे, राजेश दुबे, ऋषिराज दुबे, प्रवीण श्रीवास्तव, रियाज अहमद राजा, सरफराज अहमद, अनिल दुबे, समरजीत दुबे, मनोज दुबे, विक्कू दुबे, भोला दुबे, राजेश प्रजापति, अवधेश गौतम, उमेश गौतम, राजेश सिंह, राकेश सिंह, सुरेश सिंह, रंग बहादुर सिंह, प्रमोद मौर्या, महमूद आलम, अब्दुल कय्यूम, तनवीर अंसारी, जगदीश यादव, मोहम्मद इमरान, कमलेश कश्यप, मैनू अली, मोहम्मद इम्तियाज,सभाजीत यादव, रामविलास यादव, कड़ेदिन यादव, हरिश्चंद्र यादव, लल्लन यादव, आशीष यादव, गोरख दुबे, नरेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, जोगेंद्र गौतम, महेंद्र गौतम समेत आदि रहे।

आदर्श ब्राह्मण मंच की मासिक बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर आदर्श ब्राह्मण मंच मिर्जापुर उत्तर प्रदेश की मासिक बैठक रविवार को प्रख्यात कथा वाचक राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत विद्वान शिक्षक पंडित ब्रह्मानंद शुक्ल की अध्यक्षता में अनुपम बाल निकेतन गंगेश्वर नाथ चुनार में आहुत हुई। बैठक का शुभारंभ भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा वैदिक मंत्र के साथ प्रारंभ हुई। उपस्थित ब्राह्मण बंधुओ ने मंच के विस्तार के साथ ब्राह्मण हित एवं उनकी सुरक्षा हेतु किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी और संवेदनशील बनाने हेतु अपने-अपने विचार रखें। बैठक में अरविंद त्रिपाठी के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया कि आगामी होली के अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन मंच की ओर से किया जाएगा तदोपरांत आगे परशुराम जयंती मनाया जाएगा। इन कार्यक्रमों हेतु तैयारी बैठक अगले रविवार को चुनार नगर के रामलीला स्थल पर निश्चित किया गया। लक्ष्मी शंकर पांडे के प्रस्ताव पर विचार किया गया कि अगली बैठकों में यथासंभव जो भी ब्राह्मण बंधु उपस्थित होंगे वे धोती कुर्ता तिलक के साथ पूरी तरीके से विप्र वेशभूशा में अपनी सहभागिता करेंगे हालांकि जिनके लिए संभव नहीं होगा उनके लिए अनिवार्यता नहीं होगी। मंच की अगली बैठक जमालपुर तथा मझवां विकासखंड में करने की चर्चा हुई। प्रदीप शुक्ला और मुन्ना चौबे के संयुक्त प्रस्ताव के क्रम में पंडित दीपक उपाध्याय जिलाअध्यक्ष, उत्कर्ष मिश्रा उपाध्यक्ष,स्नेह प्रताप द्विवेदी कोषाध्यक्ष तथा जयप्रकाश उपाध्याय मंत्री पद के लिए उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से मनोनीत किए गए। बैठक में विद्या भूषण पांडे ,अनिल मिश्रा, आशीष तिवारी, आचार्य रोहित कुमार उपाध्याय, दिनेश कुमार अवस्थी, शिवाकांत पाठक, अरविंद कुमार त्रिपाठी रूपेश पांडे, गौरीनाथ दीक्षित अखिलेश पांडे, सुनील मिश्रा, धीरेंद्र दुबे ,विजय शंकर मिश्रा श्री द्विवेदी रंजन, विभु शुक्ला, गुड़ा नंदन पांडे , जनार्दन त्रिपाठी, पंकज तिवारी सहित दर्जनों ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।अध्यक्षीय संबोधन में शुक्ल द्वारा उपस्थित ब्राह्मण बांधों के बीच एक नई ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि इस कार्य के लिए 10 वर्षो से हमारी हार्दिक इच्छा बनी हुई थी किंतु आज यह आयोजन उसे पूरी तरीके से मूर्त रूप दे रहा है। मैं पूरी तरीके से ब्राह्मण एकता एवं उनके उत्थान जैसे विषयों पर मंच के साथ खड़ा रहूंगा। बैठक का संयोजन श्रवण कुमार अवस्थी तथा संचालन पंडित राजेश मिश्रा के द्वारा किया गया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुधारने में दिन रात एक कर दिया-वाणी वर्मा

● 15 सुपरवाइजर व 9 सीडीपीओ मिलने से बाल विकास के कार्यो में आयी मजबूती

सीटी ग्रामीण के छह केन्द्रों पर डीपीओ ने किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। बाल विकास विभाग में शासन स्तर से काफी समय से खाली चल रहे सीडीपीओ व सुपरवाइजर की तैनाती से विभाग के कार्यो में तेजी आयी है और इनके माध्यम से केन्द्रों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा के मेहनत का ही नतीजा है कि जिले के सभी केन्द्रों पर शत प्रतिशत राशन का वितरण किया जा रहा है और केन्द्रों पर गरीब तबके के बच्चो की केन्द्रों पर पढ़ने के लिए संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुयी है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि पिछले दिनों सीटी ग्रामीण के छह केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जिसमें पीपराडाड तृतीय में आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका दोनो ही अनुपस्थित पायी गयी और गांव के लोगो द्वारा बताया गया कि हांट कुक्ड फूड भी नही बनाया जा रहा है। कार्यकत्री द्वारा नियमित रूप से केन्द्र का संचालन नही किया जा रहा है। इसके अलावा नुमांव केन्द्र पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घरसे केन्द्र का संचालन करते हुए पाया गया और आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनुपस्थित मिली। आंगनबाड़ी केन्द्र विजयुर द्वितीय में निरीक्षण के द्वारा केन्द्र बन्द पाया गया । गांव वालों से पता चला कि ग्राम सभा में कार्यकत्री नही रहती है। आंगनबाड़ी केन्द्र विजयपुर प्रथम में केन्द्र आंगनबाड़ी केन्द्र कार्यकर्त्री के घर से संचालित मिला। इसके साथ ही सहायिका बिना डेस के 8 बच्चों के साथ मिली। इस केन्द्र पर भी हांट कुक्ड फूड नही बनाया जा रहा है। पीपराडांड चतुर्थ में कार्यकर्त्री 20 बच्चों के साथ मिली व सहायिका हफते एक दिन ही आती है। पीपराडांड प्रथम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रही । इसके अलावा आंगनबाड़ी धौरूपुर में भी कार्यकत्री द्वारा घर से केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। इनसभी निरीक्षण करने के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा ने सीडीपीओ सीटी ग्रामीण को सभी केन्द्रों पर तैनात आंगनबाड़ी व सहायिका को नोटिस देकर कार्यवाही के लिए निर्देशत किया।

संक्षिप्त खबरें

न्यायालय आदेश की धज्जियां उड़ाई - दबंगों ने पत्रकार का हरा पेड़ काटा

पुलिस मौन! सोराव थाना क्षेत्र में पत्रकार की गुहार बेअसर, न्याय की उम्मीद पर सवाल।

ब्यूरो प्रयागराज। रविवार को सोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम मुरादपुर उर्फ खिदिरपुर में दबंगई का आलम उस वक्त देखने को मिला जब न्यायालय दीवानी स्थगन आदेश के बावजूद दबंग विपक्षी संतोष कुमार ने दैनिक भास्कर के पत्रकार शिवकुमार पटेल के घर के सामने खड़ा हरा पेड़ कटवा दिया। बताया गया कि उक्त भूमि पर न्यायालय द्वारा स्पष्ट रूप से स्थगन आदेश जारी किया गया था, इसके बावजूद विपक्षी पक्ष ने कानून की खुलेआम अवहेलना करते हुए अपने लोगों के माध्यम से पेड़ को कटवा दिया। ग्रामीणों के अनुसार पेड़ को कटवाते समय पत्रकार ने मौके पर जाकर विरोध किया लेकिन दबंगों ने किसी की एक न सुनी और धमकी तक दे डाली। पत्रकार ने तत्काल सोरांव थाने के इंस्पेक्टर से बातचीत की लेकिन इंस्पेक्टर ने सिर्फ कार्रवाई का भरोसा देकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। इसके बाद पीड़ित पत्रकार ने थाना में लिखित प्रार्थनापत्र भी दिया, बावजूद इसके बाद भी पुलिस प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब एक पत्रकार की बात नहीं सुनी जा रही है तो आम जनता की क्या सुनवाई होगी। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है और लोगों ने कहा कि न्यायालय के आदेश अगर इस तरह खुलेआम तोड़े जा रहे हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी है तो यह कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। पीड़ित पत्रकार ने उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति न्यायालय आदेश की अवहेलना करने की हिम्मत न जुटा सके।

शंकरगढ़ बाजार में कब्जे का साम्राज्य — सड़कें बनी दुकानों का हिस्सा, प्रशासन बना मौन दर्शक

शंकरगढ, प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के शंकरगढ़ का सदर बाजार अब बाजार कम, अराजकता का अड्डा बन चुका है। कहीं ठेला खड़ा है, कहीं गुमटी टिकी है, कहीं दुकानों के आगे तक बढ़े बोर्ड और छज्जे सड़क निगल चुके हैं। सड़कें अब सड़कें नहीं रहीं दुकानों का हिस्सा बन चुकी हैं। चारों ओर कब्जे का आलम है और प्रशासन चुपचाप तमाशा देख रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बाजार में जाम इतना भयंकर हो चुका है कि पैदल चलना तक दूभर हो गया है। दिनभर ठेले बीच सड़क पर खड़े रहते हैं। दोपहिया वाहन रेंगते हुए निकलते हैं और चारपहिया तो मानो कदम-कदम पर अटकते हैं। शाम के वक्त हालात सबसे भयावह हो जाते हैं। किसी को अस्पताल ले जाना हो तो पहले एक घंटा इस जाम में फंसना तय है। एम्बुलेंस की सायरन बजती रह जाती है, लेकिन रास्ता नहीं बनता।ग्रामीणों ने सवाल उठाया आखिर प्रशासन की आंखों पर पट्टी क्यों बंधी है? क्या बाजार में हो रहे इस अतिक्रमण से थाने और नगर पंचायत को कुछ दिखाई नहीं देता? थाने के पास से रोजाना यही रास्ता गुजरता है, फिर भी कार्रवाई न होना खुद में बड़ा सवाल है। व्यापार मंडल ने कहा कि बार-बार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद कार्रवाई सिर्फ दिखावे की होती है। फोटो खिंच जाती है, टीम लौट जाती है और अगले दिन वही कब्जा वापस खड़ा मिलता है। मंडल का कहना है कि प्रशासन की मिलीभगत और ढिलाई ने अतिक्रमण करने वालों को कानून से ऊपर बना दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि अब यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि सात दिन के भीतर ठेले, गुमटियां और कब्जे नहीं हटाए गए तो डीएम, एसएसपी और एसडीएम कार्यालय के सामने व्यापक आंदोलन और बाजार बंद का ऐलान किया जाएगा। लोगों का कहना है कि दुकानदारों ने सड़क को अपनी निजी संपत्ति मान लिया है। नालों पर स्थायी निर्माण, बीच रास्ते में गाड़े गए बोर्ड और सड़क के बीच खड़े ठेले अब आम बात बन गए हैं। कोई देखने-सुनने वाला नहीं है।ग्रामीणों ने सवाल किया क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? अगर जाम में फंसी किसी एम्बुलेंस में किसी की जान चली जाए तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? व्यापार मंडल और ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अब समय निकल गया है। ÷या तो कब्जा हटाइए,या जनता खुद हटाएगी।÷ कहा गया कि सड़क जनता की है, दुकानों की नहीं। अब जाम नहीं,जनता का अधिकार चाहिए। शंकरगढ़ बाजार में ठेलों और गुमटियों का कब्जा ग्रामीणों का फूटा गुस्सा,कहा सड़क जनता की है, दुकानों की नहीं; सात दिन में कार्रवाई नहीं तो होगा बाजार बंद आंदोलन।

थाना पूरामुफ्ती में नितिन सोनी की हत्या से क्षेत्र में मचा कोहराम हरकत मे आई पुलिस ने 2 अपराधियों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज के थाना पूरामुक्ति के अंतर्गत बीते दिनों हुए दो पक्षों के विवाद में नितिन सोनी की की उम्र लगभग (25) वर्ष की लाठी डंडों लोहे कि राड से पीट पीट कर हत्या कर दी गयी हत्या 1 साल पहले सुषमा नमक लड़की से मृतक कि हुई थी शादी यह घटना दिनाक 21 अक्टूबर 2025 लगभग शाम 5 बजे की है जहा मोहल्ले मे आपसी विवाद के चलते हत्या हुई (1) पप्पू पासी पुत्र स्वः भोला पासी (2) बोचा पासी पुत्र स्वः भोला पासी नामक व्यक्तियों ने घटना को अंजाम दिया सूचना के मुताबिक दो व्यक्ति सामने से लगातार मारते रहे वही कुछ अज्ञात लोग मार पीट के मौके से फरार हो गये बताते चले कि मामला प्रयागराज के थाना पुरमुफ़्ती अंतर्गत पुरमुफ़्ती क्षेत्र का है जहा दो पक्षो के विवाद मे नितिन सोनी नामक व्यक्ति को लाठी डंडो व लोहे कि राड से पीट पीट कर लहूलुहान कर दिया गया था जिसके बाद परिजनों ने नितिन सोनी को प्रयागराज स्तिथ स्वरुप रानी अस्पताल मे भारती कराया था जहा 2 दिन इलाज के पश्चात उसकी मृत्यु हो गयी जिसके बाद बॉडी को घर लाया गया 4 घंटे तक शव घर के बाहर रखा रहा परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

था मीडिया को सूचना मिलते ही मीडिया कर्मियों ने पुरमुफ़्ती इंस्पेक्टर को अवगत कराया जिसके बाद पुरामुफ़्ती इंसपेक्टर अपनी पूरी टीम साहित मौके पर पहुंच पंचनामा कर बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए मरचरी भेज दिया। पोस्टमार्टम होने के बाद जब नितिन सोनी की डेड बॉडी को लेकर परिजन गाँव पुरामुक्ति लौट रहें थे तभी पुलिस वालों ने डेड बॉडी को रास्ते में रोकने की कोशिश किया परन्तु प्रयागराज डी सी पी मनीष कुमार सान्डिल्या के नेतृत्व में पीड़ित परिवार को अस्वासन दिया गया कि आप कोई धरना प्रदर्शन रोड जाम या किसी तरह का कोई उपद्रव नहीं करेंगे आपके हित मे न्याय होगा और किसी तरीके से पीड़ित परिवार को परेशान नहीं किया जायगा जो सत्य है उसकी आई ए एस पी सी एस द्वारा निक्ष्पक्ष जांच करवाई जायगी ये बाते मृतक के फूफा पत्रकार सोमराज स्वर्णकार से और अधिकारियों के बीच हुई जिसमे डीसीपी प्रयागराज ने पुलिस को कंट्रोल में रखते हुये पुलिस कि सुरक्षा में इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह सब इंस्पेक्टर राहुल सिंह के द्वारा शव को सुरक्षित फतेहपुर घाट पर पहुंचाया गया जहा फतेहपुर गंगा घाट में मृतक के परिवार वालों ने नितिन सोनी का दाह संस्कार किया। स्वतंत्र प्रभात के संवाददाता सोमराज वर्मा के भाई के सगे साला के पुत्र की हत्या से जुड़े मामला होने के कारण पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए आश्वासन दिया है शीघ्र ही सभी अपराधी पुलिस के शिकंजे में होगे। वही घाट पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे साथ ही प्रयागराज डी सी पी मनीष कुमार सान्डिल्या ने पीड़ित परिवार को अस्वासन दिया कि जल्द ही मामले की जाँच करते हुये दोषियो के ऊपर सख्त कार्यवाही कि जायेगी !

जब सत्ता अपराधियों को बचाती है तो न्याय की उम्मीद कौन करे, महाराष्ट्र लेडी डॉक्टर सुसाइड पर बोले राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक महिला सरकारी डॉक्टर की कथित आत्महत्या को 'संस्थागत हत्या' करार दिया और कहा कि उनकी मौत भाजपा नीत सरकार की 'अमानवीय और असंवेदनशील' प्रकृति को उजागर करती है। मध्य महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के बीड जिले के निवासी और सतारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में तैनात डॉक्टर गुरुवार रात फलटण कस्बे के एक होटल के कमरे में फंदे से लटकी मिली थीं.अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में उसने आरोप लगाया कि पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से परेशान किया। गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न का सामना करने के बाद डॉक्टर की आत्महत्या एक त्रासदी है जो किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देती है. लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि एक होनहार डॉक्टर बेटी, जो दूसरों का दर्द मिटाने की आकांक्षा रखती थी, भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों की प्रताड़ना का शिकार बन गई। गांधी ने कहा, "जिन लोगों पर जनता को अपराधियों से बचाने की ज़िम्मेदारी थी, उन्होंने इस निर्दोष महिला के साथ सबसे जघन्य अपराध किया: बलात्कार और शोषण. रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर भ्रष्टाचार के लिए दबाव डालने की भी कोशिश की."पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "यह सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का सबसे घृणित उदाहरण है. यह आत्महत्या नहीं है - यह संस्थागत हत्या है।" उन्होंने कहा कि जब सत्ता अपराधियों को बचाती है तो न्याय की उम्मीद कौन कर सकता है. उन्होंने कहा कि डॉक्टर की मौत भाजपा सरकार की "अमानवीय और असंवेदनशील" प्रकृति को उजागर करती है. गांधी ने कहा, "हम न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं. भारत की हर बेटी के लिए - अब और डर नहीं, हमें न्याय चाहिए।" अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने डॉक्टर की कथित आत्महत्या के सिलसिले में उपनिरीक्षक

गोपाल बदाने को गिरफ्तार कर लिया है.जिला पुलिस अधीक्षक तुषार दोशी ने बताया कि बदाने ने शनिवार शाम सतारा के फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।इससे पहले, शनिवार सुबह फलटण पुलिस की एक टीम ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर बांकर को पुणे से गिरफ्तार किया था, जिसका नाम डॉक्टर ने अपने सुसाइड नोट में बदाने के साथ लिखा था. पीड़िता को मानसिक रूप से परेशान करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी बांकर को शनिवार को सतारा जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

छठ के लिए दिल्ली में यमुना के झाग छिपाने की सरकारी कोशिश, इंसान और नदी दोनों की सेहत से खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। छठ पूजा जैसे महा पर्व पर हर साल यमुना नदी की सतह पर दिखने वाले सफेद झाग के कारणों का निदान करने के बजाए एक नए केमिकल (रसायन) से उसे छुपाने की कोशिश की जा रही है। इससे भले ही पर्व मनाने आने वालों को नदी के साफ होने का एहसास हो, लेकिन हकीकत यह है कि इससे नदी की सफाई होना तो दूर, उसका संकट और गहराएगा। समझना होगा कि त्वरित समाधान के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल्स (रसायनों) का छिड़काव एक खतरनाक कदम है। यह सिर्फ एक सतही उपाय है जो समस्या की जड़ को अनदेखा करता है। साथ ही इसके दूरगामी दुष्परिणाम लोगों के स्वास्थ्य और नदी के पर्यावरण तंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। पहले यह समझना होगा कि यमुना में दिखने वाले झाग क्या हैं? दरअसल यह मुख्य रूप से पानी में फॉस्फेट और सर्फेक्टेंट (डिटर्जेंट) की अत्यधिक मात्रा मिलने के कारण बनते हैं। और, इसके पीछे इनका स्त्रोत अनुपचारित यानी बिना ट्रीटमेंट का या आधा-अधूरा ट्रीटमेंट किया हुआ इंडस्ट्रियल वेस्ट यानी फैक्टरियों-कारखानों से निकलने वाला पानी और सीवेज है जो दिल्ली के 22 किलोमीटर के दायरे में नदी में सीधे छोड़ा जाता है। एक अनुमान के मुताबिक छठ के मौके पर कोई पचास लाख लोग दिल्ली में यमुना के घाटों पर छठ पर्व के लिए करीब 36 घंटे रहते हैं। ऐसे में नदी को झाग-मुक्त दिखाने के लिए 'सिलिकॉन डिफोमर' जैसे केमिकल्स (रसायनों) का छिड़काव किया जा रहा है। यह एक ऐसा कदम है जो तात्कालिक राजनीतिक और सामाजिक दबाव से निपटने के लिए उठाया जाता है, लेकिन यह नदी को 'साफ' करने की बजाय, एक नए प्रकार के प्रदूषण को जन्म देता है। यमुना के झाग खत्म करने या उसे झाग मुक्त करने के लिए सिलिकॉन, पॉली ऑक्सी प्रॉफिलीन जैसे केमिकल्स (रसायनों) को पानी की सतह पर डाला जा रहा है। इससे झाग वहीं बैठ जाता है। इससे अस्थायी तौर पर तो झाग खत्म हो रहा है, लेकिन नदी के भीतर मौजूद अमोनिया, फॉस्फेट, औद्योगिक और सीवेज जैसे प्रदूषक समाप्त नहीं होते। नदी में लगातार रसायन घोलने से पानी की जैव विविधता और जल जीवों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय है। इन रसायनों के संपर्क में आने वाले इंसान को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी एलर्जी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। यदि पानी में एंटी फॉग रसायन (जैसे पी एफ ए एस और सर्फेक्टेंट) मौजूद हों, तो उसमें नहाने से व्यक्ति को सीमित लेकिन वास्तविक हानिकारक प्रभाव हो सकता है, जो रसायन की सांद्रता यानी केमिकल की इंटेंसिटी और त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है। प्रदूषित पानी में नहाने से, और पूजा के

दौरान आचमन (पानी पीना) करते हैं, तो हानिकारक रसायन शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इससे उल्टी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं और लंबे समय तक रहने वाले कैंसर जैसे स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। नदी के पानी में पहले से मौजूद सीसा और आर्सेनिक जैसी भारी धातुओं का स्तर पहले ही चिंताजनक है। मजबूत इच्छा शक्ति ना होने का ही नतीजा है कि बेशुमार पैसा और योजनाओं के बावजूद यमुना आईसीयू से बाहर नहीं आ पा रही। यमुना की सफाई के लिए 1993 में शुरू हुए यमुना एक्शन प्लान के तहत अब तक लगभग 8,000 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। 2017 से 2021 के बीच दिल्ली सरकार ने यमुना पर 6500 करोड़ रुपये खर्च किए। दिल्ली में 37 एसटीपी यानी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन ये यमुना को साफ करने में नाकाम साबित हुए हैं। महज दिखावे के लिए रसायनों के माध्यम से गंदगी को छिपाना इंसान और नदी दोनों के साथ धोखा है।

खुझी-खीरी घाटों पर बालू माफियाओं का साम्राज्य

● टोंस नदी का सीना चीर कर अवैध खनन का खेलः एसीपी से कार्रवाई की उम्मीद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज यमुनापार। कौंधियारा थाना क्षेत्र खुझी घाट और खीरी थाना क्षेत्र कचरा चौकी के आसपास के घाट अब बालू माफियाओं का अवैध खनन का सुरक्षित अड्डा बन गया हैं। स्थानीय निवासियों और समाजसेवियों तथा बीकेयू आज़ाद हिन्द संगठन के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष व प्रभारी प्रयागराज बालेन्द्र कुमार बलराम एवं युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रयागराज प्रतीक सिंह कोयल का कहना है कि यह कोई नया खेल नहीं, बल्कि कई सालों से चलता आ रहा संगठित कारोबार है। नदी के बीचों-बीच सीने छिन्न-भिन्न कर माफियाओं ने बालू का अवैध कारोबार खड़ा कर लिया है। और शासन प्रशासन अभी तक इसे रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। स्थानीय सूत्रों और ग्रामीणों का कहना है कि घाटों पर बड़े पैमाने पर नावों के जरिए बालू निकालते हैं और ट्रकों , ट्रैक्टरों के जरिए घाटों को खाली कर देते हैं। खीरी थाना क्षेत्र में खरका, कोटर, हरवारी, पिपरहता, ककराही, पिपराव और धधुआ घाट लगातार अवैध बालू खनन के केंद्र बने हुए हैं। सूत्रों का दावा है कि हर साल इन घाटों से करोड़ों की निकासी होती है, और मीडिया द्वारा खबरें प्रकाशित होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीयों का आरोप है कि खनन इंस्पेक्टर प्रयागराज तथा सम्बंधित थानों की भूमिका इस अवैध खनन में संदिग्ध और संरक्षणयुक्त है। उनका कहना है कि अगर निरीक्षक सक्रिय होते तो घाटों पर यह खेल महीनों नहीं चल रहा होता । अब स्थानीयों का विश्वास शासन प्रशासन के ऊपर से ढहता नजर आ रहा है। घाटों का दृश्य ऐसा है कि नदी के बीच बालू से लदी नावों की

सर सराहट और ट्रकों ट्रैक्टरों की कतारें बताते हैं कि यह अवैध कारोबार कितनी व्यापक पैमाने पर चल रहा है। स्थानीय जनसाधारण, समाजसेवियों तथा बीकेयू आज़ाद हिन्द संगठन का कहना है कि अब समय है कार्रवाई का। वे एसीपी अब्दुल सलाम से सीधे उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार घाटों पर तुरंत छापेमारी और घाटों को बंद करायें। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो संघर्ष और तेज़ होगा और स्थानीय गुस्से का विस्फोट होना तय है।

सेहुंडा रामलीला में मुनि विश्वामित्र ने राक्षसों का खौफनाक संहार कर दिखाया अद्भुत वीरता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बारा, प्रयागराज। बारा तहसील अंतर्गत ग्राम सभा सेहुंडा में चल रही रामलीला का चौथा दिन इतिहास में दर्ज होने जैसा रोमांच लेकर आया। मंच पर मुनि विश्वामित्र का अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ के दरबार में भव्य आगमन और राक्षसी ताड़का का वध करने की लीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।लीला में दिखाया गया कि लंकापति रावण के कहने पर राक्षस सुबाहु और मारीच मुनियों द्वारा किए जा रहे यज्ञ और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में विघ्न डालने के लिए आए। यज्ञ की रक्षा के लिए ऋषि विश्वामित्र ने राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण को बुलाने की मांग की। पहले असमर्थ रहे दशरथ को ऋषि वशिष्ठ ने समझाया और अंततः उन्होंने राम और लक्ष्मण को भेज दिया। राम और लक्ष्मण ने वीरता और पराक्रम का परिचय देते हुए ताड़का का वध किया। मारीच और सुबाहु आगबबूला हो गए और उनके बीच भयंकर युद्ध हुआ। युद्ध में भगवान श्री राम ने सुबाहु का वध किया और मारीच को सौ योजन दूर फेंक दिया।रामलीला में हास्य कलाकार कैलाश

लहरी और लल्ला यादव ने दर्शकों को खूब हंसाया, वहीं व्यास का किरदार निभा रहे मोहन लाल यादव ने अपनी सजीव प्रस्तुति से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। दर्शक इस भव्य और रोमांचक मंचन को देखकर तालियों की गड़गड़ाहट से भरी भावनाओं में खो गए।

वर्तमान सरकार को पसंद नहीं कि जनता उस पर निगरानी रखेः जस्टिस एपी शाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजस्थान के ब्यावर में सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून लागू होने के 20 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित आरटीआई मेला और सम्मेलन में दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एपी शाह ने कहा कि आरटीआई कानून आम नागरिकों को सबसे शक्तिशाली उपकरण देता है, जो भ्रष्टाचार और सरकारी जवाबदेही की कमी के खिलाफ उन्हें आवाज़ उठाने का अधिकार प्रदान करता है। शाह ने अपने संबोधन में बताया कि इस कानून का जन्म ज़मीन से संघर्षों और सामाजिक आंदोलनों की बदौलत हुआ, न कि किसी राजनेता की इच्छा से । आम जीवन में आरटीआई की महत्ता को समझाते हुए जस्टिस शाह ने कहा, 'आरटीआई का क़ानून कहता है कि सरकार की सूचना पर आपका हक़ है. जिस तरह अपने खेत और घर पर आपका अधिकार है उसी तरह आपको यह जानने का भी अधिकार है कि आपके गांव या ज़िले में सरकार पैसा कहां ख़र्च करती है, स्कूल के शिक्षक कैसे नियुक्त होते हैं, और यह भी कि आपको आपका राशन कार्ड क्यों नहीं मिला।' सम्मेलन में शाह ने खास तौर पर अरुणा रॉय, निखिल डे, शंकर सिंह और मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) का धन्यवाद करते हुए कहा कि इनके प्रयासों और संघर्षों ने ही राजस्थान में मस्टर रोल के जरिए सरकारी भुगतान की पारदर्शिता की नींव रखी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि मस्टर रोल आंदोलन में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण और अकाल राहत के लिए दिए गए पैसों की जानकारी हासिल करने के लिए अधिकारियों का सामना किया और जन-सुनवाइयों के जरिए वास्तविकताओं को सामने लाया. इस आंदोलन के प्रभाव से पहले राजस्थान में और फिर पूरे भारत में 2005 में आरटीआई कानून अस्तित्व में आया। उन्होंने आरटीआई के उद्भव का वर्णन करते हुए कहा, 'इस क़ानून की ख़ास बात यह है कि इसे संसद या किसी राजनेता ने इसलिए नहीं बनाया कि वे जनता की मदद करना चाहते थे. बल्कि आरटीआई का विचार ज़मीन से पैदा हुआ, साधारण मज़दूरों और किसानों के संघर्षों से, शहरों से ज़्यादा गांवों में, और यह आप जैसे लोगों की बदौलत ही अस्तित्व में आया।' उन्होंने धारा 4 के महत्व पर भी जोर दिया और कहा, 'क़ानून में धारा 4 का प्रावधान किया गया, जिसमें यह वादा है कि किसी नागरिक के पूछने से पहले ही सरकार खुद सूचना सबके सामने रखेगी.' जस्टिस शाह ने बताया, 'धारा 4 सरकार को एक सार्वजनिक नोटिस बोर्ड लगाने को कहती है. जिसमें सभी लाभार्थियों के नाम, ख़र्च हुए पैसों का ब्यौरा और सभी योजनाओं के बारे में जानकारी हो ताकि सभी लोग आसानी से उसे देख सकें।' जस्टिस शाह ने कहा कि वर्तमान सरकार गुपचुप तरीके से काम करने पसंद करती है. यही वजह है कि आरटीआई कानून को कमजोर किया जा रहा है.उन्होंने कहा, 'आरटीआई क़ानून ने भ्रष्ट लोगों के हाथ से ताक़त छीनकर जनता को ताक़तवर बनाया. लेकिन सरकारें, विशेषकर वर्तमान सरकार जो 2014 से सत्ता में है, इस बात को बिल्कुल पसंद नहीं करती कि गुपचुप तरीक़े से काम करने की उनकी ताक़त उनसे छीनी जाए. वे इस बात को बिल्कुल पसंद नहीं करते कि जनता हमेशा उन पर निगरानी रखे।' जस्टिस शाह ने उन तरीकों की तरफ ध्यान दिलाया, जिसके माध्यम से आरटीआई को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, 'सरकार कुछ तरीक़ों से आरटीआई क़ानून को कमज़ोर करने की कोशिश कर रही है. उदाहरण के तौर पर, 2019 में, वह एक ऐसा संशोधन लेकर आई जिससे आरटीआई क़ानून का संचालन प्रभावित होता है. अगर कोई अधिकारी आपके द्वारा मांगी गई सूचना न दे तो आप सूचना आयोग का रूख करेंगे. ये आयोग आरटीआई के मामलों में न्यायाधीशों की तरह होते हैं. उनके पास शक्ति भी है और वे स्वतंत्र संस्थाएं हैं जो सूचना न देने वाले अधिकारी पर जुर्माना भी लगा सकती हैं और उन्हें सज़ा भी दे सकती हैं1उन्होंने आगे कहा, 'सूचना आयुक्तों का कार्यकाल पहले पांच साल के लिए तय था. इसका मतलब था कि वे बिना किसी डर के आज़ादी से अपना काम कर सकते थे. लेकिन 2019 के बाद यह नियम बदल दिया गया है- अब केंद्र सरकार यह तय कर सकती है कि आयुक्तों की तनख़्वाह कितनी होगी और वे कितने समय तक पद पर रहेंगे. इसकी वजह से कोई भी आयुक्त अपना काम ठीक से करने से डरेगा।' शाह ने एक अन्य पहलू को रेखांकित करते हुए कहा, 'दूसरा काम जो सरकार ने किया है वह है सूचना आयुक्तों की नियुक्ति ही न करना. जब कोई सूचना आयुक्त रिटायर हो जाता है तो सरकार नए आयुक्त की नियुक्ति करने में बहुत ढिलाई बरतती है. और इसके चलते आरटीआई अपीलों का अंबार बढ़ता ही जाता है. अगर आपको अपने किसी सवाल का जवाब हासिल करने में दो

या तीन साल लग जाते हैं तो आरटीआई क़ानून का कोई मतलब नहीं रह जाता. यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार को कहा है कि वह आरटीआई को खोखला बना रही है क्योंकि वह ख़ाली पदों पर नियुक्ति नहीं कर रही है।' सरकार इस तरह धीरे-धीरे इस क़ानून को ख़त्म कर रही है - आयुक्तों के लिए भय का माहौल बनाकर और नियुक्ति और अपीलों के निपटारे में देरी के ज़रिए. हाल ही में एक नए क़ानून के ज़रिए एक बड़ा ख़तरनाक हमला भी इस पर हुआ है, उस क़ानून का नाम है डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) क़ानून, 2023. सरकार कहती है कि यह क़ानून आपकी निजता की सुरक्षा के लिए है लेकिन इसमें छिपा एक प्रावधान है जो आरटीआई क़ानून को ही पूरी तरह से ख़त्म कर सकता है। जस्टिस शाह सुझाव देते हैं, 'इस क़ानून को बचाने का सबसे अच्छा तरीक़ा यही है कि हम लगातार इसका उपयोग करते रहें और सरकार आपके जिन सवालों के जवाब नहीं देती उनके लिए आरटीआई के आवेदन लगाते रहें. स्थानीय राजनेताओं से मांग करें कि सारी सार्वजनिक जानकारी नोटिस बोर्ड और वेबसाइट के ज़रिए उपलब्ध करवाई जाए ताकि हमें उसके लिए कहीं आवेदन ना करना पड़े. सरकार पर दबाव बनाएं कि डीपीडीपी क़ानून में बदलाव किया जाए और आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की भी लगातार मांग करें ताकि सच्चाई के लिए लड़ने वाले लोग डर के साए में जीने पर मजबूर ना हों।'

उन्होंने कहा, 'यह कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं है. यह तो एक 'व्यक्तिगत' लड़ाई है, नागरिकों के तौर पर हमारी ताक़त के लिए और हमारे लोकतंत्र के लिए. हमें साथ मिलकर अपनी आवाज़ उठानी होगी और नागरिकों के तौर पर हमारी ताक़त का उपयोग करना होगा ताकि जनता के इस क़ानून को कहीं पराजित ना कर दिया जाए. सरकार रूपी इस बक्से पर फिर से ताला न लगने दें. आरटीआई रूपी इस चाबी को सम्भाल कर रखें और सरकार को जवाबदेह बनाए रखें' शाह ने संग्रहालय परियोजना पर भी प्रकाश डाला, 'मुझे इस बात की भी बेहद ख़ुशी है कि आज यहां आप सब के बीच मैं उस जगह मौजूद हूं जहां दुनिया का पहला आरटीआई संग्रहालय आकार ले रहा है. यह म्यूज़ियम एक ऐसी जगह बने जो भारतीय संविधान के मूल्यों को आगे बढ़ाए. यहां इतिहास के संघर्ष हमारे वर्तमान और भविष्य के संघर्षों को प्रेरणा देगा।'

अगले महीने के पहले सप्ताह से बढ़ेगी सर्दी; 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक बारिश की संभावना

ब्यूरो प्रयागराज। लखनऊ और प्रयागराजद्ध में पिछले 15 दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है. अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक है. इससे दिन में गर्मी का अहसास हो रहा था. अब रात में गुलाबी सर्दी में कमी आई है.अक्टूबर महीने के पहले सप्ताह में तेज बारिश होने के बाद लखनऊ में गुलाबी सर्दी शुरू हो गई थी. बाद में हवाओं का रूख बदलने से पिछले चार-पांच दिनों से अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. जो कि सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है. वहीं, न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. यह सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार रविवार को लखनऊ में आसमान साफ रहेगा और धूप खिलेगी. अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बरेली सबसे ठंडा रहाः शनिवार को बरेली जिला सबसे ठंडा रहा. वहां न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो कि सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस कम है. वहीं, सबसे अधिक तापमान कानपुर देहात जिले में 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. यह सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल सिंह ने बताया कि अगले दो दिन बाद न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की जाएगी. वहीं, 29 अक्टूबर को प्रदेश के पूर्वी इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

छठ महापर्व :बलिया के बाजारों में छठ पर्व पर उमड़ी भीड़

छठ महापर्व की पूर्व संध्या पर बलिया के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। दुकानों और सड़क किनारे फलों की दुकानें सज गई हैं, जहां लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बाजारों में फल, ईख, साड़ी और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ देखी जा रही है। लोग अपनी पसंद के परिधान और आवश्यक सामग्री खरीद रहे हैं। जिला मुख्यालय के चौक, आर्य समाज रोड, ओक्डेनगंज चौकी रोड, बहादुरपुर पुल, नया चौक और रामलीला मैदान रोड जैसे प्रमुख स्थानों पर खरीदारों की भीड़ इतनी अधिक है कि पैर रखने की जगह नहीं मिल रही है। भीड़ के कारण कई जगहों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। बड़ी मात्रा में फल खरीदने वाले लोग तीखमपुर स्थित मंडी का रुख कर रहे हैं। साड़ी दुकानदार मनोज कुमार ने बताया कि छठ त्योहार के कारण खरीदारों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और बाजार अच्छा चल रहा है। पान-सुपारी विक्रेता दयाशंकर खरवार के अनुसार, दोपहर बाद से बिक्री में तेजी आई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और आत्मसंयम का चार दिवसीय महापर्व है, जिसमें सूर्य देव और षष्ठी माता की आराधना की जाती है। इसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है, जिसमें व्रती स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखते हैं।

बिहार को साधने फिर आ रहे पीएम मोदी, पटना में दो को करेंगे रोड शो

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 अक्टूबर से सात नवंबर तक बिहार में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं करेंगे। इस क्रम में 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर एवं छपरा में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके उपरांत दो नवंबर को प्रधानमंत्री पटना में रोड शो करेंगे। भाजपा इसे प्रधानमंत्री के सबसे व्यापक चुनावी अभियान के रूप में देख रही है। रोड शो की तैयारियां भाजपा ने तेज कर दी हैं। रविवार को बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। भाजपा नेताओं के साथ रोड शो के साथ ही सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। प्रधानमंत्री का रोड शो पटना एयरपोर्ट से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित स्थल पर समाप्त होगा। आयोजन के दौरान सुरक्षा, मंच व्यवस्था, मार्ग की सजावट को लेकर भाजपा ने दायित्व निर्धारण करना शुरू कर दी है। तीन नवंबर को प्रधानमंत्री पहले चरण की विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं करेंगे। वहीं, छह एवं सात नवंबर को वे दूसरे चरण के चुनाव वाले क्षेत्रों में रैलियां करेंगे। भाजपा नेताओं का कहना है पीएम के दौरे का विस्तृत कार्यक्रम शीघ्र ही निर्धारित कर घोषित कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरे?द्र मोदी दो नवंबर को पटना में रोड शो से पहले भोजपुर और नवादा में भी सभाएं करेंगे। शाम पांच बजे से पटना में उनका रोड शो शुरू होगा। धर्मेंद्र प्रधान के साथ नितिन नवीन, ऋतुराज सिन्हा, संजय मयूख, दीपक प्रकाश आदि भी थे। प्रधानमंत्री की इससे पूर्व 30 अक्टूबर को मुफ्फरपुर में चुनावी रैली प्रस्तावित है। बताया जाता है कि उनका रोड शो का रूट इस तरह बनाया गया है कि पटना शहरी क्षेत्र की चारों विधानसभा उसमें आ जाएं।

24 को कर चुके मशिन बिहार की शुरुआत

विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री 24 अक्टूबर को मिशन बिहार की शुरुआत कर चुके हैं। जननायक कर्पूरी ठाकुर की भूमि समस्तीपुर से इसका आगाज किया था। बेगूसराय में भी उसी दिन सभा की थी। दो चरणों में बिहार में होनेवाले चुनाव के पहले चरण में छह नवंबर को वोट डाले जाएंगे। उससे पहले भाजपा के दिग्गज नेताओं ने बिहार में पूरी ताकत झोंक दी है। अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास पार्टी कर रही है। प्रधानमंत्री के साथ ही गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, कई राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम व अन्य नेताओं का ध्यान बिहार पर है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि पटना में रोड शो के अलावा नवादा एवं भोजपुर में प्रधानमंत्री की रैलियां होंगी। उधर 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर में वे जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां के बाद छपरा में उनकी चुनावी रैली होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव : बिहार में शराब के साथ यूपी बलिया का पूर्व भाजपा विधायक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया/बलिया : पश्चिम चंपारण (बेतिया) प्रशासन ने उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक धनंजय कन्नौजिया की कार से बियर की तीन कैन बरामद किया हैं। बिहार पुलिस ने पूर्व विधायक और उनके ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई बेतिया के मंगलपुर बांध (बरियारपुर चेकपोस्ट) पर हुई। उधर, बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के कारण यह मामला राजनीतिक गलियारों में चर्चा-ए-खास बन गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बिहार में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार की शाम मजिस्ट्रेट विकास कुमार की मौजूदगी में एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम), एसएसबी और पुलिस बल जांच में लगे थे। इसी दौरान गोपालगंज की ओर से आ रही काले रंग की कार को रोका गया। तलाशी के दौरान कार की डिक्की में रखे एक ट्रॉली बैग से बियर (500 मिली लीटर) के तीन कैन (बैच नंबर-7427) बरामद हुए। पुलिस ने कार में सवार पूर्व विधायक धनंजय कन्नौजिया और उनके ड्राइवर दिलीप सिंह को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम दिलीप सिंह पुत्र शिव सहाय सिंह (निवासी : राजपुर, पलिया, बलिया, उत्तर प्रदेश) बताया।

साथ में बैठे व्यक्ति ने अपनी पहचान धनंजय कन्नौजिया पुत्र संजय प्रसाद कन्नौजिया (निवासी : जमुआ, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश) के रूप में दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। इस पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी की गई। वाहन और बरामद बियर को जब्त कर नौतन थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस ने नौतन थाना में अपराध संख्या 519/25 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि धनंजय कन्नौजिया वर्ष 2017 से 2022 तक यूपी के बलिया जनपद की बेल्थरारोड विधानसभा से भाजपा विधायक रह चुके हैं। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर शराबबंदी के उल्लंघन का यह मामला अब राजनीतिक रूप ले रहा है। जिला प्रशासन बेतिया ने स्पष्ट किया है कि, चुनाव अवधि के दौरान अवैध शराब, नकद राशि या अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी एसएसटी और उड़न दस्तों को सतर्क रहकर जांच अभियान जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नीतीश कुमार ही एनडीए का सीएम चेहरा है- मनीष वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज: सिवान– जनता दल यू के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व आईएएस मनीष कुमार वर्मा ने सिवान की चार विधानसभा क्षेत्र में एनडीए समर्थित जनता दल यू के जीरादेई, रघुनाथपुर, बड़हरिया, एवं महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में एनडीए के प्रत्याशी क्रमशः भीष्म प्रताप सिंह कुशवाहा, विकास कुमार सिंह उर्फ जीसू सिंह, इंद्रदेव सिंह पटेल एवं हेम नारायण शाह को तीर का बटन दबाकर प्रचंड बहुमत (वोटो) से जितने हेतु जदयू एनडीए के वरिष्ठ, सक्रिय, समर्पित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ धुआंधार बैठक कर सभी को सक्रिय भूमिका में लग जाने के लिए संकल्प दिलाया, श्री वर्मा ने कहा कि सिवान में कोई लड़ाई नहीं है यहां की जनता नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार को पसंद करती है और सुशासन के साथ सबका विकास सबको सम्मान जो नीतीश कुमार की नीति है उसके पक्ष में सिवान के आठों प्रत्याशियों को जीतने के लिए मन बना चुकी है! यहाँ लड़ाई पांडव और कौरवों की है महाभारत में जीत पांडवों की हुई क्योंकि वह सत्य और विकास के रास्ते पर चल रहे थे वैसे ही आज नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी बिहार के विकास के लिए बिहारी को सम्मान दिलाने के लिए एनडीए गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ रहे है , सिवान की जनता न्याय और विकास के पक्ष में है जंगल राज के तरफ सिवान की जनता लौट के लिए तैयार नहीं है वही जनता दल यूथ के प्रदेश महासचिव सिवान जिला संगठन प्रभारी एवं बड़हरिया विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल ने बड़हरिया विधानसभा एवं महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में चुनावी दौड़ा पर आए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा जी का गर्म जोशी के साथ पुष्प गुच्छे एवं अंग वस्त्र से स्वागत किया कार्यक्रम मे उपस्थित पार्टी के अन्य नेताओं ने भी मनीष वर्मा जी को माला पहनकर उनका अभिनंदन किया!

वही श्री पटेल ने कहा कि 2025 में फिर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे - नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय कुमार सिंह, मुर्तुजा अली कैसर , विधानसभा प्रभारी ललन माझी, संदेश महतो, दिग्विजय कुशवाहा, प्रखण्ड अध्यक्ष मोश्र अयूब, लक्षण देव पटेल, माधव सिंह पटेल , प्रभुनाथ महतो, ओमप्रकाश सिंह, नंदलाल राम, आमिरूल्लाह सैफी, मंटू पटेल, वाल्मीकि प्रसाद कुशवाहा, सत्येंद्र सिंह ,डॉश अजीत सिंह, राजीव रंजन पटेल, रंजीत कुमार यादव,अनिल सिंह पटेल, लालबाबू प्रसाद, शुभम पटेल, निकेश चंद तिवारी, नागेंद्र सिंह पटेल, संजय सिंह, सहित सैकड़ो की संख्या में पार्टी के नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भास्कर महोत्सव 2025 का 27,28 अक्टूबर को होगा आयोजन

भास्कर महोत्सव 2025 : संस्कृति का संगम, आस्था का उत्सव

गोपालगंज (बिहार)– जिला प्रशासन गोपालगंज एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पटना के संयुक्त तत्वावधान में "भास्कर महोत्सव - 2025" का आयोजन आगामी 27 अक्टूबर 2025 की संध्या 3 बजे से प्रारंभ होकर 28 अक्टूबर की भोर 3 बजे तक किया जाएगा। यह आयोजन प्रखण्ड बैकुण्ठपुर अंतर्गत डुमरिया घाट, गोपालगंज में संपन्न होगा। भास्कर महोत्सव का उद्देश्य बिहार की लोक परंपराओं, लोकगीतों तथा छठ महापर्व की महिमा को जन-जन तक पहुँचाना है। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य, लोकसंगीत, नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी, जो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करेंगी। जिला प्रशासन द्वारा आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। सुरक्षा, प्रकाश, स्वच्छता, पेयजल, एवं यातायात नियंत्रण से संबंधित समुचित प्रबंध किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों सहित इस महोत्सव में सम्मिलित होकर बिहार की लोक संस्कृति एवं आस्था के इस अनूठे उत्सव का हिस्सा बनें। यह आयोजन न केवल लोक परंपराओं को सशक्त करेगा, बल्कि सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक एकता के भाव को भी प्रगाढ़ करेगा।

प्रयागराज के डॉक्टर ने रूस में लहराया भारत का परचम

●डॉ. प्रोबाल नियोगी बने भारत-रूस सर्जरी सहयोग के सूत्रधार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के सुप्रसिद्ध लैप्रोस्कोपिक सर्जन और सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रोबाल नियोगी ने एक बार फिर प्रयागराज ही नहीं बल्कि पूरे भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। रूस की प्रतिष्ठित संस्था रशियन सोसाइटी ऑफ सर्जन्स ने डॉ. नियोगी को अपने वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "कांग्रेस ऑफ रशियन सर्जन्स" में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। यह पहला अवसर था जब रूस ने भारतीय सर्जनों को अपने सम्मेलन में बुलाया। इस आयोजन में भारत के उच्चस्तरीय शल्य चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया, जिसमें डॉ. प्रोबाल नियोगी के साथ एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (ASI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. प्रवीण सुर्यवंशी (महाराष्ट्र) भी शामिल रहे।सम्मेलन में भारत और रूस के बीच सर्जरी के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने के लिए एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) का प्रारूप तैयार किया गया। इसे औपचारिक रूप से दिसंबर 2025 में कोलकाता में होने वाली एएसआई की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में हस्ताक्षरित किया जाएगा। रशियन सोसाइटी ऑफ सर्जन्स के अध्यक्ष प्रो. अलेक्सी वासिलीविच शाबुनिन ने कहा, "भारतीय सर्जनों का गोली और युद्धजनित चोटों के इलाज में अनुभव हमारे लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक है। यह अनुभव रूस के रक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।"भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मॉस्को स्थित 1800 बेड वाले बॉटकिन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड क्लिनिकल सेंटर का दौरा भी कराया गया, जहां डॉक्टरों ने ट्रॉमा सर्जरी, कैंसर केयर और अन्य

विशेष शाखाओं के विशेषज्ञों से मुलाकात कर आधुनिक चिकित्सा तकनीक पर विस्तृत चर्चा की।

डॉ. प्रोबाल नियोगी ने कहा– "यह मेरे लिए बेहद गर्व और भावनात्मक क्षण था कि मैंने प्रयागराज और भारत का प्रतिनिधित्व रूस जैसे देश में किया। भारतीय सर्जनों की मेहनत, अनुभव और दक्षता आज पूरी दुनिया में सराही जा रही है। यह समझौता आने वाले समय में दोनों देशों के बीच चिकित्सा अनुसंधान, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक के आदान-प्रदान का नया अध्याय खोलेगा।"

छठ महापर्व - कनाडा में प्रसाद के रूप में बंटेगा 25,000 ठेकुआ, लंदन और बर्मिंघम में भी विशेष कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। कनाडा में भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। बिहार और झारखंड के भी सैकड़ों लोग कनाडा में हैं, जो हर साल छठ महापर्व को धूमधाम से मनाते हैं। विशेष स्थानों पर एकत्र होमकर लोग परंपरागत तरीके से भगवान भुवन भास्कर सूर्यदेव की आराधना करते हैं। भारतीय प्रवासी अपने बच्चों को भी इस त्योहार की अहमियत समझाते हैं, जिससे ये सांस्कृतिक धरोहर कनाडा की नई पीढ़ियों में भी जीवित रहती है। एचईसी धुर्वा आवास संख्या-बी,246(टी) निवासी अंकित श्रीवास्तव कनाडा के मिसिसांग में रहते हैं। जहां हिंदू हेरिटेज सेंटर में चार दिवसीय छठ पूजा का आयोजन किया गया है। भव्य आयोजन बिहार और झारखंड कैनेडियन कल्चरल एसोसिएशन(बीएजेसीसीए) द्वारा किया जाता है। इस संबंध में अंकित श्रीवास्तव ने बताया कि अकबी बार ऐसोसिएशन द्वारा छठ पूजा संपन्न् होने के बाद प्रसाद वितरण के लिए 25 हजार ठेकुआ बनवाया जा रहा है। इसके साथ ही एसोसिएशन से जुड़े लोगों के लिए छठ पूजा स्थल पर बिना लहसून-प्याज वाले व्यंजन तैयार किए जाते है। चार दिवसीय छठ महापर्व को लेकर पिछले 15 दिनों से तैयारी चल रही है। इस वर्ष चार दिवसीय त्योहार 25 अक्टूबर से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगा। शनिवार को कद्दू-भात के साथ नहाय-खाय पूजा संपन्न हुआ। 26 अक्तूबर को खरना के अवसर पर खीर-रोटी महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। इसके आलावा छठ पूजा के दौरान कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान होंगे। यह आयोजन टोरंटो के प्रवासी भारतीयों के लिए अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस वर्ष आयोजन को सफल बनाने में एसोसिएशन के मनोज सिंह, दिलीप महतो, आशुतोष पांडेय, अमित कुमार, विकार कुमार, जय माला, ज्योत्सना, निलम पांडेय सहित भारतीय मूल के सैकड़ों लोग छठ महापर्व के आयोजन में बढ़चढ़ कर सहयोग कर रहे हैं।

पुलिसकर्मियों को यातायात प्रशिक्षण के बाद सम्मान:एसपी ओमवीर सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया– पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने यातायात प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसी क्रम में, उन्होंने साइबर अपराधों की रोकथाम और त्वरित निस्तारण के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक भी की, जिसमें साइबर सेल और थानों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। यातायात निदेशालय/पुलिस मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश के आदेश पर जनपद की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महीने तक रिजर्व पुलिस लाइन बलिया में 30 दिवसीय यातायात प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में जनपद के पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। रविवार को पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने आर.डी. त्रिपाठी हॉल में एक निरीक्षक, एक उप निरीक्षक, सात मुख्य आरक्षी और 15 आरक्षियों सहित कुल 24 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक ने आरटीसी स्कूल कक्ष, पुलिस लाइन बलिया में साइबर नोडल अधिकारी, साइबर थाना/साइबर सेल के अधिकारी-कर्मचारी और जनपद के समस्त थानों के साइबर हेल्प डेस्क के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ एक साइबर मीटिंग की। इस बैठक का उद्देश्य साइबर अपराधों की रोकथाम, उनसे संबंधित घटनाओं का शीघ्र निस्तारण और पंजीकृत मुकदमों की विवेचना में साक्ष्य संकलन कर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करना था। मीटिंग में मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में साइबर अपराध संबंधी मुकदमों में साक्ष्य संकलन के तरीकों और अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इंटरनेट के माध्यम से हो रहे डिजिटल अरेस्ट, फेक कॉल, वीडियो कॉल, सिम स्वैपिंग, लोन फ्रॉड, ओटीपी/पिन फ्रॉड जैसे विभिन्न अपराधों के बारे में सभी को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। आरक्षी अमरनाथ मिश्र ने साइबर सेल द्वारा प्रयोग किए जा रहे विभिन्न पोर्टलों जैसे एनसीआरपी पोर्टल, समन्वय पोर्टल, मोबाइल नंबर ब्लॉकिंग, आईएमईआई ब्लॉकिंग, साइबर सलावरी, पीओएस एजेंट, साइबर जागरूकता अभियान, सहयोग पोर्टल और साइट्रेन प्रशिक्षण (ऑनलाइन) के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस द्वारा समय-समय पर स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर कार्यशालाएं आयोजित कर आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक किया जाता है। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर, क्षेत्राधिकारी नगर मो. उस्मान, प्रभारी साइबर थाना नदीम अहमद फरीदी सहित जनपदीय साइबर सेल, साइबर क्राइम थाना के समस्त कर्मचारी और जनपद के समस्त थानों के साइबर हेल्प डेस्क के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

छठ पूजा का संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य का सही समय , विधि और मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

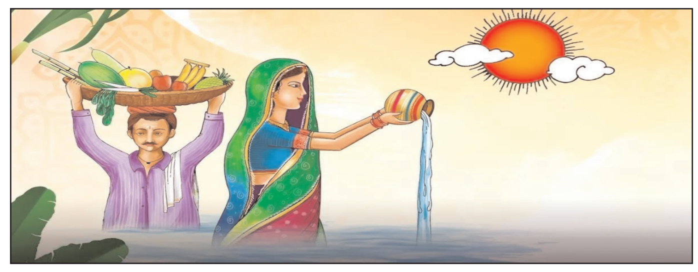

बलिया/ लोकआस्था का महापर्व छठ पूजा भगवान सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं, वे संपूर्ण जगत की अंतरात्मा हैं। कार्तिक शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि के सूर्यास्त और सप्तमी के सूर्योदय के मध्य वेदमाता गायत्री का प्राकट्य हुआ था। प्रकृति के षष्ठ अंश से उत्पन्न षष्ठी माता बालकों की रक्षा करने वाले भगवान विष्णु द्वारा रची माया हैं। बच्चे के जन्म के छठें दिन छठी मैया की पूजा की जाती है, जिससे बच्चे के ग्रह-गोचर शांत होते हैं। डाला छठ पर डूबते व उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मइया (षष्ठी देवी) का पूजन करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। सोमवार शाम 5.40 बजे होगा सूर्यास्त ,मंगलवार की सुबह 6.29 बजे सूर्योदय बलिया जवहीं गांव निवासी पंडित आशुतोष दुबे के अनुसार कार्तिक शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि रविवार की रात 2.16 बजे लगकर सोमवार की रात 3.35 बजे तक रहेगी। सोमवार को पूर्वाषाढ़ नक्षत्र, सुकर्मा योग रहेगा। जबकि सूर्य का संचरण तुला राशि में होगा। 27 अक्टूबर को सूर्यास्त शाम 5.40 बजे और मंगलवार की सुबह 6.29 बजे सूर्योदय होगा। बताते हैं कि सूर्यदेव को अर्घ्य देते समय "ओम घृणि सूर्य देवाय नमः, ओम दिवाकराय नमः" का जप करते रहें। सृष्टि चक्र का प्रतीक है डाला छठ : राम जानकी मंदिर छोटी मठिया कदम चौराहा के महंथ सत्यदेव दास ने बताया की डाला छठ पर्व सृष्टि चक्र का प्रतीक है। मनुष्य के जीवन में उदय व अस्त दोनों अनिवार्य है। डाला छठ का पर्व हमें सिखाता है कि बच्चे के जन्म पर जैसे उत्सव मनाते हैं। ठीक उसी प्रकार मृत्यु को गले लगाना चाहिए। हर अस्त में उदय छिपा है, हर मृत्यु में नवजीवन। उत्थान और पतन दोनों को समान सम्मान दोना चाहिए, क्योंकि पतन ही उत्थान का मार्ग प्रशस्त करेगा। शास्त्रों ने उगते और डूबते सूर्य दोनों को महत्व दिया है।

बैनामा प्लॉट पर दबंगों का कब्जा, प्रशासन मौन

● न्याय के लिए दर-दर भटक रही महिला, तहसील और थाने की चौखट पर गुहार जारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बारा, प्रयागराज। बारा तहसील मुख्यालय से महज एक किलोमीटर की दूरी पर टिकरी ग्रामसभा के मौजा रिगवां में दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे बैनामा और खतौनी में दर्ज प्लॉटों पर भी अवैध कब्जा करने से नहीं हिचक रहे। एक साल पहले विधिवत रूप से प्लॉट खरीदने वाली प्रिया जायसवाल आज न्याय की आस में हर दरवाज़े पर दस्तक दे रही हैं, जबकि तहसील प्रशासन और पुलिस विभाग खामोश हैं।

पीड़िता प्रिया जायसवाल के अनुसार, उन्होंने यह प्लॉट मुकेश उपाध्याय से खरीदा था। प्लॉट की चारों ओर छह फीट ऊँची दीवार, सेफ्टी टैंक और बोरिंग करवा ली गई थी। लेकिन बीते दिनों बगल में शिवदत्त शुक्ला का निर्माण कार्य तहसील प्रशासन ने गिरवा दिया, जिसके बाद बौखलाए दबंगों ने रातोंरात उनके प्लॉट पर कब्जा कर अवैध निर्माण शुरू कर दिया। महिला का कहना है कि दबंग लालापुर तरहार क्षेत्र के हैं, जो लगातार धमकी दे रहे हैं और उनके परिवार को डरा-धमकाकर कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद न तो तहसील प्रशासन हरकत में आया, न ही पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई की। प्रिया जायसवाल ने बताया कि महीनों से वह तहसील और थाने के चक्कर काट रही हैं। मजबूर होकर उन्होंने अब पुलिस आयुक्त प्रयागराज से न्याय की गुहार लगाई है।

वहीं इस मामले पर एसीपी बारा कुंजलता ने कहा– "यह मामला राजस्व से संबंधित है। थानाध्यक्ष से जानकारी लेकर नियमानुसार पीड़िता की पूरी मदद की जाएगी।" बैनामा दस्तावेज़, खतौनी में नाम और निर्माण के सबूत के बावजूद अगर महिला को कब्जा न मिल सके – तो यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, व्यवस्था की विफलता का आईना है।

संगम नगरी में मौसम का बदला मिजाज, बादलों और ठंडी हवाओं ने किया शहर को सुहावना

●IMD की चेतावनी: अगले 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में रविवार की सुबह से ही मौसम ने अपना मिजाज पूरी तरह बदल दिया। घने बादलों ने आसमान को ढक लिया और हल्की ठंडी हवाओं ने शहर का वातावरण खुशनुमा बना दिया। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने अनुमान जताया है कि अगले 24 घंटे के भीतर शहर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। ठंडी हवाओं के कारण दिन का तापमान थोड़ा गिरा है और लोगों को लंबे समय बाद हल्की ठंडक का अहसास हुआ। पिछले साल की तुलना में अक्टूबर 2025 का मौसम इस बार पूरी तरह अलग नजर आ रहा है। जहां 2024 के इस समय में साफ आसमान और हल्की सर्द हवा चल रही थी, वहीं इस बार बादलों की आवाजाही और नमी ने उमस भरा माहौल बना रखा है। अब ठंडी हवाओं के साथ मौसम में धीरे-धीरे बदलाव दिखने लगा है, जो सर्दी की शुरुआत का संकेत माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 अक्टूबर को अधिकतम तापमान लगभग 32-33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बादलों की मौजूदगी के चलते शाम या रात में बूंदाबांदी की संभावना भी है, जिससे तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी भरी हवाएं और मानसूनी सिस्टम की हलचल के कारण अक्टूबर के अंत में भी बारिश की स्थिति बनी हुई है। फिलहाल यह सर्दी की दस्तक को थोड़ा टाल रहा है, लेकिन

आने वाले ठंडे दिनों की ओर इशारा कर रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर के पहले सप्ताह के बाद सर्दी का असली एहसास शुरू होगा। शुरुआती ठंड सुबह और रात में महसूस होगी, जबकि दिन का तापमान धीरे-धीरे नीचे जाएगा।फिलहाल प्रयागराज में रविवार का दिन लोगों के लिए राहत भरा रहा। हल्की ठंडी हवा, बादलों से ढका आसमान और बारिश की संभावनाओं ने अक्टूबर के इस आखिरी हफ्ते को खुशनुमा बना दिया।

रांची से आज से दो स्पेशल ट्रनों की शुरुआत, छठ पर उमड़ी भीड़ के चलते लिया गया फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। महापर्व छठ को लेकर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए रविवार को दो विशेष ट्रेनों के परिचालन की घोषणा की है। रांची से अजमेर और रांची से आरा के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे के अनुसार, 09620 रांची-अजमेर स्पेशल ट्रेन रविवार सुबह 9:15 बजे रांची से रवाना होगी और अगले दिन शाम 6:35 बजे अजमेर पहुंचेगी। वहीं, 08640 रांची-आरा स्पेशल ट्रेन रविवार रात 8:45 बजे रांची से खुलेगी और अगले दिन सुबह 9:15 बजे आरा पहुंचेगी। इन दोनों ट्रेनों के परिचालन से बिहार और राजस्थान की ओर जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, छठ पर्व को देखते हुए लगातार बढ़ रही यात्री संख्या के कारण नियमित ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ हो गई है। इसे ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा हो।

छठ यात्रियों की उमड़ी भीड़, पार्सल कोच तक में बैठ गए यात्री

छठ पर्व को लेकर शनिवार को रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर करीब डेढ़ बजे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म खचाखच भर गए। स्थिति ऐसी थी कि सीढ़ियों से लेकर प्लेटफार्म तक यात्रियों की भीड़ ठसाठस थी।

संक्षिप्त खबरें

डंपर की टक्कर से लपेट में आए दरोगा की मौत

प्रतापगढ़। डंपर की टक्कर से उपनिरीक्षक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा।महिला थाने मे तैनात एसआई महानंद त्रिपाठी अंतू थाना क्षेत्र में विवेचना के लिए जा रहे थे,जैसे ही एसआई महानंद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के नजदीक ओवर ब्रिज के पास पहुंचे कि सामने से आ रही डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी और सब इंस्पेक्टर महानंद की मौके पर ही मौत हो गई।जनपद चित्रकूट निवासी महानंद त्रिपाठी के मौत की सूचना पुलिस विभाग मे शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचित किया है और शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

ग्रामीणों ने मगरमच्छ को पकड़वाने के लिए विधायक से की मांग

सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थानाक्षेत्र के बैरिया खालसा के पिपरहवा टोले के नजदीक बह रही बूढ़ी राप्ती नदी में ग्रामीणों को तीन मगरमच्छ दिखाई दिए हैं।ग्रामीणों ने विधायक को पत्र लिखकर एसडीएम इटवा व वन विभाग के अधिकारियों पर तीन दिनों से सूचना देने के बाद भी कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। विधायक ने डीएम को मगरमच्छों को पकड़वाने के लिए कहा है। कठेला समय माता थानाक्षेत्र के बैरिया खालसा के पिपरहवा टोले के ग्रामीणों ने शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा को पत्र लिखकर शिकायत कि कठेला समय माता थानाक्षेत्र के बैरिया खालसा के पिपरहवा टोले के नजदीक बह रही बूढ़ी राप्ती नदी में तीन दिनों तीन छोटे-बड़े मगरमच्छ दिखाई दे रहे हैं।धूप निकलने पर वह नदी से बाहर भी निकल रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी इटवा एसडीएम व वन विभाग को भी दिया लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं किया। जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है। इस संबंध में शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने बताया कि उन्होंने डीएम से मगरमच्छ के संबंध में कार्यवाई के लिए कहा है।

साइबर सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को करें जागरूक

बलरामपुर। एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) 9वीं वाहिनी की तरफ से मुख्यालय सभागार में साइबर सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला कराई गई। सीमा से सटे गांवों में ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी जवानों को सौंपी गई। एसएसबी 9वीं वाहिनी के सहायक कमांडेंट संचार सौरभ पांडेय ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत नेपाल सीमा से सटे गांवों में ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाना है। इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीणों के साथ एसएसबी कर्मियों को भी साइबर सुरक्षा का महत्व बताना है। ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा प्रोटेक्शन, सोशल मीडिया उपयोग में सावधानी और डिजिटल माध्यमों पर सुरक्षा व्यवहार के प्रति बलकर्मियों को जागरूक किया गया। इस दौरान विभिन्न साइबर अपराधों के उदाहरण और साइबर सुरक्षा से बचाव के उपाय बताए गए। सुरक्षित डिजिटल आचरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई। सभी बलकर्मियों को साइबर स्पेस में सतर्कता व अनुशासन के बारे में भी जानकारी दी गई। वाहिनी के उपस्थित सभी जवानों ने कार्यशाला में भाग लिया। जवानों ने ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने का संकल्प लिया।

झारखंड से दिल्ली जा रही रांची पूजा स्पेशल में बम की सूचना पर मचा हड़कंप

अलीगढ़। रांची से आनंद विहार जा रही ट्रेन नंबर 02877 पूजा स्पेशल में बम होने की सूचना पर रेलवे अधिकारी बेचैन हो गए। नान स्टापेज ट्रेन को अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रोक कर चेक किया गया। लेकिन चेकिंग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। आरपीएफ की सहायक आयुक्त गुलजार सिंह के अनुसार प्रयागराज मंडल मुख्यालय को शनिवार देर रात एक्स पर जानकारी दी गई कि ट्रेन नंबर 02877 रांची आनंद विहार पूजा स्पेशल एक्सप्रेस में बम रखा हुआ है। सूचना पर ट्रेन को अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रोका गया । जहां अलीगढ़ आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह जीआरपी प्रभारी संदीप तोमर, क्राइम इंटेलिजेंस, सिविल लाइन के प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा ने डाग स्क्वाड के साथ चेकिंग की। स्टाफ ने ट्रेन को चेक किया। ट्रेन रात 11:40 पर पहुंची और उसे 40 मिनट बाद आनंद विहार के लिए रवाना कर दिया गया। चेकिंग के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

सपा का प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप

●भाजपा सरकार मे सबसे ज्यादा ब्राह्मणों की हत्या और अत्याचार

योगी सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं सबसे ज्यादा खराब कानून व्यवस्था पूरी तरह पंगु

पूरे प्रदेश में किसान छात्र नौजवान सबसे अधिक आत्महत्या कर रहा - पवन पांडे राष्ट्रीय प्रवक्ता सपा

संत शिरोमणि नामदेव शोषित पीड़ित गरीबों की आवाज उठाने तथा उनको अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया - हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडे के नगर आगमन पर और सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय साथ नवीन मार्केट में फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संगठन के पदाधिकारियों एवं फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों के साथ मिलकर राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडे को फूल माला पहनकर शाल ओढाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हो रहा है इस सरकार में दवाओ के अभाव में मरीज दम तोड़ रहे हैं अस्पतालों की स्थिति बद से बत्तर हो गई है किसानों को उनकी फसल का पूरा समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है इस कारण किसान सबसे ज्यादा आत्महत्या कर रहा है पढ़े-लिखे नौजवानों को रोजगार व व्यवसाय के अवसर न मिलने के कारण छात्र नौजवान बेरोजगार घूम रहा है इस सरकार में बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है।

पवन पांडे जी आगे बताया कि पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है प्रदेश के पढ़े-लिखे नौजवान अपनी डिग्रियां लेकर सड़कों पर रिक्शा चला कर एवं मजदूरी कर रहे हैं इस सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह पंगू हो गई है खुलेआम लूट हत्याएं बलात्कार चोरी छेड़खानी की घटनाए हो रही है गुंडे माफिया को सरकार का संरक्षण प्राप्त होने के कारण उनके मन से सरकार का खौफ और भय समाप्त हो गया है। पवन पांडे आगे बताया हम लोगों को वोट चोरों और लुटेरों से संगठित होकर वोट की चोट देकर लड़ना होगा हमें आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से योगी सरकार को उखाड़ फेंक कर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना होगा सपा सरकार में ही समाज के सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को न्याय और उसे अधिकार मिल सकते हैं। संत शिरोमणि शोषित पीड़ितों की आवाज उठाने वाले तथा उनको उनके अधिकार दिलाने वाले महान संत नामदेव जी की जयंती के अवसर पर आज सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम सपा कार्यालय साथ नवीन मार्केट में संपन्न हुआ इस अवसर पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने संत शिरोमणि नामदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत नामदेव गरीबों शोषित पीड़ितों की आवाज उठाने व उनको उनके अधिकार दिलाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया संत नामदेव कहते थे कि समाज से अमीरी गरीबी जात-पात का भेदभाव मिटाकर एक समता मूलक समाज की स्थापना करनी चाहिए उन्होंने देश को इंसानियत का पैगाम दिया दुनिया में इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं है हमें उनके बताएं रास्ते पर चलने का संकल्प लेना होगा आज सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी संतो महापुरुषों की जयंती मनाकर नौजवानों को उनके बारे में जानकारी देने तथा उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का संदेश दे रहे हैं।

थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय के नेतृत्व नगर पुलिस की बड़ी सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर थाना अध्यक्ष द्वारामिशन शक्ति अभियान के तहत थाना नगर पुलिस की बड़ी उपलब्धि – महिला अपहरण व बलात्कार से जुड़े सभी 22 मुकदमों का 100% अनावरण, सभी पीड़िताएं सुरक्षित बरामद महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चल रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत बस्ती जनपद की थाना नगर पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। थाना नगर क्षेत्र में पंजीकृत महिला अपहरण एवं बलात्कार से संबंधित सभी 22 मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पुलिस ने सभी पीड़िताओं को सुरक्षित बरामद कर लिया है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक बस्ती अभिनन्दन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में चलाया गया। इस पूरे अभियान का नेतृत्व थानाध्यक्ष नगर विश्वमोहन राय ने किया।थाना नगर पर पंजीकृत मुकदमे – मु0अ0सं0 24/25, 44/25, 63/25, 56/25, 50/25, 149/25, 138/25, 150/25, 152/25, 154/25, 188/25, 197/25, 198/25, 206/25, 226/25, 227/25, 235/25, 238/25, 253/25, 255/25, 261/25, 263/25 – में पुलिस टीम ने अथक परिश्रम, तकनीकी सहयोग और मुखबिर तंत्र की मदद से कार्रवाई करते हुए 100% अनावरण एवं 100% बरामदगी सुनिश्चित की।

आज, 25 अक्टूबर 2025 को, इन सभी मामलों में अंतिम अपहृता/पीड़िता की बरामदगी भी पूरी कर ली गई। मामला मु0अ0सं0 227/25 धारा 137(2)/87 बीएनएस, 64(2)क बीएनएस एवं 5(रु)/6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित था। पुलिस टीम ने अपहृता/पीड़िता को फुटहिया चौराहे के पास से सुरक्षित बरामद किया और अभियुक्त सचिन पुत्र झिनकू निवासी डुहिया माझा, थाना दुबौलिया, जनपद बस्ती को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। थानाध्यक्ष विश्वमोहन राय ने बताया कि यह सफलता टीमवर्क और सतत प्रयासों का परिणाम है। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया तेज, इन अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के माध्यम से मिलेगा एडमिशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मल्हनी (जौनपुर)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया की गति देने के लिए तैयारी तेज कर दी है। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शैक्षणिक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि संबंधित महाविद्यालयों से शोध निर्देशकों और रिक्त शोध सीटों की संख्या का ब्योरा तत्काल एकत्र किया जाए, जिससे विभागीय शोध समिति (डीआरसी) का प्रारूप शीघ्र जारी किया जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा, नेट, गेट या जेआरएफ पास अभ्यर्थियों का साक्षात्कार डीआरसी के माध्यम से कराया जाएगा। डीआरसी का कार्य प्रत्येक विषय में योग्य शोध निर्देशकों की उपलब्धता, रिक्त सीटों और अभ्यर्थियों की उपयुक्तता का परीक्षण करना होता है। डीआरसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुसंधान डिग्री समिति (आरडीसी) की बैठक आयोजित की जाएगी।

आरडीसी विश्वविद्यालय स्तर की वह समिति है, जो चयनित शोधार्थियों के विषय, प्रस्ताव और निर्देशन को अंतिम स्वीकृति प्रदान करती है। इस संबंध में रविवार को डिप्टी रजिस्ट्रार (शैक्षणिक) अजीत प्रताप सिंह ने विभागाध्यक्षों और प्राध्यापकों के साथ ऑनलाइन बैठक कर दिशा-निर्देश साझा किए। बैठक में विभागवार रिक्त सीटों की अद्यतन जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। इस वर्ष विभिन्न विषयों में लगभग 500 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है, जिससे बड़ी संख्या में सीटें रिक्त हो गई हैं। वहीं, करीब दो दर्जन प्राध्यापकों के सेवानिवृत्त होने से प्रत्येक के अधीन लगभग आठ-आठ सीटें घट गई हैं। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि शोध कार्य किसी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और बौद्धिक समृद्धि का दर्पण होता है। इसलिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा।

अंबेडकरनगर में कोचिंग और कॉलेजों पर शिकंजा कसने की तैयारी, इन नियमों का करना होगा पालन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकरनगर। उच्च शिक्षा की कोचिंग संग कॉलेजों पर शासन ने निगरानी का शिकंजा कसा है। छात्रों को सुविधा समेत सुरक्षा देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय कमेटी गठित हुई है। कोचिंग सेंटर व महाविद्यालयों में पढ़ने समेत छात्रावास में रहने वाले छात्रों में पनपती आत्महत्या की स्थितियों का निवारण करने व नियमित निगरानी होगी। 100 से अधिक पंजीयन वाले शिक्षण संस्थान में योग्य परामर्शदाता तथा मनोचिकित्सकों की तैनाती होनी अनिवार्य है। भेदभाव निषेध एवं अकादमिक दबाव बचाने संग प्रशिक्षण देने व क्षमता निर्माण पर बल दिए जाने की रणनीति बनाई गई है। अभिभावकों, शिक्षकों, छात्रों की शिकायतों को सुनने और गोपनीय जानकारी के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण तिवारी ने बताया कि समिति की बैठक कराते हुए आदेश का अनुपालन कराया जाएगा।

गठित हुई कमेटी

उच्चतम न्यायालय से पारित आदेश का अनुपालन कराने में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य समेत कोचिंग सेंटर विनियमों की निगरानी समेत कार्यान्वयन करने को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति में डीएम अध्यक्ष, सीएमओ या जिला अस्पताल के वरिष्ठ मनोचिकित्सक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला समाज कल्याण अधिकारी शामिल होंगे। वहीं, पुलिस अधीक्षक या उनके द्वारा नामित पुलिस उपाधीक्षक, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, एक महिला समेत मानसिक स्वास्थ्य के दो सदस्य सामाजिक विधिवेत्ता एवं राष्ट्रीय टास्क फोर्स से नोडल अधिकारी सदस्य होंगे व जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य सचिव होंगे।

समिति के दायित्व

समिति जिला स्तर पर समस्त विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग सेंटर एवं छात्रावासों द्वारा उम्मीद गाइडलाइन के दिशा निर्देशों व मनोदपर्ण पहल और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति का आत्मसात करके अनुपालन सुनिश्चित करेगी। कोचिंग सेंटरों के पंजीकरण-नवीनीकरण के आवेदनों की जांच समेत सत्यापन करेगी। यहां मानसिक स्वास्थ्य नीतियां, परामर्शदाता नियुक्तियां और सुरक्षा आवश्यकताएं, छात्रावासों एवं आवासीय परिसरों में हवा, पर्याप्त स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा, आदि पूर्ण हो तथा सक्षम अधिकारी को पंजीकरण की स्वीकृति व अस्वीकृति की सिफारिश करेगी। दिव्यांगजन छात्रों के लिए दिव्यांगजन हितैषी मानकों को शामिल किया जाएगा।

समिति मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों, परामर्शदाता अनुपात संग प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और शिकायत निवारण तंत्र के अनुपालन की पुष्टि के लिए प्रत्येक पंजीकृत कोचिंग सेंटर और आवासीय शिक्षण संस्थानों का वार्षिक निरीक्षण किया जाएगा। शिकायत पर औचक निरीक्षण भी किया जाएगा। छात्रों, अभिभावकों, कर्मचारियों या मुखबिरों से शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक छात्र सुरक्षा हेल्पलाइन स्थापित होगा। परामर्शदाताओं, शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रावास वार्डनों के लिए प्राथमिक उपचार, चेतावनी संकेतों की पहचान और रेफरल तंत्र पर प्रशिक्षण का समन्वय किया जाएगा। पंजीकृत कोचिंग केंद्रों, परामर्शदाताओं की नियुक्तियों, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, छात्रों की आत्महत्या या आत्म-क्षति की घटनाओं, शिकायतों और कार्रवाई का डेटा संग्रह किया जाएगा। उम्मीद व मनोदर्पण पहल संग राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति से प्रेरित होगी। 100 से अधिक नामांकित छात्रों वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में प्रमाणित प्रशिक्षण प्राप्त कम से कम एक योग्य परामर्शदाता के साथ मनोचिकित्सक या सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति की जाएगी। इस व्यवस्था का अनुपालन संस्थान द्वारा क्षमता-निर्माण उपायों के माध्यम से किया जाएगा।

थारू जनजाति सांस्कृतिक संग्रहालय इमलिया कोडर में जन सहभागिता द्वारा पर्यावरण संरक्षण के विषय पर गोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। दीनदयाल शोध संस्थान थारू विकास केंद्र बलरामपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (पर्यावरण शिक्षा) अवध प्रांत, लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोंडा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को "जन सहभागिता द्वारा पर्यावरण संरक्षण" विषय पर एक सार्थक गोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम थारू जनजाति सांस्कृतिक संग्रहालय, इमलिया कोडर बलरामपुर में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षाविद, छात्र-छात्राएं, समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. कीर्ति विक्रम सिंह ने की। मुख्य वक्ता प्रो. अमर पाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। जब तक समाज की सक्रिय भागीदारी नहीं होगी, तब तक धरती को बचाना कठिन है।" उन्होंने जल-संरक्षण, वृक्षारोपण और प्रदूषण नियंत्रण को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रो. आर. के. पाण्डेय ने पर्यावरणीय शिक्षा को विद्यालय स्तर से लागू करने पर बल दिया। वहीं विशेष वक्ता डॉ. विशाल प्रताप सिंह और डॉ. अंशुल सिंह ने जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर उपयोगी विचार रखे। कार्यक्रम में श्री के. वी. पंत, श्री सचिन कुमार सिंह (कार्यक्रम संयोजक) और थारू जनजाति सांस्कृतिक संग्रहालय इमलिया कोडर के अधीक्षक श्री आशुतोष शुक्ला की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि थारू समाज सदैव प्रकृति से जुड़ा रहा है और पर्यावरण संरक्षण उनकी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने वृक्षारोपण, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। यह आयोजन थारू विकास केंद्र बलरामपुर के लिए एक प्रेरणादायक और जागरूकता बढ़ाने वाला कदम साबित हुआ।

नहाय खाय के साथ डाला छठ महापर्व का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। सूर्य उपासना का महापर्व डाला छठ नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। चार दिन तक चलने वाले इस महापर्व में सूर्य देव की उपासना की जाएगी। डाला छठ में 26 अक्तूबर को खरना, 27 अक्तूबर को डूबते सूर्य एवं 28 अक्तूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। चार दिवसीय महापर्व के पहले दिन श्रद्धालुओं ने घरों में नहाय खाय के साथ डाला छठ का व्रत शुरू किया।

श्रद्धालु नेहा सिंह, सुरेशी मिश्रा, ललिता पांडेय, दीपिका मिश्रा ने बताया कि सुबह घरों की सफाई के बाद स्नान कर नए वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लिया है। छठ महापर्व के चारों दिन सूर्य उपासना के दौरान लहसुन-प्याज सहित कई अन्य चीजों से परहेज किया जाएगा। फलाहार कर भगवान भास्कर की उपासना करेंगे। व्रतधारी के भोजन करने के बाद ही परिवार के दूसरे सदस्य भोजन करेंगे। मान्यता है कि डाला छठ के दौरान भगवान भास्कर की उपासना करने से श्रद्धालुओं के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। छठ महापर्व का व्रत रखने से तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति व लंबी आयु के साथ परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ती है। बलरामपुर चीनी मिल, शुगर कंपनी तुलसीपुर, बजाज चीनी मिल इटईमैदा के साथ पूर्वांचल के जनपदों से यहां नौकरी या व्यवसाय करने वाले परिवारों में छठ महापर्व को लेकर खासा उत्साह है। डाला छठ के दूसरे दिन 26 अक्तूबर को खरना होगा।

नगर पालिका अध्यक्ष ने तैयारियों का लिया जायजा

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने शनिवार को झारखंडी सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने सरोवर परिसर में चल रहे निर्माण एवं सुंदरीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अंदर सभी कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। सरोवर क्षेत्र की साफ-सफाई, चूना छिड़काव, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिए जाने की बात कही। निरीक्षण के समय ईओ लालचंद मौर्य, अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस, जेई सिविल अविनाश यादव, जेई जल धर्मेंद्र कुमार गौड़, निरीक्षक दिवाकर पांडेय व रामनारायण यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कुंआनों आरती में उमड़ी आस्था, जीवन दायिनी नदी को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प

● चित्रांश क्लब के आयोजन में एक साथ जले हजारों आस्था के दीप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में चित्रांश क्लब द्वारा शनिवार की देर शाम अमहट घाट पर सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर के निकट कुआनो नदी की आरती आस्था, प्रार्थना के साथ सम्पन्न हुई। उपस्थित लोगों ने कुआनो नदी को प्रदूषण मुक्त कराने का शपथ लेने के साथ ही पवित्र कुंआनो से सुखद जीवन की प्रार्थना किया । आयोजित भण्डारे में आरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। कलाकारों ने झांकी के द्वारा उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के आरम्भ में कुआनों की स्वच्छता के लिये जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, अरविन्द पाल, राना दिनेश प्रताप सिंह, दिनेश श्रीवास्तव मास्टर साहब, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, विनय शुक्ल, पवन कसौधन, जगदीश शुक्ल, कमलसेन के साथ ही हजारों की संख्या में लोग कुंआनो आरती के साक्षी बने। क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, संरक्षक सन्तोष सिंह, राम कमल सिंह, अजय कुमार श्रीवास्तव, रत्नाकर श्रीवास्तव आदर्श, राजेश श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, राजन गुप्ता, महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी अरोरा आदि ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्ती जनपद की जीवन रेखा कुआनो से प्रदूषण से मुक्ति दिलाने का है. दुर्भाग्य से कुआनो फिर बीमार लग रही है. कूडा करकट, गंदा पानी खुले आम कुआनो में डाला जा रहा है. जब तक कुआनो प्रदूषण मुक्त नहीं हो जाती चित्रांश क्लब का अभियान जारी रहेगा। कलब अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि कुंआनों की स्वच्छता हमारा संकल्प है।

अमहट घाट पर महिलाएं, बच्चे, पुरुष कुंआनो आरती के साक्षी बने। इस दौरान मंगलगान हुआ और दीप जलाकर कुआनो नदी की आरती उतारी गई। सैकड़ों हाथ कुआनों की अस्मिता बचाने को आगे आए। कुछ ही पल में समूचा घाट जगमगाने लगा. इस दौरान हर किसी ने बस्ती की पौराणिक धरोहर कुआनो को प्रदूषणमुक्त रखने का संकल्प लिया गया। मास्टर शिव के संयोजन में हुई झांकी और अमरेश पाण्डेय के धार्मिक गीतों ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। किन्नर कशिश और साथियों ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर मन मोह लिया।कार्यक्रम की तैयारी महीनों से चल रही थी। चित्रांश क्लब के निमंत्रण पर शाम होते ही अमहट घाट पर शहर के समाजसेवियों, राजनीतिज्ञों, प्रबुद्धजनों एवं महिलाओं का तांता लगने लगा। कुछ ही देर बड़ी संख्या में लोग यहां एकत्र हो गये। आयोजकों ने कुआनों आरती के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। कहा यह नदी बस्ती की पौराणिक धरोहर है। इसका क्षरण नहीं होने दिया जाएगा। नदी को प्रदूषणमुक्त रखना होगा। इसके लिए आरती के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। उपस्थिति लोगों के माथे पर तिलक लगाया गया। शाम ढलने के वक्त घाट पर लोग कतारबद्ध हो गए, हर कोई हाथ में फूल और दीपक के साथ आरती गाने लगा। आरती करने वालों पर फूलों की वर्षा की गई। पूरा क्षेत्र दीपक के प्रकाश से जगमगाने लगा। बीच-बीच में देवी-देवताओं के जयकारों का उद्घोष भी हुआ, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस दौरान गंगा आरती की तर्ज पर लोगों ने कुशल क्षेम की मन्नतें भी मांगी। चित्रांश क्लब के पूर्व अध्यक्ष जी. रहमान, शेष नारायण गुप्ता, रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, शीला पाठक, नीलम सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, इन्दू चित्रगुप्त, प्रतिमा श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, संध्या पाण्डेय, संजू श्रीवास्तव, सविता श्रीवास्तव, किरन पाण्डेय, उर्मिला पाठक, शैल पाण्डेय, संगीता टिगरीवाल, अविनाश श्रीवास्तव, संज्ञा श्रीवास्तव, सुमन, रागिनी, प्रतिभा श्रीवास्तव आदि ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये कहा कि सामूहिक प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा। शनेश्वर मंदिर के संस्थापक पं. सरोज मिश्र के संयोजन में आरती सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम में राजेन्द्रनाथ तिवारी, अखिलेश सिंह, अजय गौतम, उमंग शुक्ल, राहुल श्रीवास्तव, रामानंद नन्हे भइया, संरक्षक परमेश्वर शुक्ल, गोपेश्वर त्रिपाठी, डा. कृष्ण कुमार प्रजापति, डा. बी.के. श्रीवास्तव, रमेश संजय, अतुल चित्रगुप्त, अवनीश सिंह, दुर्गेश श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, राजेश, विजय सिंह, रूपेश श्रीवास्तव, सन्तोष शुक्ला, मुकेश श्रीवास्तव, दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव, आदर्श श्रीवास्तव, रणदीप माथुर, सौरभ तिवारी, मुजीब, अमृतपाल 'सनम' आशीष शुक्ल, अभिषेक गुप्ता, इस्माइल, अमित चौबे, राजकुमार शुक्ल, सूर्य कुमार शुक्ल, अमरमणि पाण्डेय, सुनील गुप्ता, दुर्गेश श्रीवास्तव, अंशुल आनन्द, राम विनय पाण्डेय, रिंकू सिंह, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' राजेश श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, अपूर्व शुक्ला, सूरज गुप्ता, उमेश श्रीवास्तव, नीरज सिंह, अयाजुर्रहमान, वरूण यादव, दीपू श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, अमर सोनी, जय प्रकाश उपाध्याय, अशोक श्रीवास्तव, देवेन्द्र श्रीवास्तव, के साथ ही हजारों की संख्या में लोगों ने आस्था के इस महान संकल्प में योगदान दिया. प्रशासन द्वारा सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था का व्यापक प्रबन्ध किया गया था।

अवधेश को मिला एडूलीडर्स सम्मान, लोगों ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय गौराबाजार के सहायक अध्यापक अवधेश कुमार सिंह को शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन, नामांकन में वृद्धि, नवाचारों, आईसीटी के प्रयोग, उपस्थिति में वृद्धि, निपुण भारत मिशन की दक्षताओं के विकास में उल्लेखनीय योगदान पर एडूलीडर्स सम्मान से पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विभाग मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा सम्मानित किया गया। अवधेश सिंह ने बताया कि सर्वेंद्र विक्रम प्रताप सिंह(पूर्व शिक्षा निर्देशक उ0प्र0) एवं आशुतोष द्विवेदी (अंतराष्ट्रीय रामायण शोध संस्थान अयोध्या) के मौजूदगी में नेडा प्रशिक्षण केंद्र, लखनऊ में पिछले शुक्रवार को विकसित उत्तर प्रदेश - विकसित भारत @2047 विषयक शिक्षक संगोष्ठी एवं एडूलीडर्स सम्मान कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। जिसमें सिद्धार्थ नगर जनपद से एडूलीडर्स के रूप में पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय गौराबाजार,शोहरतगढ़ के सहायक अध्यापक अवधेश कुमार सिंह का नाम प्रस्तावित किया गया था। शिक्षक अवधेश कुमार सिंह के सम्मानित होने पर डॉ आशुतोष सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ (जूनियर हाईस्कूल) जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, अतीउल्लाह, लालजी यादब, ब्रह्म प्रकाश सिंह, अनुपम सिंह, अंशुमान सिंह, मुस्तन शेरुल्लाह, अभय कुमार, वेदप्रकाश, सुमित कुमार, इमामुद्दीन, शिवकुमार, पृथ्वी पाल, राकेश राज, कृपा शंकर त्रिपाठी, सुरेंद्र प्रसाद,अखिलेश कुमार, विनोद बजाज, राजकुमार आदि लोगों ने बधाई दी है।

संक्षिप्त खबरें

135 वीं जयंती पर प्रेस क्लब में गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए

कानपुर। पत्रकार प्रलोभन और भय को कुचल लोक-कल्याण के लिए सकारात्मक पत्रकारिता करें। यही गणेश शंकर विद्यार्थी ने किया और एकता के लिए शहादत देकर अमर हो गए ये विचार कानपुर प्रेस क्लब की ओर से नवीन मार्केट स्थित कार्यालय में गणेश शंकर विद्यार्थी जी की 135 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में वक्ताओं ने व्यक्त किए अध्यक्ष सरस वाजपेई ने सकारात्मक और जनोपयोगी पत्रकारिता का संदेश दिया द्य महामंत्री शैलेश अवस्थी ने विद्यार्थी जी से जुड़े संस्मरणों और उदाहरणों के जरिये कहा कि प्रलोभन में फंसे और निडर होकर पत्रकारिता करें और यही विद्यार्थी जी ने सिखाया है वरिष्ठ पत्रकार आलोक पांडे ने कहा कि पत्रकार तथ्यों और सत्य पर आधारित निडर होकर खबर लिखें तो उसका असर बड़ा होता है इस मौके पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, मंत्री शिवराज साहू, मोहित दुबे, कोषाध्यक्ष सुनील साहू, अभिषेक मिश्र, मयंक मिश्र, रोहित निगम, उत्सव शुक्ला, राहुल मिश्र,गगन पाठक,नौशाद, अभिषेक मिश्रा, सरवन, अभिषेक मयंक सैनी, ज़हीर खान,सहित कई पत्रकार मौजूद रहे सभी ने विद्यार्थी जी के चित्र पर फूल चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी

महाराज पुर क्षेत्र में आयल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

घाटमपुर- कानपुर नगर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना महाराज पुर क्षेत्र के तिलसहरी बुजुर्ग गांव के समुद्र शनिवार देर रात करीब साढ़े दस बजे एक मोबिल ऑयल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई,आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी, सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची,और आग बुझाने के प्रयास में जुट गई,दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए कड़ी कर रहे हैं, जाजमऊ फायर स्टेशन प्रभारी राहुल नन्दन ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, उन्होंने कहा कि अभी तक किसी जनहानि की कोई सूचना नहीं है,आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, और मामले की छानबीन में जुट गई।

सरसौल ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत बौसर में सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन

घाटमपुर- कानपुर के सरसौल विकास खंड स्थित बौसर गांव के काली माता मंदिर और बजरंग बली मंदिर में सुंदरकांड पाठ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया,यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है,इस आयोजन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया,बौसर,सेरूवा,और पोखरा, जैसे क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने मां काली,और बजरंग बली की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया, कार्यक्रम के दौरान पूरा क्षेत्र भक्ति मय माहौल में डूबा रहा,कई स्थानों पर काली माता के साथ हनुमान जी और अन्य देवी-देवताओं की विशेष पूजा की गई, सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन अनन्ती साहू, और राहुल साहू ने किया, भंडारे में पप्पू,जय साहू,और अमित साहू, सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास के अभियोग का अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग से संबंधित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। घटना के बावत बीते 19 जुलाई को थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत स्टेशन रोड, सीताराम गली से पिकअप गाड़ी गायब हो जाने की सूचना वादी द्वारा पुलिस को दी गई।आस-पड़ोस में काफी खोजबीन के पश्चात भी वाहन का कोई सुराग नहीं मिला। अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाहन चोरी की आशंका व्यक्त की गई है। उक्त के संबंध में थाना कोतवाली नगर में मु0अ0सं0 329/25 धारा 303(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। पूर्व में 26/27 जुलाई को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान थाना अन्तू क्षेत्रान्तर्गत कारीघाट पुल से पूर्व ईशीपुर ढेकाही गांव जाने वाले मार्ग पर पुलिस मुठभेड़ के दौरान अभियोग से संबंधित अभियुक्त मोहम्मद तबसीर उर्फ मोहम्मद तफसीर पुत्र मोहम्मद सादिक निवासी महमूदपुर ज्ञानीपुर थाना शिवगढ़ जनपद सुल्तानपुर को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान अभियुक्त पप्पू उर्फ मोहम्मद तौफिक मौके से फरार हो गया, जिसके संबंध में मु0अ0सं0 346/25 धारा 109(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।उक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा था। थाना कोतवाली नगर के उप निरीक्षक अंकित श्रीवास्तव मय हमराह का0 कणाद मुनी व का0 नागेन्द्र खरवार द्वारा देखभाल क्षेत्र/ तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त व संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 346/25 धारा 109(1) बीएनएस थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित अभियुक्त पप्पू उर्फ मो0 तौफिक पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी श्रीनाथ पुर थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 45 वर्ष को थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत रेलवे स्टेशन पार्किंग प्रतापगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

नौकरी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म; पहले बहाने से बुलाया पटना और फिर जबरन किया..

बिहार की राजधानी पटना से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक युवक ने नौकरी का झांसा देकर एक लड़की से जबरन दुष्कर्म किया। वहीं, पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के कदमकुआं के काजीपुर इलाके का है। पीड़िता सुल्तानगंज की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि पीड़िता नौकरी की तलाश कर रही थी, तभी इंस्टाग्राम पर उसकी मुलाकात खगड़िया के रहने वाले युवक से हुई। युवक ने लड़की को अपनी मीठी बातों में फंसा लिया और बीते मंगलवार को नौकरी लगवाने का झांसा देकर काजीपुर नया टोला स्थित अपने किराए के कमरे में बुला लिया। वहां पर उसने लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किया। वहीं, घटना के बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक राजवीर को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पीड़ित छात्रा को जांच के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

कांग्रेस सेवा दल कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है - डॉ.नीरज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ल के नेतृत्व में रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय,इन्दिरा भवन, प्रतापगढ़ में ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी रहे।ध्वज वंदन कार्यक्रम के शुरुवात में कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने झंडारोहण कर झंडे को सलामी दी। उसके उपरान्त वन्दे मातरम गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुवात हुई।कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर जनसंपर्क कर लोगों को जागरुक किया गया।अन्त में राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम समाप्त किया गया ज्ञातव्य हो कि कांग्रेस सेवादल का महीने के आखिरी रविवार को सभी जनपदों में ध्वजवन्दन कार्यक्रम आयोजित होते है।कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी एवं कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ल ने संयुक्त रूप से कहा कि कांग्रेस सेवादल कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है।पार्टी को जब भी जरूरत होती है सेवादल के साथी पूरी ताकत के साथ पार्टी के लिए समर्पित रहते हैं द्य ध्वज वंदन कार्यक्रम के तहत सेवादल के साथी गाँव गाँव, घर घर जाकर लोगों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत कराकर प्रचार प्रसार कर रहे है द्यकार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष राम रतन तिवारी, जिला महासचिव भवानी शंकर द्विवेदी, जिला महासचिव अभय किशोर त्रिपाठी, देवमणि पाण्डेय व कल्लू सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर महाराज पुर थाने का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर- कानपुर नगर के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने शनिवार रात महाराज पुर थाने का औचक निरीक्षण किया,इस दौरान उन्होंने चौकीदारों से पुलिसिंग व्यवस्था की जानकारी ली,बैरक और रजिस्टरो का निरीक्षण किया, तथा थाने की व्यवस्था का जाएजा लिया, कमिश्नर के अचानक पहुंचने से थाने में मौजूद पुलिस कर्मियों में हलचल मच गई, उन्होंने विवेचकों को निर्देश दिए कि वे सभी विवेचनाओं का समय पर निस्तारण करें,और आईजीआरएस पोर्टल पर सही व पारदर्शी रिपोर्ट लगाए,साथ ही अपने कर्तव्यों निर्वहन इमानदारी से करें, उन्होंने थाना प्रभारी संजय कुमार पाण्डेय को निर्देश दिए कि तहसील प्रशासन के साथ मिलकर थाना दिवस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें, पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने पुलिस कर्मियों से कहा कि फरियादियों से सौम्य व्यवहार रखें, और उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें संतुष्ट करें, निरीक्षण के दौरान कमिश्नर महिला हेल्प डेस्क पर भी पहुंचे और महिला सुरक्षा तथा अपराधों की स्थिति की जानकारी ली, उन्होंने कहा कि सभी पुलिस कर्मियों से कहा कि लंबित मामलों के निस्तारण में देरी न करें ,और अपने कार्यो को ईमानदारी से अंजाम दे, पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने सख्त हिदायत दी कि कार्य के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने थाना परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, जब्त वाहनों के रखरखाव और बैरक की स्थिति का भी बारीकी से निरीक्षण किया,साफ सफाई और कार्यप्रणाली से संतुष्ट होकर उन्होंने पुलिस कर्मियों को बधाई दी और निर्देश दिए कि थाने की व्यवस्था इसी तरह सुचारू और अनुशासित बनी रहनी चाहिए।

पुलिस कर्मियों की पिटाई से घायल युवक के परिजनों से मिले विधायक

सिद्धार्थनगर। जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में 22 अक्टूबर के रात्रि में मां लक्ष्मी की प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस द्वारा युवक रजनीश पटेल को बर्बरता पूर्ण मारने पीटने के कारण घायल हुए रजनीश पटेल के घर नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड नंबर 4 गांधीनगर चंपापुर पहुंचकर विधायक श्याम धनी राही ने पीड़ित परिवार से मिलकर घायल रजनीश पटेल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की एवं पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने एवं दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की बात कही वही इस मामले में एडीजी एवं डीआईजी से जिला मुख्यालय पर सदर विधायक ने मुलाकात कर घटना की घोर निंदा की एवं पुलिसकर्मियों पर कठोरतम कार्रवाई करने के लिए कहा।

सरसौल खंड विकास में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान प्रशिक्षण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर/कानपुर। नगर के सरसौल खंड विकास सभागार में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में सीएससी ई -डिस्ट्रिक्ट और सर्विस प्लस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पंचायत सहायकों और सचिवों को प्रशिक्षित किया गया,यह प्रशिक्षण संस्था ई-आश्रम द्वारा सरसौल ब्लाक के सभी पंचायत सहायकों और सचिवों के लिए आयोजित किया गया था, इसमें ई- डिस्ट्रिक्ट की विस्तृत जानकारी दी गई,साथ ही पंचायत सहायकों को ओआरएस/आनलाइन, सेवा रजिस्टर,के बारे में भी बताया गया, प्रशिक्षण का उद्देश्य यह समझाना था कि ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं से ग्रामीणों के समय और पैसे दोनों की बचत कैसे होती है, जनपद कानपुर में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ,ई-आश्रम की ओर से मुख्य प्रशिक्षक विवेक त्यागी, और करूणा उपस्थित रहे, जिला पंचायती राज अधिकारी ने इस कार्यक्रम की निगरानी की, जबकि डीपीएम हिमांशु श्रीवास्तव और शैफाली ने इसके सफल संचालन में सहयोग किया, खंड विकास सरसौल का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सागर प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया, था, इसमें सरसौल ब्लाक के सभी सचिव और पंचायत सहायक उपस्थित रहे,इस अवसर पर विष्णु कुमार, शुभम् यादव, बीरू कुशवाहा, रितिक गुप्ता,श्वेता सिंह,सोनिक, दीपिका तिवारी,शिखा,दीक्षा गुप्ता,काजल, गरिमा, अंकिता शिवम् कुशवाहा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

भगवान को सबसे प्रिय है भक्ति-आचार्य नीरज कृष्ण जी

● भवानीगढ़ में श्रीमदभागवत कथा में प्रसंगों को सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर क्षेत्र के ओझा का पुरवा भवानीगढ़ में हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में रविवार को प्रहलाद चरित्र व समुद्र मंथन तथा श्रीराम कथा एवं कृष्णावतार समेत भगवान द्वारिकाधीश के लोकावतार की कथा सुनकर भक्त मंत्रमुग्ध दिखे। कथाव्यास श्रीधाम अयोध्या से पधारे आचार्य नीरज कृष्ण पाण्डेय जी महाराज ने कहा कि जीवन में सदैव कर्म की प्रधानता हुआ करती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के कर्म से ही उसे स्वर्ग व नरक की प्राप्ति हुआ करती है। कथावाचक नीरज जी ने बताया कि भगवान जगत के उद्धारक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान को सबसे ज्यादा भक्ति प्रिय है। उन्होंने बताया कि भक्ति जिस रूप में की जाती है उसी रूप में भगवान उसे स्वीकार भी किया करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति सच्चे मन से अनुराग रखने पर जीवन को कभी भी दुख की अनुभूति नही हुआ करती। आचार्य नीरज कृष्ण जी ने ध्रुव चरित्र तथा प्रियव्रत चरित्र जैसे प्रसंगों को रखते हुए कहा कि जीवन का भार सदैव भगवान को समर्पित करना चाहिए। भगवान के बतलाये रास्ते पर चलते हुए जीव समस्त लोको में मंगल सुख प्राप्त किया करता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में यह उपदेश दिया है कि जन्म और मृत्यु के चक्रव्यूह में उलझने की जगह मनुष्य को जीवनकाल में सदकर्म को अपना आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदकर्म और नीति का आचरण अन्तःकरण को पवित्र रखता है। कथा के दौरान भगवान राधेकृष्ण के मनमोहक भजनो को सुनकर श्रद्धालु भक्तिभाव में निहाल दिखे। कथा के संयोजक पूर्व प्रधान रामकरन ओझा ने समाजसेवी रामखेलावन ओझा व लक्ष्मी नारायण ओझा के साथ व्यासपीठ का वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य पूजन किया। कलावती एवं शिवकुमारी ने स्वागत तथा विजय ओझा ने आभार जताया। इस मौके पर अजीत मिश्र, हरभजन शुक्ला, परशुराम क्रोधी, वीरेन्द्र ओझा, राघवेंद्र ओझा, सुरेन्द्र ओझा, आल्हा पाण्डेय, देवतादीन यादव, डा0 त्रिभुवन चौबे, महावल सरोज आदि रहे।

बदमाशों की फायरिंग में युवक घायल, आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

● एसपी ने मौके का निरीक्षण कर कोतवाली पुलिस की कसी लगाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के गोविन्दपुर पूरे अनिरूद्ध गांव में बदमाशों द्वारा युवक को गोली मारने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिले के अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय मौके पर पहुंचे। एएसपी के पहुंचने के पहले सीओ लालगंज आशुतोष मिश्रा ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटना को लेकर पांच नामजद तथा एक अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गम्भीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के गोविन्दपुर पूरे अनिरूद्ध गांव के कमलेश कुमार तिवारी के पुत्र कुलदीप तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पचीस अक्टूबर को रात करीब पौने आठ बजे बाइक सवार पांच छह बदमाश उसके घर के समीप जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी मनऊदुबे का पुरवा गांव के मंनदीप द्विवेदी पुत्र रामजी द्विवेदी, बीरसिंहपुर जंगल निवासी राजा तिवारी पुत्र राकेश तिवारी व गोविन्दपुर निवासी राज द्विवेदी पुत्र राजेश द्विवेदी तथा वीरसिंहपुर के अमन सिंह एवं एक अज्ञात ने उसपर जानलेवा हमला किया। आरोपियों द्वारा फायरिंग में पीड़ित को छाती व सिर पर गोली लग गयी। पुलिस ने तहरीर पर शनिवार की देर रात केस दर्ज किया। पुलिस ने घटना से जुड़े कुछ संदिग्धों को पूंछताछ के लिए हिरासत में भी लिया है। हमले में घायल कुलदीप तिवारी को आनन फानन में लालगंज ट्रामा सेंटर लाया गया। यहां पुलिस की देखरेख में प्रारंभिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेजवाया गया। वहां भी घायल युवक की स्थिति नाजुक देख उसे प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। रविवार को भी घायल का प्रयागराज में इलाज जारी बताया गया। घटना की जानकारी पर एएसपी बृजनंदन राय देर रात गोविन्दपुर गांव पहुंचे। एसपी ने लालगंज सीओ आशुतोष मिश्रा तथा कोतवाल आलोक कुमार को आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ घटना के खुलासे को लेकर कड़े निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि घायल युवक के खिलाफ भी आपराधिक केस दर्ज है। वहीं उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी मंदीप के खिलाफ भी गैंगेस्टर समेत कई मुकदमे दर्ज है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक घटना को लेकर विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। वहीं गांव में गोली बारी की घटना को लेकर रात भर अफरा तफरा का माहौल दिखा। रविवार को भी पुलिस आरोपियों की तलाश में मशक्कत करती देखी गयी।

बिना तप किए जीवन में मोक्ष प्राप्ति संभव नहीं - पंडित मनीष शास्त्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी तहसील अंतर्गत ग्राम ढिंढुई ग्राम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में पधारे विद्वान कथावाचक पण्डित मनीष गौतम शास्त्री ने कथा के चौथे दिन कहा कि ईश्वर भक्ति सर्वोपरि है। ईश्वर की भक्ति के लिए किसी मुहूर्त का इंतजार नहीं करना चाहिए। व्यक्ति को जीवन में चल कपट से दूर निश्चल भाव रखना चाहिए। रविवार की कथा में कथावाचक शास्त्री ने भरत चरित्र प्रहलाद चरित्र वामन अवतार समुद्र मंथन गजेंद्र मोक्ष सूर्यवंश चंद्र वंश के इतिहास की व्याख्या करते हुए भगवान कृष्ण के जन्म कथा का भावपूर्ण श्रवण कराया। इस संगीत मयी कथा में यजमान जयप्रकाश सिंह पत्नी श्रीमती तारा सिंह के साथ ओम प्रकाश सिंह, पूर्व प्राचार्य रामेश्वर प्रताप सिंह,कथा आयोजक सत्यजीत सिंह बुलेट, मंगरौरा के भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह, विजय प्रताप सिंह,योगेश प्रताप सिंह, सब रजिस्ट्रार अभिषेक सिंह अभय सिंह एडवोकेट, फतेह बहादुर सिंह,संतोष सिंह, शिवाजी सिंह, सौरभ सिंह, उदय सिंह आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

6 साल की बच्ची से अधेड़ ने की हैवानियत, दर्द से चिल्लाई बच्ची तो मौके पर पहुंचे लोग, वहीं धरा गया आरोपी...

वाराणसी- उत्तर प्रदेश में भोले की नगरी वाराणसी से एक हैवानियत भरी घटना सामने आया है। दरअसल, यहां पर एक अधेड़ व्यक्ति 6 साल की मासूम से दरिंदगी कर रहा था। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और आरोपी पकड़कर पिटाई कर दी। आपको बता दें कि पूरा मामला जिले के मामला लालपुर पाण्डेयपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस को जैसे ही घटना की सूचना मिली मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी आजमगढ़ का रहने वाला है। वह वाराणसी में किराए पर रहता है। वह पेशे से बेड मिस्त्री है और हुकुलगंज, दैतरा, बीर बाबा के पास अपनी फर्नीचर की दुकान चलाता है। आरोपी की पहचान मिलन के नाम से हुई मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया। आरोपी की पहचान मिलन के नाम से हुई है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि बच्ची की उम्र लगभग 6-7 साल है और वह स्थानीय बंगाली कूड़ा बिनने वालों के परिवार की है।

सिद्धार्थनगर में युवक को मारने पीटने के मामले में आरोपी पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज

● पीड़ित परिवार से मिले एडीजी एवं डीआईजी

आरोपी पुलिस कर्मियों के गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में 22 अक्टूबर की रात्रि में लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन से वापस आ रहे लोगों द्वारा उंजी पेट्रोल पम्प के पास एक अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था मे पड़ा हुआ दिखाई दिया, नजदीक जाकर उन लोगों द्वारा देखा गया तो उन्ही के गांव का रजनीश पटेल पुत्र अशोक कुमार निवासी वार्ड न-04 गांधीनगर बर्डपुर न09 चम्पापुर नगर पंचायत व थाना कपिलवस्तु निवासी पाया गया । जिसे उन लोगों द्वारा बर्डपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गये जहाँ से डाक्टर द्वारा उसे मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया तथा वहां से मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया जहाँ से लखनऊ रेफर कर दिया गया जहाँ इलाज चल रहा है । इस संबंध में पुलिस द्वारा जांच किया गया तो ज्ञात हुआ कि 22 अक्टूबर की रात्रि में थानाक्षेत्र कपिलवस्तु में स्थित ग्राम चम्पापुर की मूर्ति विसर्जन के लिए मोहाना पुल थानाक्षेत्र मोहाना के लिए जा रही थी कि मूर्ति को रोकने की बात को लेकर पुलिसकर्मियो द्वारा रजनीश पटेल को अपने मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाया गया । जो बाद में उंजी पेट्रोल पम्प के पास गिरा पाया गया जिससे काफी चोटिल हो गया तथा पुलिसकर्मी उसे वही छोड़कर चले गये । घटना की सूचना पर 25 अक्टूबर को संजीव त्यागी, पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली गयी तथा 26 अक्टूबर को मुथा अशोक जैन अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन गोरखपुर के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा घटना के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी ली गई तथा पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती तथा अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन गोरखपुर द्वारा मजरूब रजनीश के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात किया गया तथा उन्हें आश्वस्त किया गया कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी । जबकि 25 अक्टूबर को उक्त प्रकरण में चारों सिपाहियों को निलम्बित कर दिया गया है तथा थाना प्रभारी को भी पुलिस लाइन हाजिर कर निलंबित कर दिया गया । सभी अधिकारियों द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लिया गया है । आरोपी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है । घटना के सम्बन्ध मे घायल के भाई अवनीश पटेल की लिखित तहरीर पर थाना मोहाना पर मु0अ0स0 152/2025 धारा 109(1), 140(1)भारतीय न्याय संहिता-2023 पंजीकृत किया गया है तथा गिरफ्तारी के 02 क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में 07 टीमों का गठन किया गया है तथा इन्हे निर्देशित किया गया है कि त्वरित गिरफ्तारी किया जाए । पीड़ित के इलाज में लखनऊ पुलिस का सहयोग लिया जा रहा है । प्रकरण का अनुश्रवण उच्चाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है ।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित बहू सम्मेलन में महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत रविवार को त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के सरोवर कठौतिया में बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में महिलाओं को महिला कांस्टेबल प्रीती व कंचन सिंह के द्वारा सुरक्षा के लिये सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गई।साथ ही महिलाओं के लिये चलाई जा रही सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं प्रधानमंत्री उज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना,कन्या सुमंगला योजना,सुकन्या समृद्धि योजना,सहित अन्य के बारे में बताते हुए साइबर अपराध के बारे में सर्तक किया गया। उन्होंने ने बताया कि महिलाएं अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं।किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ तत्काल पुलिस में शिकायत करनी चाहिए।जुर्म सहने से अपराधियों के हौसले बढ़ते है,जिससे कई महिलाएं उनका शिकार बन जाती है।इस दौरान महिलाओं से उनके समस्याओं के बारे में भी पूछा गया और कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही है। उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक तालीमुद्दीन खान ने उपस्थित लोगों को बताया कि किसी भी तरह की महिला उत्पीड़न, स्कूल आते-जाते समय शोहदों के द्वारा बच्चियों को फब्तियां कसने वालों की शिकायत टोल फ्री नंबरों या फिर सीधे थाने पर महिला हेल्प डेस्क पर आकर शिकायत दर्ज करा सकती है। इस दौरान धनंजय दूबे,सत्य प्रकाश यादव, महेंद्र मौर्य,संजय कश्यप, अनीता, आदि मौजूद रहीं।

1 किलो 140 ग्राम अवैध गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। आपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना प्रभारी लीलापुर के उप निरीक्षक दीपक कुमार यादव मय हमराह का हरेन्द्र सिंह, का0 विनय कुमार व का0 प्रमेश यादव द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी व नाजायज कारोबार करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।उ0नि0 दीपक कुमार यादव मय हमराह का हरेन्द्र सिंह, का0 विनय कुमार व का0 प्रमेश यादव द्वारा क्षेत्र में देखभाल क्षेत्र तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त एवं संदिग्ध व्यक्ति वाहन चेकिंग के दौरान थाना लीलापुर क्षेत्रान्तर्गत बाबूगंज सगरासुन्दरपुर रोड पर पुलिस चौकी तिराहे ग्राम डीहमेंहदी बाबूगंज से के पास दबिश देकर अभियुक्त रवि कुमार मिश्रा पुत्र स्व0 चन्दिका प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम चन्दापुर थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 किलो 140 ग्राम अवैध गाजा व गांजा बिक्री के 320 रूपये नगद, 01 साइकिल बरामद की गयी। जिसके संबंध में थाना लीलापुर पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

रूस ने कीव पर ड्रोन से हमले किए, तीन लोगों की मौत

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई।

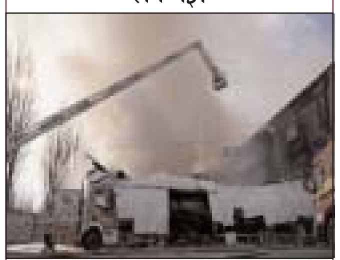

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात ड्रोन से हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कीव पर लगातार दूसरी रात हुए हमले में कम से कम 29 लोग घायल हो गए, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई। आपातकालीन दल ने नौ मंजिला इमारत और 16 मंजिला इमारत से निवासियों को निकाला। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 101 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 90 को यूक्रेनी बलों ने मार गिराया। हालांकि, ड्रोन से हुए हमलों में चार स्थानों पर नुकसान पहुंचा।

पूजा कर लौट रहे पुजारी पर चाकू से जानलेवा हमला, तोड़फोड़ के विरोध का बदला; अज्ञात हमलावर फरार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एक पुजारी पर अज्ञात बदमाशों ने शुक्रवार देर रात चाकू से वार कर घायल कर दिया। पुजारी के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित स्वजन का दावा है कि पुजारी पर रंजिशन अज्ञात बदमाश बुलाकर हमला कराने का आरोपकराया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। सूरजपुर कस्बे में देवेंद्र शर्मा उर्फ देवा पंडित परिवार के साथ रहते हैं। उनके पूर्वजों ने सूरजपुर कस्बे में प्राचीन बाराही मंदिर का निर्माण कराया था। जहां हर साल ऐतिहासिक बाराही मेला भी लगाता है। पीड़ित का आरोप है कि वह शुक्रवार रात 10 बजे के करीब मंदिर से पूजा-पाठ कर घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में तीन चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया। उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। धारदार हथियार से पेट पर वार किया, जिससे वह घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर लोगों को एकत्र होता देख आरोपित मौके से फरार हो गए।

मंदिर में तोड़फोड़ का किया था विरोध

पीड़ित स्वजन संग पुलिसकर्मियों ने उन्हें घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़ित का दावा है कि उनपर रंजिशन हमला हुआ है। कुछ लोगों ने मंदिर के नाम पर एक समिति का गठन कर मंदिर में तोड़फोड़ की। जिसका उन्होंने विरोध किया था। आरोप है कि हमलावर तभी से उनसे रंजिश मानते हैं। पीड़ित स्वजन का आरोप है कि 29 सितंबर को भी समिति में शामिल कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी।

शादी में राजस्थान गया था करोबारी, चोरों ने घर से साफ की लाखों की नकदी और जेवर

आगरा। थाना एत्मात्दौला क्षेत्र के नगला फतूरी यमुना ब्रिज से चोर खाली मकान से लाखों की नकदी और आभूषण चोरी कर ले गए। परिवार अपनी बहिन के यहाँ शादी में शामिल होने कोटा गया था। घटना की जानकारी उन्हें उसके बहनोई ने दी थी।

राजस्थान गया था कारोबारी

नगला फतूरी यमुना ब्रिज के रहने बाले डब्बा कारोबारी अब्दुल रहमान उर्फ़ अज्जू भाई अपनी पत्नी राशिदा सहित 24 अक्टूबर को शाम सात बजे अपनी बहन श बीना के यहाँ शादी में शामिल होने कोटा राजस्थान गए थे। अज्जू के मकान के पास उनके बहनोई के पशु रहते है। शनिवार रात्रि करीब बारह बजे अज्जू के बहनोई मो शकील उन्हें चारा डालने गए थे। तभी उन्हें अज्जू के घर में बंदर घूमते दिखाई दिए। दरवाजे बंद होने के बाद भी मकान में बन्दर घूमते देख उन्हें शक हुआ। भीतर जाकर देखा तो, कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था। कमरे में रखी अलमारी से चोर सात तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी, और दो लाख की नकदी ले गए। चोरो ने अलमारी के दरवाजे को मास्टर चाबी से खोला था। उसमे भीतर रखी दूसरी चाबियों से अलमारी का दरवाजा बंद कर लौक लगा गए। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया है कि अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

तीन नगरपालिकाओं में दोहराया गया भ्रष्टाचार का पैटर्न! धनपुरी में फिर विवादों में सीएमओ पूजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी

शहडोल- राज्य नगरीय सेवा की अधिकारी पूजा बुनकर पर लगातार तीसरी बार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिवनी और करेली नगरपालिकाओं में भ्रष्टाचार के मामले सिद्ध होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, और अब धनपुरी नगर पालिका में भी उन्हीं जैसी अनियमितताओं के संकेत सामने आए हैं। कर्मचारियों को पहले वर्दी बांट दी गई, बाद में उसी की 8.72 लाख रुपये की निविदा जारी कर औपचारिकता निभाई गई।

सिवनी से शुरू हुआ भ्रष्टाचार का सिलसिला

सिवनी नगर पालिका में 2 जून 2022 से 1 मार्च 2023 तक सीएमओ रहते हुए पूजा बुनकर पर हाईमास्क व एलईडी लाइट खरीदी, फिनोलिक पाउडर सप्लाई और भुगतान में गड़बड़ियों के आरोप साबित हुए।

जांच में यह पाया गया कि खरीदी में मनमानी से नगर पालिका को करीब 7.16 लाख रुपये का नुकसान पहुंचा। बावजूद इसके, कार्रवाई की फाइल मंत्रालय की अलमारी में ही बंद रह गई। यह पहली घटना थी जिसने विभाग की निष्क्रियता को उजागर कर दिया।

करेली में फिर दोहराया गया वही खेल

अप्रैल से अक्टूबर 2023 के बीच करेली नगर पालिका में पदस्थ रहते हुए पूजा बुनकर ने खरीदी नियमों को फिर ठेंगा दिखाया। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि 37 बार एक लाख की सीमा से अधिक भुगतान किए गए, कई बार बिना स्वीकृति के 20 हजार से ऊपर राशि दी गई। साथ ही, 15 टेबल बिना निविदा प्रक्रिया के खरीदे गए, जिससे लगभग 2.28 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ।इन आरोपों की पुष्टि के बाद 9 अक्टूबर 2024 को विभाग ने आरोप पत्र जारी किया, पर कार्रवाई आज तक नहीं हुई।

धनपुरी में तीसरा अध्याय पहले वर्दी, बाद में निविदा!

अब धनपुरी नगर पालिका में भी वही कहानी दोहराई जा रही है। यहां कर्मचारियों को वर्दी पहले ही बांट दी गई, जबकि बाद में उसी की 8.72 लाख रुपये की निविदा 10 अक्टूबर को जारी की गई। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब वर्दियां पहले ही दी जा चुकी थीं, तो निविदा प्रक्रिया बाद में क्यों?

लोकायुक्त छापे से बढ़ा विवाद

हाल ही में लोकायुक्त रीवा की टीम ने धनपुरी नगर पालिका में 3000 रुपये की रिश्वत लेते एक कर्मचारी को रंगेहाथ पकड़ा। इस प्रकरण से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें 'मैडम' शब्द के उल्लेख से सीएमओ पूजा बुनकर का नाम फिर सुर्खियों में है।हालांकि ऑडियो में 'मैडम' से आशय उन्हीं से है या किसी अन्य से, यह स्पष्ट नहीं, पर इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठे हैं।

ईओडब्ल्यू जांच की मांग तेज

पूजा बुनकर पर सिवनी और करेली दोनों स्थानों पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद कार्रवाई न होना, और अब धनपुरी में वही पैटर्न दोहराया जाना, पूरे नगरीय प्रशासन की साख पर प्रश्नचिन्ह है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से मांग की है कि वह इन तीनों नगरपालिकाओं के मामलों की संयुक्त जांच करे।

अमेरिका बोला- भारत की कीमत पर पाकिस्तान से दोस्ती नहीं:भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी, उन्हें पता है कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करना चाहता है, लेकिन भारत की कीमत पर नहीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रुबियो ने बताया कि अमेरिका और पाकिस्तान पहले से ही आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करते रहे हैं, लेकिन इससे भारत के साथ उसकी अच्छी दोस्ती को कोई नुकसान नहीं होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत ने अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर चिंता जताई, तो रुबियो ने कहा कि भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी है। वे जानते हैं कि हमें कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं। उनके भी कुछ देशों से रिश्ते हैं। यह समझदारी भरी विदेश नीति का हिस्सा है।

पाकिस्तान से फिर रणनीतिक दोस्ती बनाना चाहते हैं

पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर एक पत्रकार ने सवाल किया कि क्या यह दोस्ती इसलिए बढ़ी क्योंकि अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने में मदद की। इस पर रुबियो ने कहा कि नहीं, मुझे लगता है हमने इससे पहले ही पाकिस्तान से बात शुरू की थी। हम उनके साथ रणनीतिक दोस्ती फिर से बनाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम कई चीजों पर एक साथ काम कर सकते हैं।

रुबियो बोले- हमारा काम दोस्ती का रास्ता ढूंढना

रुबियो ने कहा- हमें पता है कि भारत-पाकिस्तान के बीच पुराने तनाव हैं, लेकिन हमारा काम है कि जितने देशों के साथ हो सके, दोस्ती के रास्ते ढूंढें। हम पाकिस्तान के साथ आतंकवाद के खिलाफ काम करते आए हैं और अब इसे और बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन यह भारत या किसी और के साथ हमारे अच्छे रिश्तों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ हम जो कर रहे हैं, वह भारत के साथ दोस्ती को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद मजबूत हुए पाकिस्तान-अमेरिका के रिश्ते

इसी साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने का दावा किया था, पाकिस्तान ने इस दावे का सपोर्ट किया और ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट भी किया।

वहीं, जून में पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने ट्रम्प से सीक्रेट मुलाकात की थी। इसके बाद सितंबर में शहबाज शरीफ और मुनीर ने व्हाइट हाउस में ट्रम्प के साथ बैठक की थी, इस बैठक में शरीफ ने ट्रम्प को शांति दूत कहा था।

अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने इसी महीने अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया था। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं।

प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

पिछले साल दोनों देशों में 10 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

2024 में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच 10.1 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था, जो 2023 के मुकाबले 6.3% ज्यादा है। अमेरिका ने 2.1 अरब डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया और 5.1 अरब का इम्पोर्ट किया। अमेरिका का व्यापार घाटा 3 अरब डॉलर रहा। ट्रम्प ने पाकिस्तान पर 19% टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50% टैरिफ लगाया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका, पाकिस्तान को चीन से दूर रखने की कोशिश कर रहा है।

भागवत कथा के श्रवण से पापों का उद्धार होता है

● रीवा में भागवत सप्ताह का आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रीवा मध्य प्रदेश। रीवा में भागवत सप्ताह का आयोजन किया गया है जो 24 अक्टूबर से शुरू होकर1 नवंबर तक चलेगा। भागवत कथा के आयोजक भारत गुप्ता के परिवार द्वारा किया गया है। मानक भवन में आयोजित इस कथा में जगद्गुरु वल्लभाचार्य जी ने कहा की ऋषियों का श्राप कभी मिथ्या नहीं होता है।चाहे वह जितना भी बड़ा राजा ही क्यों ना हो। लेकिन उसको अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। पांडव वंश के आखरी वंशज राजा परीक्षित जब सिंहासन पर बैठे तो उन्हें भी अपने किए गए कर्मों का फल भोगना पड़ा। और एक ऋषि के श्राप से मृत्यु से नहीं बच पाए। उन्होंने उस ऋषि की तपस्या को खंडित करने के लिए मरे हुए सांप को उनके गले में डाल दिया था और जब ऋषि का ध्यान टूटा तो उन्होंने इस दृष्टता के लिए राजा परीक्षित को श्राप दे दिया ।यही सांप तुम्हें 7 दिन के अंदर डसेगा और उसी से तुम्हारी मौत होगी।

राजा परीक्षित ने ऋषि के श्राप से बचने के लिए सारे प्रयास किया और पूरा राजतंत्र लग गया राजा परीक्षित को बचाने के लिए इसके बावजूद भी यमराज के रूप में वह सांप माला के फूल में जाकर उनके सिंहासन पर पहुंचा और उन्हें डस लिया जिससे राजा परीक्षित की मृत्यु हो गई। जगद्गुरु वल्लभाचार्य जी ने यह भी बताया की श्राप से भयभीत होकर अपने मोक्ष की प्राप्ति के लिए सुखदेव जी से राजा परीक्षित ने राय लिया तो उन्होंने कहा की राजा आपके पास 7 दिन ही बचा है इसमें केवल आप भागवत सप्ताह की कथा का श्रवण करें तो आपको मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और दूसरा कोई उपाय नहीं है और उन्होंने भागवत में वर्णित भगवान कृष्ण की लीला का बखान किया और उन्होंने से सत्कर्मों की व्याख्या की। इसलिए भागवत की कथा मनुष्य के मोक्ष का साधन का ग्रंथ बन गया है। और हर मनुष्य अपने अंतिम समय में भागवत की कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा मृत्यु सत्य है किसी कीमत पर उससे कोई बच नहीं सकता लेकिन भागवत की कथा सुनने से उसे मोक्ष की प्राप्ति जरूर हो जाएगी। इस अवसर पर गुप्ता का परिवार तथा रीवा के सैकड़ो भक्तगण कथा में भाग लेकर कथा का आनंद उठा रहे हैं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्लीवालों की बढ़ेगी परेशानी, NDMC और MCD ने की पार्किंग रेट दोगुना करने की तैयारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता स्तर बेहद खराब स्थिति में है। इसके कारण ग्रेप दो की पाबंदियां लगी हुई है। इन पाबंदियों में स्थानीय निकायों को लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और निजी वाहनों का उपयोग कम करें, इसको प्रोत्साहित करना होता है। इसके लिए सार्वजनिक पार्किंग के दामों को चार गुणा तक करने नियम है। इस नियम को लागू करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और एमसीडी ने इसकी तैयारी कर ली है। एनडीएमसी के एक अधिकारी ने बताया उनके पास 128 पार्किंग साइट कनाट प्लेस समेत विभिन्न स्थानों पर संचालित हैं। चूंकि ग्रेप दो में पार्किंग के दाम बढ़ाने होते हैं। इसलिए हम इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। सक्षम प्राधिकारी से इसकी मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा। बीते वर्ष भी एनडीएमसी ने यही कार्य किया था। एनडीएमसी के लिए यह लागू करना आसान भी रहता है क्योंकि वह अपने ही कर्मचारियों के जरिये पार्किंग का संचालन करता है। वहीं, एमसीडी फिलहाल पार्किंग के दाम चार गुणा तो नहीं करेगी। क्योंकि पूर्व में सदन से इसकी मंजूरी नहीं मिली थी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह एनडीएमसी की तर्ज पर पार्किंग के दाम दोगुणा करने की तैयारी कर रहे हैं। ताकि शहर में पार्किंग के दाम को लेकर एकरुपता रहे। उन्होंने बताया कि फिलहाल एमसीडी 400 के करीब पार्किंग का संचालन करता है। इसमें सभी पार्किंग ठेकेदारों के माध्यम से चलाई जाती हैं।

विफल साबित हुआ भूमि पूजन- करकटी

सरपंच सचिव के रवैये से परेशान ग्राम पंचायत

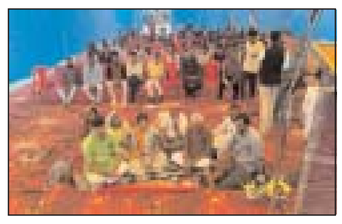

बुढार जनपद सोहागपुर के ग्राम पंचायत करकटी में बीते 10 सालों में ग्राम पंचायत में विकास के नाम पर केवल लुटाई चली और कुछ नहीं, आपको बता दे कि यहाँ की सरपंच के भ्रष्टाचार और सचिव की राजनीति ने जनपद पंचायत को ही कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। जहाँ विकास के नाम पर कार्य तो अनेक हुए हैं पर कोई भी मटेरियल सही नहीं मिला ।

भूमि पूजन में नहीं पहुँचे ग्रामीण

ग्राम करकटी जनपद पंचायत सोहागपुर में साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स सोहागपुर के संयोजन एवं उनके सी. एस.आर. फंड से 60.35 लाख से बनने जा रही सी.सी. रोड के भूमि पूजन कार्यक्रम में एक भी ग्रामीण नहीं पहुँचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल सांसद हिमांद्री सिंह नहीं पहुँचे। जिससे नाराज ग्रामीणों ने कार्यक्रम में न पहुंच कर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर किए हैं। आपको बता दे कि ग्रामीणों ने काफी विरोध के बाद भी सचिव ने 11 सालों से अपना डेरा जमा कर बैठ गया हैं।

यह यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा मुश्किल था, Trump ने फिर भारत-पाक संघर्ष को सुलझाने का श्रेय लिया

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाक संघर्ष को सुलझाने का दावा करते हुए कहा कि यह यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, हालांकि बाद में उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को सबसे मुश्किल बताया। इस विरोधाभासी बयान पर भारत ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, जहां विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना ही दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से शांति स्थापित हुई थी। यह दर्शाता है कि ट्रंप अपनी उपलब्धियों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं।

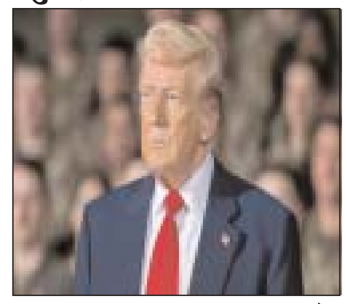

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को समाप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी एशिया यात्रा पर रवाना होने से पहले, ट्रंप ने एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए यह दावा किया और दुनिया भर के संघर्षों को सुलझाने का श्रेय खुद को दिया।

ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान जैसे अन्य संघर्षों को समाप्त करना रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को सुलझाने से भी ज्यादा मुश्किल होगा। ट्रंप ने कहा, 'मैंने इसे (युद्धविराम) रुकवाया और भी हैं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो मैं कह सकता हूं कि मेरे द्वारा किए गए लगभग हर समझौते को रूस और यूक्रेन से ज्यादा मुश्किल माना जाता, लेकिन यह उस तरह से नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन का संघर्ष सुलझाना सबसे चुनौतीपूर्ण है।'

इस महीने की शुरुआत में, ट्रंप ने अपने टैरिफ की धमकियों को 'असली शांतिदूत' बताते हुए दावा किया था कि इनके बिना वह आठ वैश्विक संघर्षों को 'हल' नहीं कर पाते। ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कथित तौर पर वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुई बातचीत के बाद परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण और तत्काल' युद्धविराम कराने में मदद की।

भारत ने खारिज किया दावा

हालांकि, भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत का रुख स्पष्ट है कि शत्रुता को रोकने का निर्णय बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के, दोनों पक्षों के बीच हुई सीधी बातचीत के माध्यम से लिया गया था।

साहित्य चेतना समाज ने आयोजित किया सामान्य ज्ञान, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता

● बच्चों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है साहित्य चेतना समाज - डॉ. नीरज त्रिपाठी

बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक हैं प्रतियोगिताओं का आयोजन - अमरनाथ तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में आज मीरजापुर नगर के भरुहना चौराहा स्थित विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय में सामान्य ज्ञान,निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह,मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता प्रभारी कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने बताया कि विंध्यवासिनी महाविद्यालय के अध्यक्ष, साहित्यकार, ख्यातिलब्ध चिकित्सक डा.नीरज त्रिपाठी इन प्रतियोगिताओं के लिए परीक्षा नियंत्रक हैं। प्रतियोगिताओं को पूरी शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सकुशल व सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रधान कार्यालय गाजीपुर से साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी और संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी पूरे समय परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहे।

डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को साहित्य चेतना समाज भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है। साहित्य चेतना समाज की मिर्जापुर इकाई के प्रभारी आनन्द अमित, प्रतियोगिता प्रभारी सृष्टि राज सहित, आनन्द केशरी, केदारनाथ सविता, कुलभूषण पाठक, विजय कुमार श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, श्रीमती सारिका चौरसिया, श्रीमती नन्दिनी वर्मा, अनिल कुमार चौरसिया और मयंक ने परीक्षा को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्य चेतना समाज द्वारा मिर्जापुर में पिछले वर्ष 2024 में इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का प्रारंभ किया गया था। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में दुगुना बच्चों ने प्रतिभाग किया। लगभग 20 विद्यालयों के डेढ़ सौ बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को भव्य समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। गाजीपुर से आए साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी ने बताया कि साहित्य चेतना समाज लगातार 40 वर्षों से प्रतियोगिताओं का आयोजनगाजीपुर में करवा रही है। जहां हजारों बच्चे प्रतिभाग करते हैं। मिर्जापुर में पिछले वर्ष लगभग 85 बच्चों ने प्रतिभाग किया था इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 150 हो गई है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु बच्चों को तैयार करने का प्रयास हो रहा है।

लॉरेंस गैंग का कुख्यात गैंगस्टर लखविंदर सिंह गिरफ्तार, अमेरिका से डिपोर्ट कर लाया गया

● एसटीएफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कुख्यात गैंगस्टर लखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अमेरिका से डिपोर्ट करके लाया गया। लखविंदर पंजाब में हत्या और जबरन वसूली के मामलों में शामिल था। वह लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुरुग्राम। एसटीएफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए काम करने वाले लखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। इसे अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया। इसके बाद इसे दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया। यह मूल रूप से कैथल के तीतराम गांव का रहने वाला है।

यह 2020 में अपने पासपोर्ट पर जर्मनी चला गया था। यहां इसने जनरल स्टोर और पार्ट टाइम टैक्सी ड्राइवर का काम किया। इसी दौरान यह लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करने वाले संपत नेहरा के संपर्क में आया। उसके जरिए ही वह लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई से मिला। अनमोल बिश्नोई के कहने पर यह अमेरिका गया और गिरोह के लिए काम करने लगा। इसके विरुद्ध कुरुक्षेत्र, सोनीपत, रोहतक, यमुनानगर और कैथल जिले में रंगदारी मांगने के मामले दर्ज हैं। अंबाला जिले में रंगदारी और जानलेवा हमले का भी एक केस है।इस पर हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में रंगदारी मांगने के मामले हैं। इसके विरुद्ध सात दिसंबर 2023 को लुक आउट सर्कुलर और 26 दिसंबर 2024 को रेड कॉर्नर नोटिस हरियाणा ने एसटीएफ ने जारी करवाया था।

एसटीएफ एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि आरोपित को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इससे इसके गिरोह के बारे में जानकारी ली जाएगी। एसपी ने बताया कि विदेश जाने से पहले इस पर कोई मामला नहीं था। वहां जाने के बाद यह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए काम करने लगा और कई मामलों में इसका नाम सामने आया।

हर साल सात लाख नवजातों की मौत: भारत में जन्म के बाद भी देखभाल की कमी बनी चुनौती, विश्व रैंक ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। भारत में हर साल सात लाख से अधिक नवजात शिशु जन्म के 28 दिनों के भीतर दम तोड़ देते हैं, जो दुनिया में होने वाली लगभग 23 लाख नवजात मौतों का 30 प्रतिशत है। यानी विश्व के हर तीन में से एक नवजात मृत्यु भारत में होती है। दिल्ली में यह आंकड़ा हर एक हजार जीवित जन्मों पर 14 नवजात मौत का बताया जाता है। यह स्थिति देश में जन्म के बाद शिशुओं की देखभाल और मातृ सहयोग में गंभीर कमी के कारण है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने मिलकर 'गर्भ के बाद भी स्नेहपूर्ण देखभाल' कार्यक्रम आरंभ किया है। जिसका उद्देश्य नवजातों विशेषकर अल्पवज़न और बीमार बच्चों के प्रारंभिक मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस पहल को देश में नवजात मृत्यु दर घटाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार की ओर से इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि वे शिशुओं की देखभाल में स्पर्श, सुकून व संवेदना को प्राथमिकता दें। आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में नीति आयोग के सदस्य प्रो. विनोद के पाल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की डा. सुनीता शर्मा और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

हापुड़ः गला घोंटकर हत्या करने वाले गैंग के सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

● गला घोंटकर हत्या करने वाले गैंग पर गैंगस्टर एक्ट

पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

सभी आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हापुड़ (धौलाना)। कपूरपुर पुलिस ने सुनियोजित ढंग से गिरोह बनाकर हत्या करने वाले चार लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव पारपा निवासी रोहताश सिंह पुत्र हरि सिंह ने अपने भाई सोनू, सतीश पुत्र जयवीर और साजिद पुत्र शाकिर के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बनाया हुआ है। पुलिस के अनुसार, इसी वर्ष जनवरी माह में रोहताश सिंह और उसके साथियों ने अपने गिरोह की मदद से गांव के ही बलवीर सिंह की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को धौलाना क्षेत्र में राजवाहे के पास छुपा दिया था। इस घटना से पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है।